You Tube kanwhizztimes
@kanwhizztimes
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

❒ वर्ष-14 ❒ अंक-144 ❒ गुरुवार, 26 जून 2025 ❒ नगर संस्करण ❒ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❒ मूल्य- ₹ 3.00 ❒ पृष्ठ-12

'आपातकाल' कांग्रेस की सत्ता की भूख का 'अन्यायकाल' था। 25 जून, 1975 को लगे आपातकाल में देशवासियों ने जो पीड़ा और यातना सही, उसे नई पीढ़ी जान सके, इसी उद्देश्य से मोदी सरकार ने इस दिन को 'संविधान हत्या दिवस' का नाम दिया। अमित शाह

कांग्रेस की नीयत अब भी तानाशाही वाली है : भाजपा 11

उत्तराखंड मंत्रिमंडल की बैठक में चार प्रस्तावों को मिली मंजूरी 12

बुरी तरह से तबाह हुए हमारे परमाणु ठिकाने : ईरान

एजेंसी

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने बुधवार को पहली बार इस बात की पुष्टि की है कि सप्ताहांत में हुए अमेरिकी हमलों से देश के परमाणु प्रतिष्ठान 'बुरी तरह से क्षतिग्रस्त' हुए हैं। 'अल जजीरा' से बात करते हुए बाघेई ने यह टिप्पणी की है। हालांकि उन्होंने परमाणु ठिकानों को हुए नुकसान पर विस्तार से जानकारी देने से इनकार कर दिया।

बाघेई ने स्वीकार किया कि रविवार को अमेरिकी बी-2 बमवर्षकों द्वारा बंकर-बस्टर बम गिराए जाने से काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, ''हमारे परमाणु प्रतिष्ठानों को बुरी तरह से नुकसान पहुंचा है।'' बता दें कि अमेरिकी सेना ने ईरान में तीन परमाणु सुविधा केंद्रों- नतांज़, फ़ोर्डो और इस्फ़हान पर रविवार (22 जून) को 30 हजार पाउंड के बंकर-बस्टर बम गिराने के लिए अपने बी-2 स्टील्थ बॉम्बर्स को तैनात किया था। ईरान का यह कबूलनामा देश के परमाणु कार्यक्रम के 'विनाश' की कई रिपोर्टों की पृष्ठभूमि में आया है। इससे पहले दिन में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान और इजरायल के बीच युद्ध को समाप्त करने का श्रेय लेते हुए उस 'सफलता' का जश्न मनाया। हेग में पत्रकारों से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि ईरान-इजरायल के युद्ध में अमेरिका के शामिल होने और ● शेष पेज 11 पर

ईरानी संसद ने आईएईए के साथ सहयोग निलंबित करने के लिए किया मतदान

ट्रम्प ने ईरान पर हमलों की तुलना हिरोशिमा, नागासाकी की बमबारी से की

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के परमाणु संयंत्रों पर हाल ही में किए गए अमेरिकी हमलों की तुलना करते हुये बुधवार को कहा कि ये हमले जापान के हिरोशिमा और नागासाकी पर 1945 में की गई बमबारी के समान हैं। श्री ट्रम्प ने हेग में नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान कहा मैं नागासाकी का ● शेष पेज 11 पर

इजरायल ने 12 दिनों के युद्ध में ईरान के 1,480 ठिकानों पर किया हमला, 3,500 हथियार गिराए

तेल अवीव। इजरायल ने ईरान में अपने 12 दिवसीय व्यापक सैन्य अभियान में 1,480 से अधिक ठिकानों पर हमला किया और लगभग 1,500 हवाई हमले कर 3,500 हथियार गिराए ।

यह जानकारी इजरायली मीडिया और रक्षा सूत्रों ने बुधवार को दी। ईरान इंटरनेशनल ने इजरायली सेना और राष्ट्रीय राहत सेवाओं (एमडीए) के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि संघर्ष के दौरान 29 इजरायली मारे गए। एक महिला की हवाई हमले के सायरन के दौरान हृदयाघात से मृत्यु हो गई। इजरायली वायुसेना ने इस हमले के दौरान 600 बार हवा में ईंधन भरने का कार्य किया और 80 ईरानी वायु रक्षा प्रणालियों और 250 मिसाइल प्रक्षेपण स्थल को भी निशाना बनाया। ईरान में आठ परमाणु स्थलों पर बमबारी की गई, जिसमें दो प्रमुख संयंत्रों को भारी नुकसान पहुंचा। प्रारंभिक हवाई हमलों में नतांज और इस्फाहान को निशाना बनाया गया और इसके बाद अराक, पर्चिन, करज, बोनाब और तेहरान पर हमला किया गया। राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान (आईएनएसएस) के हवाले से कहा गया कि इन हमलों से ईरान के परमाणु अवसंरचना को बहुत नुकसान पहुंचा है और देश की सामरिक प्रक्षेपण क्षमता का अधिकांश हिस्सा नष्ट हो गया है। हवाई हमलों के जवाब में ईरान ने इजरायल पर लगभग 600 मिसाइलें दागीं। रिशोन लेज़ियन, हाइफ़ा, पेटाह टिकवा, किर्यत अता और बीरशेबा सहित कई शहरों में लोगों की मौतें हुईं। संघर्ष के दौरान पूरे इजरायल में 30,000 से ज़्यादा इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। इस बीच, इजरायली रक्षा बलों के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल एफी डेफ्रिन ने आज कहा कि ईरान के साथ हालिया युद्ध ने उसके परमाणु कार्यक्रम को कई वर्षों पीछे धकेल दिया है। डेफ्रिन की टिप्पणी आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इयाल ज़मीर की मंगलवार रात की टिप्पणी से मेल खाती है जिसमें उन्होंने कहा था कि हमने ईरान की परमाणु परियोजना को वर्षों पीछे धकेल दिया है और यही बात उसके मिसाइल कार्यक्रम पर भी लागू होती है।

शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष में भरी उड़ान

एजेंसी

❒ ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का स्पेसक्राफ्ट से पहला संदेश- मेरे कंधे पे मेरा तिरंगा है...

❒ लगभग 28 घंटे बाद गुरुवार शाम करीब 04:30 बजे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में लैंड करेगा स्पेसक्राफ्ट

नई दिल्ली। नासा के एक्सिओम-4 मिशन का हिस्सा बने भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का स्पेसक्राफ्ट से पहला संदेश आ गया है। उन्होंने कहा, 'नमस्कार मेरे प्यारे देशवासियों। काफी साल बाद हम फिर वापस अंतरिक्ष में पहुंच गए हैं। कमाल की सवारी थी। मेरे साथ मेरे कंधे पे मेरा तिरंगा है।' भारत के लिए यह क्षण 41 साल बाद आया है, जब स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा ने पहली बार हमारे तिरंगे को अंतरिक्ष में ले जाकर संदेश भेजा था, 'सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा।'

नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) ने कई बार मिशन स्थगित होने के बाद बुधवार को आखिरकार केनेडी स्पेस सेंटर से एक्सिओम-4 मिशन लॉन्च कर दिया। यह सटीक क्षण तब आया, जब स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट ने फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर के कॉम्प्लेक्स 39ए से भारतीय समयानुसार दोपहर 12:01 बजे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की ओर उड़ान भरी। एक्स-4 क्रू में भारत, पोलैंड और हंगरी के अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष भेजे गए हैं। इस मिशन में शामिल किये गए भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष की यात्रा पर 41 साल बाद जाने वाले दूसरे भारतीय हैं। इससे पहले सोवियत रूस के सोयुज अंतरिक्ष यान पर 1984 में भारतीय राकेश शर्मा को भेजा गया था। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के साथ यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के प्रोजेक्ट अंतरिक्ष यात्री स्लावोज उज़्नान्स्की 1978 के बाद से दूसरे पोलिश अंतरिक्ष यात्री हैं। उनके साथ गए टिबोर कापू 1980 के बाद से हंगरी के दूसरे राष्ट्रीय ● शेष पेज 11 पर

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने आपातकाल और एक्सिओम मिशन पर प्रस्ताव पारित किये

एजेंसी

नयी दिल्ली। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने देश में आपातकाल की घोषणा के 50 वर्ष पूरे होने के मौके पर बुधवार को यहां एक प्रस्ताव में आपातकाल का विरोध करने और इससे लड़ते हुए बलिदान देने वाले लोगों के प्रति सम्मान व्यक्त किया तथा उन्हें श्रद्धांजलि दी।

मंत्रिमंडल ने एक्सिओम -4 मिशन के सफल प्रक्षेपण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए भी एक प्रस्ताव किया। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में ● शेष पेज 11 पर

आगरा में अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र के क्षेत्रीय केंद्र को मंजूरी

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश के आगरा में अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र (सीआईपी)के क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना को स्वीकृति दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि आगरा के सिंगना में सीआईपी के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र (सीएसएआरसी) की स्थापना के लिए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गयी है। उन्होंने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य आलू और शकरकंद की उत्पादकता, फसल पश्चात प्रबंधन और खाद्य एवं पोषण सुरक्षा, किसानों की आय और रोजगार ● शेष पेज 11 पर

संक्षेप

खड़गे के तंज पर शशि थरूर ने किया पलटवार

नई दिल्ली। शशि थरूर द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बार-बार तारीफ करने को लेकर कांग्रेस के भीतर ही असहमति की स्थिति सामने आई है। बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी नेता और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर पर परोक्ष रूप से हमला बोला. इसके कुछ ही घंटों बाद थरूर ने सोशल मीडिया पर एक एक्स पोस्ट में अंग्रेजी में संदेश शेयर किया जिसका मतलब है, उड़ने के लिए इजाजत की जरूरत नहीं, पंख आपके हैं, और आसमान किसी का नहीं। इस संदेश को थरूर के पार्टी के प्रति नाराजगी के इशारे के रूप में देखा जा रहा है। यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब थरूर पर पार्टी नेतृत्व की ओर से प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। दरअसल, थरूर ने हाल ही में विदेश में भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के संबंध में आतंक पर पाकिस्तान को बेनकाब किए जाने वाले एक प्रतिनिधिमंडल की की अगुवाई करते हुए प्रधानमंत्री मोदी को भारत के लिए एक प्रमुख संपत्ति बताया था।

किसानों से मक्के की खरीद हुई शुरू, 48 घंटे में भुगतान

लखनऊ। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए प्रदेश के 23 जिलों में मक्का की खरीद शुरू हो गई है। खाद्य एवं रसद आयुक्त भूपेंद्र एस. चौधरी ने बुधवार को बताया कि मक्के का समर्थन मूल्य 2225 प्रति कुंतल तय किया गया है। मक्के की खरीद 31 जुलाई तक की जाएगी। उन्होंने बताया कि फिरोजाबाद, मैनपुरी, आगरा, अलीगढ़, एटा, कासगंज, हाथरस, बुलंदशहर, रामपुर, संभल, बदायूं, कानपुर नगर, औरैया, इटावा, कन्नौज, फर्रुखाबाद, हरदोई, उन्नाव, अयोध्या, बहराइच, गोंडा, बस्ती और मिर्ज़ापुर में 131 क्रय केंद्र बनाए गए हैं। यहां किसानों के लिए पेयजल बैठने की व्यवस्था और तिरपाल आदि की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। किसानों को विभागीय कॉल सेंटर के माध्यम से फोन कर मक्का बेचने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि खाद्य विभाग के ई-उपार्जन पोर्टल पर मक्का विक्रय के लिए पंजीकरण शुरू हो गया है। एटा, हाथरस और संभल में 23 जून से खरीद की शुरुआत हो चुकी है। अब तक 17 किसानों से 930 कुंतल मक्के की खरीद की जा चुकी है। किसानों को भुगतान पीएफएमएस से उनके बैंक खाते में 48 घंटे के भीतर किया जा रहा है।

विस उपचुनावों में आयोग का ईसीआईनेट चालू

एजेंसी

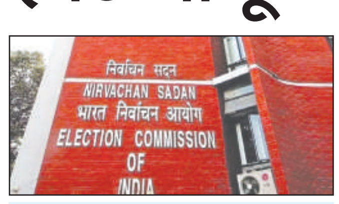

❒ परिणाम के 72 घंटे के अंदर जारी हुए इंडेक्स कार्ड

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग ने केरल, गुजरात, पंजाब और पश्चिम बंगाल की पांच विधानसभा सीटों पर हाल ही में संपन्न हुए उपचुनावों में अपने नए एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म ईसीआईनेट का परिचालन सफलता पूर्वक शुरू कर दिया है और यह आने वाले दिनों में पूरी तरह चालू होगा।

यह जानकारी आयोग की बुधवार को एक विज्ञप्ति में दी गयी। आयोग ने इस साल चार मई को ईसीआईनेट नामक से एक नए वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म के विकास की घोषणा की थी, जिसमें विभिन्न हितधारकों के लिए आयोग द्वारा परिचालित 40 से अधिक मौजूदा मोबाइल और वेब एप्लिकेशन एकीकृत किए गए हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि हाल के उप चुनावों में ईसीआईईनेट के कुछ मॉड्यूल का सफल कार्यान्वयन देखा गया, जो आने वाले हफ्तों में पूरी तरह से चालू हो जाएगा। ईसीआईईनेट मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ मिलकर मतदाताओं और अन्य हितधारकों के लाभ के लिए चुनाव संबंधी जानकारी का समय पर और अद्यतन प्रकटीकरण करने के लिए आयोग द्वारा की गई विभिन्न पहलों में से एक है। आयोग का कहना है कि उपचुनावों के दौरान पीठासीन अधिकारियों (पीआरओ) ने सीधे ईसीआईएनईटी पर मतदान की गति (वीटीआर) के रुझान अपलोड किए जो पहले हाथ से भर कर जारी किए जाते थे। इससे सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान ● शेष पेज 11 पर

2026 से साल में दो बार होगी सीबीएसई बोर्ड 10वीं की परीक्षा

एजेंसी

पहली परीक्षा कम्पल्सरी, दूसरी ऑप्शनल, अप्रैल-जून में नतीजे, सप्लीमेंट्री खत्म

नई दिल्ली। सीबीएसई ने 2026 से साल में दो बार कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा आयोजित करने के मानदंडों को मंजूरी दी। यह जानकारी परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने दी है। सीबीएसई कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षाएं वर्ष में दो बार आयोजित करेगा। पहला चरण फरवरी में आयोजित किया जाएगा और दूसरा चरण मई में होगा। कक्षा 10 के छात्रों के लिए बोर्ड परीक्षा के पहले चरण में उपस्थित होना अनिवार्य, दूसरा चरण वैकल्पिक रहेगा। आंतरिक मूल्यांकन केवल एक बार किया जाएगा।

इस फैसले के बाद छात्रों को अपने अंकों में सुधार का मौका मिल पाएगा। यदि किसी छात्र के अंक पहले चरण में कम रह जाते हैं, तो वह दूसरे चरण में अच्छा प्रदर्शन करके सुधार कर सकेगा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 10वीं के लिए वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा आयोजित करने के मानदंडों को मंजूरी दे दी है, जो नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में अनुशंसित एक कदम है। सीबीएसई परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा, ''पहला चरण फरवरी में और दूसरा मई में आयोजित किया जाएगा। दोनों चरणों के परिणाम क्रमशः अप्रैल और जून में घोषित किए जाएंगे। छात्रों के लिए पहले चरण में शामिल होना अनिवार्य होगा जबकि दूसरा चरण वैकल्पिक होगा। छात्रों को विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं में से किसी तीन विषयों में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने की अनुमति होगी। स्वीकृत मानदंडों के अनुसार, शीतकालीन सत्र में भाग लेने वाले स्कूलों के कक्षा 10वीं के छात्रों को किसी भी चरण में बोर्ड परीक्षा में बैठने का विकल्प मिलेगा। शैक्षणिक सत्र के दौरान आंतरिक मूल्यांकन केवल एक बार किया जाएगा। सीबीएसई ने फरवरी में मसौदा मानदंडों की घोषणा की थी। बाद में इनपर हितधारकों की प्रतिक्रिया के लिए इसे सार्वजनिक डोमेन में रखा गया था। यह निर्णय नई शिक्षा नीति की सिफारिशों के अनुरूप है, जिसके अनुसार बोर्ड परीक्षाओं के ''उच्च-दांव'' पहलू को खत्म करने के लिए, सभी छात्रों को किसी भी स्कूल वर्ष के दौरान दो मौकों पर परीक्षा देने की अनुमति दी जाएगी।

बादल फटने से कुल्लू में तीन लोग बहे

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून ने दस्तक देते ही अपना विकराल रूप दिखाना शुरू कर दिया है। खासकर कुल्लू जिले में बुधवार को बादल फटने की कई घटनाएं सामने आई हैं, जिससे भारी नुकसान हुआ है। वहीं प्रदेश के पांच जिलों में फ्लैश फ्लड का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

कुल्लू जिले के सैंज घाटी, गड़सा, बंजार और मणिकर्ण के ब्रह्मगंगा नाले में बादल फटने की घटनाएं हुई हैं। सैंज के जीवनाला, गड़सा घाटी के शिलागढ़, मनाली के स्त्रो गैलरी और बंजार के होरनगढ़ क्षेत्रों में दोपहर बाद अचानक बारिश का जोर बढ़ा और बादल फटने से नदियों-नालों में बाढ़ आ गई। इससे कई वाहन बह गए और दर्जनों स्थानों पर सड़कें व पुल क्षतिग्रस्त हो गए। अतिरिक्त उपायुक्त कुल्लू अश्वनी कुमार ने बताया कि कुल्लू में तीन स्थानों पर बादल फटने की पुष्टि हुई है। इनमें सैंज का जीवा नाला, गड़सा की शिलागढ़ घाटी और मनाली के स्त्रो गैलरी क्षेत्र शामिल हैं। सैंज घाटी के मझान नाले में अचानक जलस्तर बढ़ गया। गड़सा घाटी में हुरला, पचा और मनिहार नालों में भारी जलप्रवाह दर्ज किया गया है।

संविधान में धर्म निरपेक्ष एवं समाजवादी शब्द जोड़ना भारत की आत्मा पर कुठाराघात : योगी

कांग्रेस ने सत्ता बचाने के लिए घोंटा था संविधान का गला

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि आपातकाल के दौरान संविधान की प्रस्तावना में संशोधन करके धर्म निरपेक्ष और समाजवादी शब्द जोड़ना भारत की आत्मा पर कुठाराघात था। कांग्रेस को आपातकाल के लिए दलितों, वंचितों एवं पूरे देशवासियों से माफी मांगनी चाहिए।

आपातकाल की 50वीं बरसी, संविधान हत्या दिवस पर लोकभवन में आयोजित 'भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय' विषयक संगोष्ठी का शुभारम्भ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर ने अपनी लेखनी के माध्यम से जिन दलितों एवं वंचितों को अधिकार दिलाया था, कांग्रेस ने उनकी आवाज को दबाने का कार्य किया। योगी ने इस अवसर पर लोकतंत्र सेनानियों एवं उनके परिवार के सदस्यों को कैशलेस उपचार की सुविधा की घोषणा की। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हो या आरजेडी दोनों ने संविधान हत्या दिवस पर न तो कोई बयान और न ही सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट किया। इन दोनों पार्टियों के वरिष्ठ नेता संविधान का गला घोंटने के कांग्रेस के कृत्य के खिलाफ थे, कांग्रेस की तानाशाहीपूर्ण कार्यवाही के विरोध में आंदोलनरत थे। आज वही लोग अपने स्वार्थ के लिए कांग्रेस के सामने नाक रगड़ते दिखाई पड़ते हैं। ये लोग लोकतंत्र और संविधान की दुहाई देते हैं लेकिन संविधान का गला घोंटने वालों और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का अपमान करने वालों को अपने गले का हार भी बनाते हैं। इनका यह दोहरा चरित्र लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। उन्होने कहा कि कांग्रेस, सपा एवं आरजेडी जैसी परिवारवादी पार्टियों को संविधान की दुहाई देने का कोई अधिकार नहीं है। इन पार्टियों को जब भी अवसर मिला इन्होंने लोकतंत्र का गला घोंटने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि आज का दिन उन लोगों के चेहरों को बेनकाब करने का अवसर प्रदान करता है, जिन लोगों ने लोकतंत्र की आड़ में भारत के मूल्यों एवं आदर्शों को अपने स्वार्थ के लिए ● शेष पेज 11 पर

आपातकाल में कांग्रेस ने लोकतंत्र को किया कैद, प्रेस की आजादी छीनी : मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर इसे देश के लोकतांत्रिक इतिहास का 'सबसे काला अध्याय' और 'संविधान हत्या दिवस' बताया और आपातकाल के खिलाफ लड़ने वालों को सलाम किया।

श्री मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, आज भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक, आपातकाल लागू होने के 50 साल पूरे हो गए हैं। भारत के लोग इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाते हैं। इस दिन, भारतीय संविधान में निहित मूल्यों को दरकिनार कर दिया गया, मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया, प्रेस की आजादी को खत्म कर दिया गया और कई राजनीतिक नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्रों और आम नागरिकों को जेल में डाल दिया गया। ऐसा लग रहा था जैसे उस समय सत्ता में बैठी कांग्रेस सरकार ने लोकतंत्र को बंधक बना लिया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'द इमरजेंसी डायरीज' में आपातकाल के वर्षों के दौरान मेरी यात्रा का वर्णन है। इसने उस समय की कई यादें ताज़ा कर दीं। श्री मोदी ने कहा, मैं उन सभी लोगों से अपील करता हूँ जो आपातकाल के उन काले दिनों को याद करते हैं या जिनके परिवारों ने उस दौरान कष्ट झेले हैं, वे अपने अनुभवों को सोशल मीडिया पर साझा करें। इससे युवाओं में 1975 से 1977 तक के शर्मनाक समय के बारे में जागरूकता पैदा होगी। उन्होंने आपातकाल के खिलाफ लड़ने वालों को सलाम किया, जिनकी सामूहिक लड़ाई ने तत्कालीन कांग्रेस सरकार को लोकतंत्र बहाल करने और चुनाव कराने पर मजबूर किया। उन्होंने कहा कि 42वें संशोधन में संविधान में व्यापक परिवर्तन किए गए जो आपातकाल लगाने वाली कांग्रेस सरकार की चालों का एक ज्वलंत उदाहरण है, जिसे जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार ने बाद में पलट दिया था। गरीबों, हाशिए पर पड़े लोगों और दलितों को विशेष रूप से निशाना बनाया गया और उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाई गई। श्री मोदी ने कहा कि हम अपने संविधान में निहित सिद्धांतों को मजबूत करने और विकसित देश के अपने दृष्टिकोण को साकार करने के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराते हैं। हम प्रगति की नई ऊंचाइयों को छूएं और गरीबों तथा दलितों के सपनों को साकार करें। यही हमारी प्रतिबद्धता है।

11 जुलाई से यूपी में आप चलाएगी 'हर घर संपर्क अभियान'

101 संगठन प्रभारियों को सांसद संजय सिंह और सह प्रभारी दिलीप पांडेय ने दिया प्रशिक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश में इन दिनों अपने संघर्ष और सेवा के कार्यक्रम के साथ ही कार्यकर्ता सम्मेलन और संकल्प शिविर (प्रशिक्षण शिविर) का कार्यक्रम भी चला रही है। अभी तक विभिन्न प्रांतो में कार्यकर्ता सम्मेलन और संकल्प शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया और अब पूर्वांचल प्रांत और बुंदेलखंड प्रांत का संकल्प शिविर होना बाकी है। यह जानकारी आप सांसद संजय सिंह ने बुधवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से दी।

संजय सिंह ने कहा कि इन सभी सम्मेलनों में एक आवाहन किया कि उत्तर प्रदेश में आम आदमी पार्टी के संगठन को गांव-गांव तक पहुंचाना है, उत्तर प्रदेश में जिला पंचायत का चुनाव हमारा पहला लक्ष्य है, उसको ध्यान में रखकर अपने संगठन का निर्माण गांव गांव तक पहुंचाना है, जिसका नाम हमने दिया है ''हर घर संपर्क अभियान। इस मौके पर सांसद संजय सिंह ने कहा कि जुलाई की 11 तारीख से पूरे उत्तर प्रदेश के अंदर ह्लहर घर संपर्क अभियानङ्क चलाकर आम आदमी पार्टी अपने संगठन का विस्तार करेगी और पार्टी के संदेश को घर-घर में पहुंचाने का काम करेगी। इसके लिए 101 लोगों की टीम बनाई है, जिसमें प्रत्येक को चार-चार विधानसभा में संगठन निर्माण करने की जिम्मेदारी दी गई है इस तरह 403 विधानसभाओं का पूरा खाका तैयार किया है। इस मौके पर यूपी के सह प्रभारी व पूर्व विधायक दिलीप पांडे ने बताया कि इस अभियान के तहत 75 जिलों में 403 विधानसभाओं में, 826 ब्लॉक में, लगभग 8000 न्याय पंचायत में और 57000 ग्राम पंचायत में आम आदमी पार्टी की झाड़ू, आम आदमी पार्टी का झंडा और आम आदमी पार्टी की टोपी लगाए आम आदमी पंचायत के चुनाव में बदलाव लाने को तैयार हो, इसकी रूपरेखा बनाई गई है। उन्हीं 101 संगठन निर्माण प्रभारियों को प्रदेश कार्यालय में बुधवार को प्रशिक्षण दिया गया। पार्टी इनको लेकर 11 जुलाई से प्रदेशव्यापी अभियान शुरू करेगी। दिलीप पांडे ने बताया कि हमारे संगठन प्रभारी जहां आवश्यकता होगी रात्रि प्रवास करेंगे, कार्यकर्ताओं के घर रुकेंगे और समाज में जाकर दलितों पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के मुद्दे समझेंगे, उन्हें उठाएंगे और समाधान करने का प्रयास भी करेंगे। दिलीप पांडे ने कहा कि हमारी योजना है कि सितंबर के आखिरी हफ्ते तक हर घर संपर्क अभियान को पूरा कर लिया जाए और फिर उन साथियों को सम्मानित भी किया जाए।

वीपी सिंह की जयंती सरकारी तौर पर मनायी जाए : नासिर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। मंडल मसीहा राजा विश्वनाथ प्रताप सिंह की 94वीं जयंती होटल क्लार्क अवध लखनऊ में अब्दुल नसीर नासिर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता करते हुए श्री नासिर ने केंद्रीय सरकार व राज्य सरकारों से अपील की है कि जिस तरह से अन्य प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्रीयो की जयंती मनाई जाती है उसी तरह से वी0 पी0 सिंह की जयंती भी मनाई जाए और मंडल कमीशन की सभी सिफारिशें लागू की जाए।

कार्यक्रम के मुख्यअतिथि पूर्व मंत्री और मोहनलालगंज लोक सभा के सांसद आर0के0 चौधरी ने कहा कि वी0पी0 सिंह ने जो कारनामा अंजाम दिया है जरूरत है उस पर पूरी तरह अमल कराया जाए। उन्होंने कहा कि आज लोकतंत्र खतरे में है उसे बचाने की ज़िम्मेदारी हम सब की है। उन्होंने कहा कि संसद लोकतंत्र का मंदिर है वहां संविधान की प्रति रखी जाना चाहिए, सेंगोल नहीं। इसके अलावा वक्ताओं ने कहा कि सिर्फ आरक्षण नहीं बल्कि प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। प्रथम क्षेणी से लेकर निजी क्षेत्रों और नौकरी से लेकर स्वामित्व, ठेकों, पटटों तक में। इससे पूर्व मुख्य अतिथि के पहुंचने पर प्रो0 अब्दुल्ला ने उन्हें गुलदस्ता और शाल भेंट करके उन्हें सम्मानित किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने फात्मा ज़िक्रा, समेत विभिन्न लोगों को सम्मानित किया। इस मौके पर प्रो0 सुरेश बाबू केजीएमयू, डॉक्टर संदीप पटेल, डा0 मोहम्मद उसामा, डॉक्टर मोहम्मद अकबर आदि ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद गुफरान नसीम ने किया।

पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह की जयंती मनाई गई

आज़मगढ़। समाजिक न्याय और किसान संगठनों ने पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह की जयंती पर श्रीकांतपुर, तहबरपुर, आज़मगढ़ में जनसभा की। वक्ताओं ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह ने मंडल कमीशन लागू करके देश की सबसे बड़ी पिछड़ी आबादी को उसका हक़-अधिकार दिलाया। आज जब देश में जन आंदोलनों के दबाव में आज़ाद भारत की पहली जातिगत जनगणना होने जा रही है तो उसका श्रेय वीपी सिंह को भी जाता है। वीपी सिंह कॉरपोरेट गठजोड़ के खिलाफ़ अंतिम दम तक लड़ते रहे। विश्वनाथ प्रताप सिंह देश के एकलौते प्रधानमंत्री रहे जिन्होंने पद से हटने के बाद भी अपनी आंदोलनकारी भूमिका नहीं छोड़ी। वीपी सिंह को सच्ची श्रद्धांजलि यह होगी कि जिस मंडल कमीशन की एक सिफारिश को उन्होंने लागू किया उसकी सम्पूर्ण सिफारिशों को लागू किया जाए। कार्यक्रम को किसान नेता राजीव यादव, एनएपीएम के राज शेखर, पूर्वांचल किसान यूनियन से वीरेंद्र यादव, महेंद्र यादव, पेरियार शिवशंकर आदि ने संबोधित किया।

नगर निगम ने शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाया

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। मंडलायुक्त और नगर निगम के नगर आयुक्त के निर्देश पर शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए बड़ा अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई नगर निगम की अपर नगर आयुक्त नम्रता सिंह द्वारा गठित टीम के नेतृत्व में ग्राम हरिहरपुर, तहसील सरोजनी नगर में की गई। यह भूमि नगर निगम की संपत्ति के रूप में दर्ज है। गाटा संख्या 209 (0.159 हे.), 319 (0.114 हे.) और 869 (0.291 हे.) के अंतर्गत कुल 0.564 हेक्टेयर भूमि पर कुछ स्थानीय लोग और प्रॉपर्टी डीलर अवैध कब्जा कर रहे थे। संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी मशीन से अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिए और 0.218 हेक्टेयर भूमि को कब्जे से मुक्त कराया गया। इसकी बाजार कीमत लगभग ?1.75 करोड़ आँकी गई है। कार्रवाई का संचालन नगर निगम के नायब तहसीलदार रत्नेश कुमार ने किया। प्रभारी सम्पत्ति अधिकारी संजय यादव द्वारा उपलब्ध कराई गई टीम में नगर निगम के लेखपाल अजीत तिवारी, अनूप गुप्ता और राजस्व लेखपाल दिनेश शामिल रहे। सुरक्षा के लिए थाना सुशांत गोल्फ सिटी से पुलिस बल व पीएसी तैनात रही। इस बीच कुछ लोगों ने विरोध का प्रयास किया, लेकिन प्रशासन ने शांतिपूर्ण ढंग से कार्यवाही पूरी की।नगर निगम ने साफ किया है कि शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। नगर आयुक्त ने कहा कि सार्वजनिक संपत्तियों की रक्षा और लखनऊ को व्यवस्थित बनाए रखने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे। इस अभियान से न केवल कीमती जमीन बची, बल्कि यह भी संदेश गया कि अवैध कब्जों के खिलाफ प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है।

नगर निगम की सदन बैठक अब होगी 1 जुलाई को

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगर निगम लखनऊ की कार्यकारिणी समिति में रिक्त छह सदस्यों के मनोनयन हेतु प्रस्तावित सदन की बैठक की तिथि में बदलाव किया गया है। अब यह बैठक 1 जुलाई 2025 को सुबह 11 बजे नगर निगम मुख्यालय, लालबाग स्थित त्रिलोकनाथ सभागार में आयोजित की जाएगी। इससे पहले यह बैठक 4 जुलाई को प्रस्तावित थी। तिथि में यह परिवर्तन मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट स्कीम (सीएम-ग्रिड्स) के तहत बैंगलुरु और पिंपरी-चिंचवड़ में आयोजित तकनीकी सेमिनार में भाग लेने वाले अधिकारियों की अनुपस्थिति को देखते हुए किया गया है। यह भ्रमण 2 जुलाई से 5 जुलाई तक प्रस्तावित है। सदन बैठक के दौरान कार्यकारिणी समिति में रिक्त पदों को भरने के लिए सदस्यों का चयन किया जाएगा। नगर निगम प्रशासन ने सभी पार्षदों और नामित सदस्यों से बैठक में समय से उपस्थिति दर्ज कराने की अपील की है। सदन की गरिमा बनाए रखने के उद्देश्य से यह स्पष्ट किया गया है कि बैठक में केवल पार्षद, नामित सदस्य और अधिकृत अधिकारी कर्मचारी ही उपस्थित रहेंगे। किसी भी बाहरी व्यक्ति का प्रवेश वर्जित रहेगा। बैठक से संबंधित सभी औपचारिक कार्यवाहियों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

11 साल से देश में अघोषित आपातकाल लगाने वाले आपातकाल पर खड़े कर रहे सवाल : अंशू अवस्थी

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी आपातकाल को लेकर लगातार कांग्रेस को घेरने में जुटी है। इस पर कांग्रेस प्रवक्ता अंशू अवस्थी ने जोरदार प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि 11 साल से देश में अघोषित आपातकाल लगाने वाले आज आपातकाल पर सवाल खड़ा कर रहे हैं। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि हमेशा अपनी बात से पलटने वाले आरएसएस और बीजेपी के लोगों पर जनता यकीन नहीं करती। बीजेपी और आरएसएस उन इंदिरा गांधी और कांग्रेस पार्टी पर आरोप लगा रहे हैं जिन्होंने पाकिस्तान के दो टुकड़े करके विश्व का इतिहास और भूगोल बदल बांग्लादेश राष्ट्र बनाया। इंदिरा गांधी वह हैं, जिन्होंने बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया, जमींदारी उन्मूलन अधिनियम को लागू किया, प्रिवी पर्स समाप्त किया। इंदिरा गांधी ने तो आपातकाल पर खेद व्यक्त करके देश में आम चुनाव कराए, पत्रकारों के सवालों के जवाब दिए लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 साल से अघोषित आपातकाल लगाकर बैठे हैं। जिन्होंने इस देश में संविधान बदलने के नाम पर जनादेश मांगा लेकिन देश के जनमानस ने मोदी की मांग को अस्वीकार कर दिया। जिन्होंने पत्रकारों के ऊपर बंदिशे लगा रखी है, आवाजों को दबा रहे हैं वह आपातकाल पर अब सवाल खड़ा करते हैं। पीएम मोदी पर तंज करते हुए उन्होंने कहा कि वो खुद पत्रकारों का सामना नहीं कर पाते जबकि इंदिरा गांधी तो कभी अमेरिका के आगे नहीं झुकी। कहा कि जब अमेरिका के आगे सरेंडर हुए पीएम मोदी, इंदिरा गांधी की नेतृत्व क्षमता और निर्णय पर सवाल खड़ा करते हैं तो जनता भाजपाइयों और पीएम मोदी पर हंसती है।

अवैध प्लाटिंग पर फिर गरजा एलडीए का बुलडोजर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में अवैध प्लाटिंग और निर्माण कार्यों पर लखनऊ विकास प्राधिकरण का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। बुधवार को एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर प्रवर्तन जोन-4, जोन-5 और जोन-7 की संयुक्त टीमों ने सैरपुर, दुबग्गा और गुड़म्बा क्षेत्रों में बड़ी कार्रवाई करते हुए अलकनंदा ग्रीन सिटी समेत कुल चार अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया, जबकि एक निर्माणाधीन अवैध व्यावसायिक कॉम्पलेक्स को सील किया गया। प्रवर्तन जोन-4 की जोनल अधिकारी वंदना पांडेय ने जानकारी दी कि सैरपुर के अवध विहार कॉलोनी क्षेत्र में लक्ष्मण यादव व अन्य द्वारा लगभग 40 बीघा भूमि पर बिना ले-आउट स्वीकृति के अवैध रूप से 'अलकनंदा ग्रीन सिटी' नाम से कॉलोनी विकसित की जा रही थी। यहां पर सड़क, नाली, बाउंड्रीवॉल और साइट ऑफिस का निर्माण किया जा चुका था। एलडीए की टीम ने मौके पर पहुंचकर समस्त निर्माण को ध्वस्त कर दिया। इसी क्षेत्र के घुवैला और कमलाबाद में वंशराज यादव व अन्य द्वारा लगभग 4 बीघा में अवैध प्लाटिंग की जा रही थी, जिसे भी गिरा दिया गया। प्रवर्तन जोन-7 के जोनल अधिकारी रवि नंदन सिंह ने बताया कि संदीप और प्रदीप कुमार द्वारा दुबग्गा क्षेत्र के ग्राम मलहा में लगभग 4 बीघा भूमि पर और आरडी ग्रीन्स द्वारा भी लगभग 4 बीघा क्षेत्रफल में बिना स्वीकृति के प्लाटिंग कराई जा रही थी। प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने प्राधिकरण पुलिस बल की मौजूदगी में दोनों अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया।

गुड़म्बा में 4000 वर्गफीट का अवैध कॉम्पलेक्स सील

प्रवर्तन जोन-5 के जोनल अधिकारी माधवेश कुमार ने बताया कि मोहम्मद शोएब खान व अन्य द्वारा गुड़म्बा क्षेत्र के आदिल नगर में रिंग रोड पर करीब 4,000 वर्गफीट क्षेत्र में व्यावसायिक कॉम्पलेक्स का अवैध निर्माण किया जा रहा था। बिना मानचित्र स्वीकृति के हो रहे इस निर्माण को प्राधिकरण की टीम ने सील कर दिया। एलडीए की इस लगातार कार्रवाई से अवैध प्लाटिंग और निर्माण कराने वालों में हड़कंप मच गया है। उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि बिना अनुमति और ले-आउट स्वीकृति के किसी भी प्रकार के निर्माण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्राधिकरण की प्रवर्तन टीमें आगे भी नियमित रूप से ऐसे निर्माणों पर निगरानी रखेगी और सख्त कार्रवाई की जाएगी।

थाने में खड़ी गाड़ी का किया चालान फिर किया सीज

पुरामुफ्ती थाने में तैनात दरोगा पर संतोष यादव पर गंभीर आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज । जनपद के पुरामुफ्ती थाना क्षेत्र में तैनात उपनिरीक्षक संतोष यादव पर लगातार गंभीर आरोप सामने आ रहे हैं। क्षेत्रीय जनता का कहना है कि दरोगा की कार्यशैली मनमानी, भय और भ्रष्टाचार से भरी हुई है। स्थानीय नागरिकों ने नाराज़गी जताते हुए कहा, ''अब तो आयाम विरुद्ध दरोगा का काम है,और जनता परेशान है।''

हाल ही में थाने के परिसर में खड़ी एक वाहन पर ?5,000 का सीट बेल्ट ना लगाने का चालान काटा गया और उसके बाद बिना स्पष्ट कारण के वाहन को सीज कर दिया गया। वाहन मालिक और प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि न तो कोई नोटिस दिया गया और न ही कानूनी प्रक्रिया का पालन हुआ। थाना परिसर में खड़ी गाड़ी का सीसीटीवी कैमरे से रिकॉर्ड निकल कर जांच की जा सकती है। दरोगा थाने से कुछ दूर गाड़ी एजेंसी के पास का चालान दिखाया है जबकि गाड़ी थाने परिसर में खड़ी थी । इससे पुलिस प्रशासन की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े हो गए हैं। टिकरी क्षेत्र, जो दरोगा संतोष यादव के अधिकार क्षेत्र में आता है, वहां खुलेआम रात के अंधेरे में जेसीबी मशीनें गरजती हैं। सूत्रों के मुताबिक, क्षेत्र में कम से कम छह जेसीबी मशीनें प्रतिदिन खनन कार्य में लगी रहती हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि प्रति जेसीबी ?5,000 की ''सेटिंग'' दरोगा के साथ फिक्स है। इस तरह प्रतिदिन लगभग ?30,000 की अवैध कमाई का आरोप दरोगा पर प्रतिदिन लगाया जा रहा है। प्रशासन की चुप्पी इस गतिविधि पर सवाल खड़े कर रही है। 22 जून को नरेंद्र उर्फ मोनू को एक व्यक्ति जीशान ने थाने के पास मिलने के लिए बुलाया। जब मोनू पहुंचा तो वहां दर्जनों लोग पहले से मौजूद थे। मोनू के अनुसार, उसके साथ गाली-गलौज और हाथापाई हुई, फिर उसकी गाड़ी की चाबी छीन ली गई और दरोगा द्वारा गाड़ी को सीज कर दिया गया। आरोप है कि एक महिला और दरोगा ने मिलकर उसे झूठे केस में फंसाने की धमकी भी दी। इन घटनाओं के बाद क्षेत्रीय जनता का सब्र जवाब दे चुका है। आम लोगों में पुलिस प्रशासन के खिलाफ गहरी नाराज़गी है। स्थानीय लोगों ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से दरोगा संतोष यादव के विरुद्ध निष्पक्ष जांच और तत्काल निलंबन की मांग की है।

गवर्निंग बोर्ड की बैठक सम्पन्न, योजनाओं के शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति के निर्देश

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह की अध्यक्षता में आत्मा, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (गेहूं, दलहन, तिलहन, न्यूट्री-सीरियल एवं कोर्स सीरियल), नमामि गंगे एवं प्राकृतिक खेती योजना के अंतर्गत गवर्निंग बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजनाओं की प्रगति और आगामी वित्तीय वर्ष के लक्ष्यों की समीक्षा की गई। बैठक में संयुक्त कृषि निदेशक प्रयागराज मंडल, उप कृषि निदेशक प्रयागराज, जिला कृषि रक्षा अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, लीड बैंक मैनेजर प्रयागराज, सिंचाई, पशुपालन, मत्स्य विभाग के अधिकारी, नामित संस्थाओं के कर्मचारी, कृषि सखी, विभागीय स्टाफ और जिले के किसान उपस्थित रहे। संयुक्त कृषि निदेशक प्रयागराज मंडल ने बैठक में गत वर्ष की योजनागत प्रगति, परिपालन आख्या और वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए तैयार की गई कार्य योजना का प्रस्तुतीकरण किया। अधिकारियों ने योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं, समाधान और किसानों के लाभ से संबंधित बिंदुओं पर भी चर्चा की। मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह ने बैठक के दौरान स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विभाग योजनाओं के तहत निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से शत-प्रतिशत पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने विभागीय समन्वय को और मजबूत करने एवं किसानों को योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ दिलाने पर विशेष जोर दिया।

न्यू ऊंचडीह स्टेशन के पास मालगाड़ी में लगी आग, बड़ा हादसा टला

प्रयागराज , कैनविज टाइम्स संवाददाता। न्यू ऊंचडीह स्टेशन के पास शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक मालगाड़ी में अचानक आग लग गई। यह मालगाड़ी पेट्रोल के टैंकर लेकर जा रही थी, जिससे हादसे की आशंका और भी गंभीर हो गई थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही आग की लपटें दिखाई दीं, रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। तत्काल रेलवे प्रशासन और फायर ब्रिगेड की टीम को सूचना दी गई। फायर टेंडर की मदद से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया, जिससे एक बड़े हादसे को टाल दिया गया। रेलवे सूत्रों के मुताबिक, आग की वजह की जांच की जा रही है। फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। स्थिति पर नियंत्रण के बाद मालगाड़ी के प्रभावित डिब्बों को हटाकर रेल यातायात बहाल करने की कार्रवाई की जा रही है। रेल प्रशासन ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दे दिए हैं और सुरक्षा मानकों की समीक्षा शुरू कर दी गई है। यदि समय पर आग पर काबू नहीं पाया जाता, तो यह एक बड़ी त्रासदी का कारण बन सकती थी।

डीजीपी के आदेश की उड़ाई जा रही धज्जियां

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। डीजीपी के स्पष्ट दिशा-निर्देशों के बावजूद प्रयागराज कमिश्नरेट में नियमों की खुलकर अनदेखी की जा रही है। नियम के अनुसार, अंडर ट्रेनिंग दरोगाओं को छह महीने ग्रामीण क्षेत्र और छह महीने शहरी क्षेत्र में तैनात किया जाना चाहिए, ताकि उन्हें विविध कार्यस्थलों का अनुभव मिल सके। लेकिन हकीकत इससे कोसों दूर है। शंकरगढ़ थाने में कई अंडर ट्रेनिंग दरोगा वर्षों से जमे हुए हैं। करीब दो साल से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन उन्हें अब तक शहरी क्षेत्र में भेजा ही नहीं गया। यही हाल घूरपुर, लालापुर, बारा और मेजा थानों का भी है, जहां अंडर ट्रेनिंग दरोगा लगातार ग्रामीण थानों में ही तैनात हैं। प्रशासनिक स्तर पर इस लापरवाही से सवाल खड़े हो रहे हैं। कहीं यह नियमों की अनदेखी है, तो कहीं एक ही जगह लंबे समय तक तैनाती भ्रष्टाचार और साठगांठ की आशंका को भी जन्म देती है। डीजीपी के आदेशों की इस तरह अवहेलना से न केवल प्रशिक्षण की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है, बल्कि कानून व्यवस्था और पुलिसिंग के अनुभव का संतुलन भी बिगड़ रहा है। अब देखने वाली बात यह होगी कि उच्च अधिकारी इस लापरवाही पर क्या संज्ञान लेते हैं और क्या वाकई इन अंडर ट्रेनिंग दरोगाओं का स्थानांतरण नियमानुसार किया जाएगा या फिर यह व्यवस्था सिर्फ कागजों तक सीमित रह जाएगी।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा., मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, हजरतगंज, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

1.	**ई-निविदा सूचना सं. :** 1180-वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता-उत्तर रेलवे-लखनऊ दिनांक 24.06.2025
2.	**कार्य का नाम :** लखनऊ डिवीजन में विभिन्न स्थानों पर स्थापित 21 नम्बर एस्केलेटरों का व्यापक रखरखाव अनुबंध।
3.	**अनुमानित लागत :** रु. 1,06,57,987.20/- (एक करोड़ छः लाख सत्तावन हज़ार नौ सौ सत्तासी रुपये और बीस पैसे मात्र)
4.	**बयाना राशि :** रु. 2,03,300/- (दो लाख तीन हज़ार तीन सौ रुपये मात्र)
5.	**कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 24 माह
6.	**ई-निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि :** दिनांक 17.07.2025 को 15:00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15:30 बजे वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा., उत्तर रेलवे, हज़रतगंज, लखनऊ के कार्यालय में।
7.	**प्रस्ताव की वैधता :** ई-निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन।
8.	**उत्तर रेलवे की वेबसाइट :** अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर चेक की जा सकती है।

सं.: 1180-वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता-उत्तर रेलवे-लखनऊ दिनांक: 24.06.2025 1906/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

1.44 करोड़ रुपये का हुआ गृह कर घोटाला

जोन 3 और जोन 7 के कंप्यूटर ऑपरेटरों पर दर्ज है एफआईआर, पुलिस कार्रवाई धीमी, घोटाले के खुलासे पर उठे सवाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज नगर निगम में गृह कर वसूली के नाम पर एक बड़ा घोटाला उजागर हुआ है। नगर निगम के जोन 3 और जोन 7 में तैनात दो आउटसोर्सिंग कंप्यूटर ऑपरेटरों ने फर्जी रसीदें काटकर 1 करोड़ 44 लाख 14 हजार रुपये गबन कर लिए। निगम प्रशासन ने दोनों के खिलाफ क्क्रूढ्ढक्र तो दर्ज करवा दी है, लेकिन पुलिस की कार्रवाई बेहद धीमी और लापरवाह नजर आ रही है। अब यह सवाल उठने लगा है कि कहीं पुलिस इस पूरे मामले में सिर्फ खानापूर्ति तो नहीं कर रही?

नगर निगम की जांच में सामने आया है कि जोन 3 में कार्यरत आकाश श्रीवास्तव, निवासी जयंतीपुर प्रयागराज, ने अपनी लॉगिन आईडी से 88 फर्जी रसीदें काटीं। इन रसीदों से वसूले गए 18 लाख 6 हजार 866 रुपये सरकारी कोष में जमा नहीं किए गए। इसी प्रकार जोन 7 में तैनात सत्यम शुक्ला, निवासी अल्लापुर प्रयागराज, ने 387 फर्जी रसीदें काटकर 1 करोड़ 26 लाख 5 हजार 368 रुपये हड़प लिए। कुल मिलाकर दोनों ने 475 फर्जी रसीदों के माध्यम से 1.44 करोड़ रुपये का घोटाला कर दिया। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी पी.के. द्विवेदी ने 30 अप्रैल 2025 को थाना कर्नलगंज में इस मामले में अपराध संख्या 152/2025 दर्ज कराई थी। इसमें बीएनएस की धारा 314, 316(4), 318(4), 319(2) के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। मामले की जांच चौकी कटरा के प्रभारी हरिनंद सिंह कर रहे हैं, लेकिन डेढ़ महीने से ज्यादा का समय गुजर जाने के बाद भी अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। चौकी प्रभारी का कहना है कि मुख्य आरोपियों से अब तक कोई संपर्क नहीं हो सका है, जबकि अन्य संदिग्धों की जांच की जा रही है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जब घोटाले की रकम इतनी बड़ी है, तो पुलिस की प्राथमिकता इस मामले में क्यों नहीं दिख रही? क्या पुलिस जानबूझकर मामले को धीमा कर रही है, या फिर कहीं कोई राजनीतिक या विभागीय दबाव तो नहीं?

नगर निगम सूत्रों का कहना है कि यदि पुलिस समय पर कार्रवाई करती, तो इस घोटाले के पीछे छिपे पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ हो सकता था। लेकिन पुलिस की सुस्त कार्यशैली और संभावित लापरवाही के कारण अभी तक इस गबन के असली मास्टरमाइंड सामने नहीं आ सके हैं। यह भी आशंका जताई जा रही है कि कहीं पुलिस की इस ढील से मुख्य आरोपी कहीं विदेश या दूसरे राज्यों में भाग न जाएं।

नगर निगम में इस खुलासे के बाद हड़कंप मच गया है। निगम प्रशासन ने अन्य जोनों की वसूली और कैंसिल रसीदों की भी गहन जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि घोटाला कई अन्य जोनों में भी हो सकता है। निगम ने गृह कर से जुड़ी सभी रसीदों का भौतिक सत्यापन करने के आदेश भी जारी कर दिए हैं। नगर निगम के अधिकारियों ने पुलिस से कार्रवाई तेज करने की मांग की है। यदि पुलिस की रफ्तार यही रही तो जनता के करोड़ों रुपये गबन करने वाले दोषियों तक पहुंचना मुश्किल हो सकता है। फिलहाल पूरे शहर में यही सवाल तैर रहा है कि आखिर कब पुलिस इन मुख्य आरोपियों तक पहुंचेगी और कब न्याय होगा?

नकारात्मक राजनीति भाजपा की पहचानः अखिलेश

फर्रुखाबाद। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि नकारात्मक राजनीति भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पहचान बन चुकी है। श्री यादव ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भाजपा चाहती है कि एक धर्म के लोग दूसरे धर्म के लोगों से लड़े और जातियों के बीच संघर्ष हो। नकारात्मक राजनीति करना ही भाजपा का तरीका है। भाजपा के एक तरफा फैसला लेने से, जनमानस को न्याय नहीं मिलता और इसी तरह के फैसला लगातार लिए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया ह्ल नीति घोषित और अघोषित होती हैं, भाजपा इमरजेंसी की याद करती है तो हमें अभी इस समय जो अघोषित इमरजेंसी चल रही है उसे भी ध्यान में रखना चाहिए, आज की परिस्थितियां ऐसी है कि सच लिखने में पाबंदी है। भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। हम सबको याद होगा कि अटल जी ने आवाहन किया था कि भ्रष्टाचार, महंगाई, चरम सीमा के मामले को लेकर संपूर्ण क्रांति आंदोलन चलाया। आज महंगाई भ्रष्टाचार,अन्याय चरम सीमा पर पहुंच गये,जिसमें अघोषित इमरजेंसी शामिल है।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा0, मंडल रेल प्रबंधक, हज़रतगंज, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

1.	ई-निविदा सूचना सं0	1177-वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता – उत्तर रेलवे – लखनऊ दिनांक- 24.06.2025
2.	कार्य का नाम	लखनऊ मंडल के अंतर्गत वाशिंग लाइनों, स्टेशनो और रखरखाव डिपो में प्री-कूलिंग पॉइंट, चार्जिंग पॉइंट और रोशनी में सुधार का प्रावधान।
3.	अनुमानित लागत	रु. 2,76,14,740.33/- (दो करोड़ छिहत्तर लाख चौदह हजार सात सौ चालीस रुपये एवं तैंतीस पैसा)
4.	ई-निविदा की कीमत	शून्य
5.	बयाना राशि	रु. 2,88,100 /- (दो लाख अट्ठासी हजार एक सौ रुपये मात्र)
6.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	09 माह।
7.	ई-निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि	दिनांक 22.07.2025 को 15:00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15:30 बजे वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा0, उत्तर रेलवे, हज़रतगंज, लखनऊ के कार्यालय में।
8.	प्रस्ताव की वैधता	ई-निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन।
9.	उत्तर रेलवे की वेबसाइट	अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर चेक की जा सकती है।

नं. 1177-वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता – उत्तर रेलवे – लखनऊ दिनांक- 24.06.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1903/25

मलिहाबाद में दो दोस्तों की दर्दनाक मौत, गांव में मातम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ तेज़ रफ्तार ट्रक ने ली किशोर की जान, दोस्त ने सदमे में ट्रेन के आगे कूदकर की आत्महत्या

मनीष की फ़ाइल फ़ोटो। सागर की फ़ाइल फ़ोटो।

मलिहाबाद/लखनऊ। मलिहाबाद क्षेत्र के सरावां गांव के फरीदीपुर में दर्दनाक हादसे ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। पहले एक तेज रफ्तार ट्रक ने साइकिल सवार किशोर मनीष रावत 16 वर्ष को रौंद दिया, जिसके बाद उसकी मौत से टूटे जिगरी दोस्त सागर गौतम 22 वर्ष ने मलिहाबाद रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। अतिरिक्त प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र कुमार मिश्रा के अनुसार, सरावां गांव निवासी मनीष रावत पुत्र संजय रावत और सागर गौतम पुत्र गंगा गौतम बेहद करीबी दोस्त थे। बुधवार सुबह करीब साढ़े 7 बजे दोनों साइकिल से विपरीत दिशा में पास के एक बाग में आम तोड़ने जा रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने मनीष को कुचल दिया। ट्रक का पहिया उसके ऊपर से गुजर गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मनीष की मौत देख सागर बेसुध हो गया और सड़क पर ही फूट-फूटकर रोने लगा। गहरे सदमे में उसने पहले एक ट्रक के सामने लेटकर जान देने की कोशिश की, लेकिन चालक ने समय रहते ब्रेक लगाकर उसे बचा लिया। इसके बाद सागर वहां से दौड़ता हुआ फरीदीपुर गांव की ओर गया और रेलवे क्रॉसिंग पर एक्सप्रेस ट्रेन के सामने छलांग लगाकर अपनी जान दे दी। मनीष के पिता संजय रावत ने बताया कि सागर और मनीष की दोस्ती बहुत गहरी थी। दोनों हर वक्त साथ रहते थे। बेटे की मौत के गम में सागर ने भी दुनिया को अलविदा कह दिया। सूचना पर पहुंची मलिहाबाद पुलिस ने मनीष के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वही सागर के शव को जीआरपी पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल मनीष के परिजनों ने ट्रक चालक के विरुद्ध तहरीर दी है। पुलिस ने ट्रक चालक को पकड़कर ट्रक को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

आईटी सिटी और वेलनेस सिटी के किसान होंगे मालामाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में लखनऊ विकास प्राधिकरण की महत्वाकांक्षी योजनाएं आईटी सिटी और वेलनेस सिटी अब किसानों के लिए फायदे का सौदा साबित होने जा रही हैं। इन योजनाओं के लिए भूमि देने वाले किसानों को लैंड पूलिंग नीति के तहत 10 गुना तक अधिक लाभ मिलने वाला है। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बुधवार को सुलतानपुर रोड पर प्रस्तावित आईटी सिटी योजना का निरीक्षण किया और अधिकारियों को सेक्टर डेवलपमेंट में तेजी लाने व किसानों को लाभों की जानकारी देने के निर्देश दिए है। उपाध्यक्ष ने बताया कि सुलतानपुर रोड और किसान पथ के बीच लगभग 2,858 एकड़ क्षेत्र में आईटी सिटी विकसित की जा रही है, जिसमें मोहनलालगंज तहसील के ग्राम बक्कास, सोनई कंजेहरा, सिकंदरपुर अमोलिया, सिद्धपुरा, परेहटा, पहाड़नगर टिकरिया, रकीबाबाद, मोहारी खुर्द, खुजौली और भटवारा की भूमि शामिल है। योजना की बेहतर रोड कनेक्टिविटी इसे आम लोगों के लिए बेहद उपयोगी बनाएगी। योजना के अंतर्गत 72 से 200 वर्गमीटर क्षेत्रफल के करीब 5,000 आवासीय भूखंड विकसित किए जाएंगे, वहीं 445.65 एकड़ इंडस्ट्रियल एरिया और 260 एकड़ क्षेत्र को व्यावसायिक गतिविधियों के लिए आरक्षित किया गया है। पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए योजना में 200 एकड़ की ग्रीन बेल्ट और 15 एकड़ में वाटर बॉडी भी शामिल की गई है। लैंड पूलिंग नीति के तहत भूमि देने वाले किसानों को दी जा रही सुविधा की तुलना करते हुए उपाध्यक्ष ने बताया कि मोहारी खुर्द गांव में भूमि का डीएम सर्किल रेट लगभग 8 लाख रुपये प्रति बीघा है। चार गुना मुआवज़ा देने की स्थिति में किसान को 32 लाख रुपये मिलते हैं, जबकि लैंड पूलिंग से उसे उसी स्थान पर 25% विकसित आवासीय भूमि यानी करीब 6,800 वर्गफीट मिलती है, जिसकी बाज़ार कीमत 3 करोड़ रुपये से अधिक है। इसी तरह, वेलनेस सिटी योजना से आच्छादित ग्राम दुलारमऊ में सर्किल रेट 15.75 लाख रुपये प्रति बीघा है। मुआवज़े के रूप में किसान को लगभग 63 लाख रुपये मिलते हैं, जबकि लैंड पूलिंग से पांच गुना अधिक लाभ संभव है। इस नीति के तहत भू-स्वामियों से पंजीकृत एग्रीमेंट कर पारदर्शी व सरल प्रक्रिया के तहत समझौता किया जा रहा है। अब तक दोनों योजनाओं के लिए 350 बीघा भूमि लैंड पूलिंग के जरिए प्राप्त की जा चुकी है। निरीक्षण के दौरान उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने कानपुर रोड योजना के अंतर्गत श्रवण अपार्टमेंट का भी दौरा किया। वहां सफाई व्यवस्था असंतोषजनक पाई गई और पार्किंग तथा सैंपल फ्लैट के कार्य अधूरे मिले। इस पर उपाध्यक्ष ने कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि को कड़ी फटकार लगाई और निर्देश दिए कि एक माह के भीतर सैंपल फ्लैट के साथ गेट के पास गार्ड रूम तैयार किया जाए।

व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को बताई समस्याएं

लखनऊ। अर्जुनगंज से अहिमामऊ तक पीडब्ल्यूडी द्वारा कराए जा रहे सड़क चौड़ीकरण व नाला निर्माण कार्य मे बरती जा रही अनिमितता को लेकर सर्वहित व्यापार मंडल के बैनर तले अर्जुनगंज सरसवां के व्यापारियों ने पीडब्ल्यूड़ी के अधिकारियों के साथ बैठक की। साथ ही मौके पर जाकर नाले के निर्माण संबंधी बरती जा रही लापरवाही की जानकारी दी। इस मौके पर पीडब्ल्यूडी विभाग के एई सुनील कुमार सिंह, व जेई श्रवण यादव के साथ विजली विभाग के एई अजीत सिंह ने स्थलीय निरीक्षण के साथ व्यापारियों की समस्या सुनी। उपरोक्त अधिकारियों ने बारिश से पहले नाला निर्माण पूरा करने का अस्वासन दिया। इस मौके पर व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार यादव व्यापार मंडल अर्जुनगंज के अध्यक्ष प्रीतम मिश्र के साथ व्यापारी सिकंदर पाल, दीपांशु गुप्ता, दया खंडेलवाल, वीरेंद्र यादव, राजकुमार यादव, सुनील अग्रवाल, योगेश यादव, राहुल शुक्ला के साथ मौजूद रहे।

मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड के रोड शो का सफलतापूर्वक समापन

❒ प्रस्तावित परियोजना के तहत जोड़े जाएंगे मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थल : शिव शेखर शुक्ला

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के पर्यटन व्यवसायियों, टूर ऑपरेटर्स, ट्रेवल एजेंट्स और होटल व्यवसाय से जुड़े हितधारकों के बीच सहयोग और साझेदारी को बढ़ावे के उद्देश्य से मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा बुधवार को गोमती नगर स्थित होटल में रोड शो का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस मौके पर एक प्रेसवार्ता आयोजित की गई। जिसमें इस प्रेसवार्ता में बताया गया कि यह रोड शो आगामी माह में होने वाले मध्य प्रदेश ट्रैवल मार्ट और रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव की तैयारियों के दृष्टिगत आयोजित किया गया। इस रोड शो में मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल और विशिष्ट अतिथि मध्य प्रदेश शासन के राज्यमंत्री(स्वतंत्र प्रभार) संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी, उत्तर प्रदेश शासन के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह रहे। मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने अपने संदेश में कहा कि किसी क्षेत्र में यदि औद्योगिक क्रांति, हरित क्रांति और पर्यटन क्रांति आ जाये तो उस क्षेत्र का विकास तीव्र गति से होता है। वहीं पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री(स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी ने अपने संदेश में कहा कि पर्यटन किसी भी राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक विकास की रीढ़ है। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि गंगा और नर्मदा पर्यटन कॉरिडोर प्रस्तावित परियोजना के तहत मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों को जोड़ा जाएगा। प्रयागराज, अयोध्या, वाराणसी, ओंकारेश्वर और महाकालेश्वर से गुजरने वाले इस गलियारे में दोनों राज्यों के बीच पर्यटन सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। वहीं इस मौके पर उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के ट्रैवल ऑपरेटर्स, होटल व्यवसायियों और टूरिज़्म स्टेकहोल्डर्स के बीच द्विपक्षीय संवाद और व्यावसायिक संभावनाओं पर भी चर्चा की। गौरतलब है कि वर्ष 2024 में 13.41 करोड़ पर्यटक मध्य प्रदेश पहुंचे हैं। मध्य प्रदेश में 3 स्थायी और 15 टेंटेटिव सूची में कुल 18 यूनेस्को धरोहरें हैं। बताते है कि फिल्म पर्यटन के क्षेत्र में भी मध्य प्रदेश की एक विशिष्ट पहचान बनी है। मध्य प्रदेश में विभिन्न प्रकार की आवास सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो पर्यटकों की अलग-अलग पसंद के अनुसार हैं। प्रेसवार्ता में मीडिया को संबोधित करते प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला। मंच पर साथ में उपस्थित मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड के डिप्टी डायरेक्टर(इवेंट एंड मार्केटिंग) युवराज पडोले, मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड के डिप्टी डायरेक्टर(फिल्म) राम तिवारी, फिक्की के मध्य प्रदेश टूरिज्म कमेटी के चेयरमैन और ट्रैवल इंडिया टूरिज्म के एमडी महेंद्र प्रताप सिंह, फिक्की उत्तर प्रदेश टूरिज्म कमेटी के प्रेसिडेंट एवं टॉरनॉस डेस्टिनेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ प्रतीक हीरा मौजूद रहे।

घरेलु कलह के चलते महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

सरोजनीनगर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। इलाके में मंगलवार को घरेलू कलह के चलते एक विवाहिता ने फंासी लगा कर जान दे दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे एसीपी कृष्णा नगर विकास पाण्डेय व स्थानीय पुलिस ने जाँच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना स्थल पर कोई सुसाइड नोट नही मिला है ।जानकारी के अनुसार क्षेत्र के पिपरसण्ड गाँव के मजरा पाहुन खेड़ा निवासी सुमेर वर्मा (लोधी) के बेटे विजय वर्मा की शादी एक वर्ष पहले उन्नाव के हसनगंज में रहने वाली नेहा वर्मा (22) से हुई थी। पति व पत्नी में अक्सर तू – तू मैं मैं होती रहती थी। मंगलवार शाम चार बजे दोनों में किसी बात को लेकर फिर विवाद हुआ। इसके बाद नेहा अपने कमरें में चली गई। जब वह बहुत देर तक बाहर नही निकली तो ससुरालीजनों ने कमरे का दरवाजा खोला। उन्होंने देखा नेहा पंखे के हुक से साड़ी का फंदा लगा कर लटकी हुई थी। परिजनों ने फंदा काट कर उसे तुरन्त नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई थी। एसीपी ने बताया की मृतका के मायके वालों ने अभी तक कोई शिकायती पत्र नही दिया है। पोस्टमार्टम रिर्पोट का इंतजार है और मामले की जाँच पड़ताल जारी है। उधर ग्रामीणों के बीच चर्चा है कि मृतका नेहा सुबह रेल से कट कर आत्म हत्या करने गई थी, लेकिन ससुराल वाले उसे समझा बुझा कर वापस घर ले आये थे।

शादी का झांसा देकर 6 साल तक यौन शोषण करने का आरोप, मुकदमा दर्ज

सरोजनी नगर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना क्षेत्र में एक महिला ने एक युवक पर शादी का झांसा देते हुए लगातार 6 वर्षों तक यौन शोषण करने का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि इस दौरान वह गर्भवती भी हुई तब युवक द्वारा उसे दवा खिलाकर उसका गर्भपात करा दिया गया। और बाद में युवक ने शादी करने से भी इनकार कर दिया। युवक मूल रूप से बाराबंकी जिले का रहने वाला है और वर्तमान में महिला का पड़ोसी है। महिला ने बताया कि इस दौरान उसने परेशान होकर जहर भी खा लिया था लेकिन उसकी जान बच गई। इसके बाद पीड़ित महिला ने सहायक पुलिस आयुक्त से मामले की शिकायत की जिसके बाद सहायक पुलिस आयुक्त के आदेश पर सरोजनी नगर पुलिस ने युवक के खिलाफ उपयुक्त धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी के अनुसार मामला दर्ज कर लिया गया है मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

श्री माधव मन्दिर वार्षिकोत्सव कार्यक्रम के तहत हुआ वृक्षारोपण

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। डालीगंज स्थित 64वें श्री माधव मंदिर वार्षिकोत्सव एवं श्री जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव कार्यक्रम के दूसरे दिन पर्यावरण संरक्षण के तहत एक पेड़ अवश्य लगाए कार्यक्रम का आयोजन डालीगंज कलेक्टरगंज पार्क में अध्यक्ष बिहारी लाल साहू, वरिष्ठ उपाध्यक्ष भारत भूषण गुप्ता, गोविंद साहू, धनश्याम दास अग्रवाल, ओमकार जैसवाल, श्याम जी साहू, राकेश साहू, दिनेश अग्रवाल, अनुराग साहू व निशांत शुक्ला ने पौधारोपण से किया। वहीं इस मौके पर यह भी बताया कि गुरुवार को डालीगंज श्री माधव मन्दिर वार्षिकोत्सव कार्यक्रम के तहत सामूहिक हवन यज्ञ सायं 5 बजे से होगा।

गंगागंज में जेएसडब्ल्यू स्टील और राईन ट्रेडर्स का प्रशिक्षण, फैब्रिकेटरों को तकनीकी ज्ञान

लखनऊ। गंगागंज में सुल्तानपुर रोड पर स्थित यस द फूड प्लाजा में राईन ट्रेडर्स और जेएसडब्ल्यू स्टील ने मिलकर एकलव्य प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य फैब्रिकेटर भाइयों को जेएसडब्ल्यू स्टील की शीट्स की गुणवत्ता और तकनीकी पहलुओं से अवगत कराना था। विशेषज्ञों ने जेएसडब्ल्यू के प्रमुख ब्रांड्स—कलरॉन, प्रगति प्लस और एंडोरा प्लस—की विशेषताओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। फैब्रिकेटरों को असली और नकली शीट्स के बीच अंतर पहचानने के गुर सिखाए गए। साथ ही, शीट लगाने की तकनीकी प्रक्रियाओं पर गहन प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे उनका कौशल और आत्मविश्वास बढ़ा। कार्यक्रम में जेएसडब्ल्यू स्टील की ओर से ऐश्वर्या (टेरिटरी मैनेजर), शुभम चौरसिया (डिमांड जनरेशन ऑफिसर) और नवीन त्रिपाठी (ट्रेनर) ने अपनी विशेषज्ञता साझा की। राईन इंटीरियर से फुरकान राईन और रहमान राईन ने भी इस आयोजन को संबोधित कर फैब्रिकेटरों का मार्गदर्शन किया। प्रशिक्षण के उपरांत सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, जो उनके कौशल को प्रमाणित करते हैं। फुरकान राईन ने अपनी आतिथ्यता का परिचय देते हुए सभी के लिए भोजन की व्यवस्था की और उपहार देकर उन्हें सम्मानित किया। इस आयोजन ने न केवल फैब्रिकेटरों को तकनीकी ज्ञान से समृद्ध किया, बल्कि उनके बीच जेएसडब्ल्यू स्टील और राईन ट्रेडर्स के प्रति विश्वास को भी मजबूत किया। यह पहल गुणवत्ता और कौशल विकास के प्रति दोनों संगठनों की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कार्यक्रम ने फैब्रिकेटरों को नई दिशा दी और उद्योग में उनकी कार्यकुशलता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

देश को डराने वाली भाजपा मना रही है संविधान हत्या दिवसः अजय राय

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बुधवार को कहा कि पिछले 11 सालों से सीबीआई और ईडी का इस्तेमाल कर देश में डर का माहौल बनाने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आज संविधान हत्या दिवस मना रही है। श्री राय ने कहा कि संविधान विरोधी भाजपा सरकार जिसकी मंशा में संविधान को बदलना है, जो पिछले ग्यारह वर्ष से लगातार हर संवैधानिक मूल्यों की धज्जियां उड़ा रही है, जिसने इस देश में ईडी और सीबीआई के दुरपयोग से डर का माहौल बना रखा है,वो आज संविधान हत्या दिवस मना रही है। उन्होने कहा कि कांग्रेस ने आपातकाल पर अपना स्टैंड साफ रखा है और देश की जनता ने भी मात्र ढाई साल बाद इंदिरा जी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत वाली कांग्रेस की सरकार बना कर अपना जवाब दे दिया था। सवाल ये है कि आज पचास साल बाद ये बात क्यों उठ रही है। श्री राय ने कहा कि मोदी सरकार पूरी तरह नाकाम हो चुकी है, उसके पास अपना बताने को कुछ नहीं है, इसलिए वह वर्तमान और भविष्य की तरफ ना देख कर भूतकाल की तरफ भाग रही है।

14 वर्षीय बच्ची पर बंदरों का हमला, घायल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नगराम, लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज ब्लाक अंतर्गत बल सिंह खेड़ा गांव में बंदरों का आतंक फैला हुआ है , चार हजार से अधिक आबादी वाले गांव में बंदरों ने उत्पाद मचा रखा है। लोगों को काट कर जख्मी कर देते हैं जिसमें अधिकांश बच्चे शामिल हैं। वही शिकायत के बावजूद भी प्रशासन मौन है , सैकड़ों बंदरों के आतंक से ग्रामीण परेशान है। नगराम के बल सिंह खेड़ा गांव निवासी वीरेंद्र ने बताया कि मंगलवार को उनकी बेटी शिवानी (14) खेत से घर वापस लौट कर आ रही थी घर के समीप पहुंचते ही कुछ बंदरों के झुंड ने उस पर हमला बोल दिया और बुरी तरह नोचने लगे , जब तक ग्रामीण शिवानी के पास तक पहुंचते और शोर मंचाते तब तक बंदरों ने काट कर जख्मी कर दिया था, हालांकि शिवानी को जख्मी हालत मे परिजनों ने तेलीबाग स्थित एक निजी अस्पताल मे भर्ती कराया , इलाज जारी है । ग्रामीणों ने बताया कि इससे पहले भी सतीश (13), रागिनी (6) आरोही (6) , सावनी (8), तनु (14), अंश (4) , अमित विराज , हेमराज , सावित्री, ईश्वर देई, काव्या, प्रियंका, श्रीदेवी, पूजा समेत लगभग तीन दर्जन से अधिक बच्चों महिलाओं एवं बुजुर्गों को काटकर घायल कर चुके हैं , जिससे ग्रामीणों में बंदरों की दहशत बनी रहती है । गांव के वीरेंद्र कुमार, अमृतलाल , हेमराज, लक्ष्मी , मातादीन, राजेश , वासुदेव वर्मा, सर्वेश कुमार, रोहित कुमार, सुनील कुमार समेत ग्रामीणों ने प्रशासन से बंदरों से निजात पाने के लिए गांव से पकड़ कर किसी बड़े जंगल में छुड़वाने की मांग की है। वही ग्रामीणों का कहना है कि लोगों की रात की नींद और दिन का चैन दोनों छिन गया है।

नवोदित शायर रहमत अमेठवी साहित्य श्री से किए गए सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। गोसाईगंज क्षेत्र के कस्बा अमेठी, के उभरते शायर रहमत अमेठवी (चाँद) को उनके साहित्यिक, सांस्कृतिक और सामाजिक योगदान के लिए साहित्य श्री सम्मान से अलंकृत किया गया। रु-ब-रु फाउंडेशन द्वारा हिंदी संस्थान, लखनऊ में आयोजित इस शानदार समारोह में अवध के कई कवियों और शायरों को उनकी अदबी सेवाओं के लिए पुरस्कृत किया गया।

रहमत अमेठवी ने अपने शेर, ''रहो मिलजुल के आपस में मिटाकर नफ़रतें रहमत, यह सोचा कि ज़माने को यही पैग़ाम हो जाये''प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित श्रोताओं ने खूब सराहा। समारोह में उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री दानिश आज़ाद अंसारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। रु-ब-रु फाउंडेशन के इस अंतरराष्ट्रीय मुशायरे और कवि सम्मेलन में भारत और नेपाल के प्रतिष्ठित साहित्यकारों ने अपनी काव्य रचनाएँ और ग़ज़लें पेश कीं। नेपाल से आए प्रमुख कवि इंद्र बहादुर और ईश्वरी प्रसाद ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज की। आयोजन में भारत-नेपाल की साझा सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने और दोनों देशों के बीच दोस्ती को प्रगाढ़ करने पर बल दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. इरशाद राही ने की। सम्मान प्राप्त करने पर रहमत अमेठवी ने फाउंडेशन के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस आयोजन ने साहित्य और संस्कृति के माध्यम से एकता का संदेश प्रसारित किया।

धोखाधड़ी और शारीरिक शोषण का आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने पीड़िता को थाने से भगाया

लखनऊ । सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में एक विकलांग विधवा के साथ धोखाधड़ी , शारीरिक शोषण और जमीन हड़पने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता शिवरानी रावत, पत्नी स्वर्गीय राम लखन, निवासिनी ग्राम निजामपुर मंझिगवा, ने अजय गौतम नामक व्यक्ति पर शादी का झांसा देकर लाखों रुपये हड़पने, जमीन बिकवाने और जबरन शारीरिक संबंध बनाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। इस मामले में पीड़िता की ओर से स्थानीय पुलिस पर भी शिकायत दर्ज न करने और पीड़िता को अपमानित करने का आरोप लगाया गया है। पीड़ित महिला शिवरानी रावत, के मुताबिक वह पैर से विकलांग हैं।उनके पति राम लखन का निधन लगभग 10 वर्ष पूर्व हो गया था। उनकी कोई संतान नहीं है। वह अकेले ही जीवन यापन कर रही है। पीड़िता के मुताबिक करीब आठ महीने पहले उनकी भतीजी अनीता, पत्नी सूरज, निवासिनी ग्राम कालू खेड़ा, कोतवाली मोहनलालगंज, ने उन्हें अजय गौतम, पुत्र किशुन, निवासी ग्राम कलंदरखेड़ा, मोहनलालगंज, से परिचय कराया। अनीता के बार-बार कहने पर शिवरानी ने अजय से बातचीत शुरू की। पीड़ित महिला के मुताबिक अजय ने शुरुआत में उसके के प्रति सहानुभूति दिखाई और उनकी आर्थिक और शारीरिक स्थिति का हवाला देकर शादी का प्रस्ताव रखा। शिवरानी ने बताया कि अजय ने उनकी भावनाओं का फायदा उठाया और धीरे-धीरे उन्हें अपने झांसे में ले लिया और उनकी 22 बिस्वा जमीन ,, बेचने का सुझाव दिया। पीड़िता के मुताबिक आरोपी ने बदले में कहीं और जमीन दिलवाने और शादी करने की बात कही थी।शिवरानी के मुताबिक उसे 7 जून 2025 को अजय गौतम, लखनऊ कचहरी ले गया। वहां उसने शादी की बात कहकर कुछ कागजों पर हस्ताक्षर करवा लिए। शिवरानी ने अजय पर भरोसा करके कागजों में बताए गए स्थान पर हस्ताक्षर बना दिए। पीड़ित महिला ने बताया कि अजय ने 9 जून 2025 को उनकी जमीन को किसी रेखा,नाम की महिला के हाथों 65 लाख रुपये में बिकवा दिया। शिवरानी के अनुसार उनके खाते में 32,6000 लाख रुपये ट्रांसफर किए गए और 20 लाख रुपये नकद ले लिए।

शिवरानी के मुताबिक जमीन बिकने के बाद अजय ने उनके खाते से 12.06 लाख रुपये ब्राइट फोर व्हील कंपनी के खाते में ट्रांसफर करवाकर एक चार पहिया वाहन खरीदा, जिसे वह स्वयं चला रहा है। पीड़ित महिला ने बताया कि अजय ने 9 जून को 3 लाख, 10 जून को 15 लाख और 16 जून को 2 लाख रुपये अपने खाते में डलवाए। शिवरानी के मुताबिक अजय ने उनसे जमीन को स्वेच्छा से बेचने को बात कहते हुए जबरन वीडियो बनवाया। पैसों और जमीन का दुरुपयोग करने के बाद अजय अचानक लापता हो गया। शिवरानी ने जब उससे संपर्क करने का प्रयास किया की, तो उसकी ओर से धमकी दी गई कि अब उसका कोई कुछ भी नहीं बिगाड़ सकता है क्योंकि उसकी ''ऊपर तक पहुंच'' है। पूरे मामले में पीड़िता के द्वारा मुख्यमंत्री सहित कई उच्चाधिकारियों से शिकायत की गई है।

गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष से मिलीं अनादि सेवा समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष

कैनविज टाइम्स संवाददाता

काकोरी लखनऊ। आज अनादि सेवा समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष नीलम श्रीवास्तव एवं राष्ट्रीय महासचिव दिनेश कुमार श्रीवास्तव ने गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष माननीय श्री श्याम बिहारी गुप्ता से मुलाकात की।राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उन्हें गाय के गोबर से बना गमला,राखी,धूपबत्ती आदि वस्तुएं भेट की और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया।अनादि सेवा समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष ने गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष से गौवंश के रख रखाव और गोबर से बनने वाले उत्पादों के विषय में चर्चा की और उनसे गौशाला को अनादि सेवा समिति द्वारा संचालित करने के लिए गौशाला की मांग का प्रार्थना पत्र दिया जिसे अध्यक्ष जी ने स्वीकार कर लिया और शीघ्र ही गौशाला उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। अध्यक्ष श्री श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि सरकार ने उन्हें गौ संरक्षण एवं संवर्धन के लिए इस पद पर आसीन किया है और वे सरकार की मंशा के अनुसार ही कार्य करेंगे।मेरा पूरा ध्यान गौशालाओं की स्थिति सुधारने, गौवंशों को सुरक्षित आश्रय देने,जैविक खेती को बढ़ावा देने के साथ साथ आम लोगों को भी गौ सेवा से जोड़ने पर है।उन्होंने कहा कि गरीब किसानों को गौशाला के माध्यम से निःशुल्क अच्छी किस्म की गाय उपलब्ध कराना मेरी प्राथमिकता है।सनातन में गाय को माता का दर्ज़ा दिया गया है और अपने कार्यकाल में मैं गौमाता को सम्मानजनक स्थिति में पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य करता रहूंगा।उन्होंने अनादि सेवा समिति द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की और पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया।

APPOINTMENT

RDSJ LAW COLLEGE Requires Teaching Faculty for 3 Year Law Course.

Basic Qualification - NET qualified, Ph.D (LAW) Salary as per UGC norms.

Last date for applying - 20th July, 2025

Apply Online

Mob. 9919936091, 8601122777

Email Id :- rdsjlawcollege@gmail.com

मनरेगा बना भ्रष्टाचार की खान: ग्राम पंचायत मिरचौड़ी में एक ही मजदूर दो जगह कर रहा काम, फिर भी अफसर बेखबर

एक व्यक्ति की दो कार्यो में दर्शाई जा रही फोटो, हो रहे कार्य की ग्राम प्रधान को कोई जानकारी नही

कही सम्बधित अधिकारी भी तो नही है इसी खेल में शामिल सरकार की महत्वपूर्ण योजना मनरेगा योजना को प्रधान , सचिव , पंचायत मित्र व संबधित अधिकारियों का बनी कमाई का जरिया

विकास खण्ड मछरेहटा की ग्राम पंचायत मिरचौड़ी का मामला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। जनपद के मछरेहटा विकासखंड सहित कई क्षेत्रों में मनरेगा योजना में फर्जीवाड़े का खेल लगातार जारी है। अब मजदूरों की उपस्थिति दर्शाने के लिए फर्जी फोटो अपलोड करने की नई चालें अपनाई जा रही हैं। हाजिरी के नाम पर एक ही मजदूर की फोटो बार-बार अपलोड कर दी जाती है या पुराने कार्यों की तस्वीरों को फिर से उपयोग में लिया जा रहा है।सूत्रों के अनुसार, यह कार्य ग्राम प्रधानों, सचिवों , पंचायत मित्र और कम्प्यूटर ऑपरेटरों व ब्लॉक के सभी अधिकारियों की मिलीभगत से किया जा रहा है, जिससे सरकारी पोर्टल पर कार्य की पुष्टि दिखाकर लाखों की धनराशि निकाल ली जाती है, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और ही होती है।इस तरह की गतिविधियों से न सिर्फ योजना की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं, बल्कि ग्रामीण मजदूरों को उनके अधिकार से वंचित कर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। विकास खण्ड मछरेहटा की ग्राम पंचायत मिरचौड़ी में 110 मजदूरो की हाजरी दर्शाई जा रही है। जिसमे एक ही व्यक्ति की दो कार्यो में हाजरी लगाई जा रही है ।*प्रशासनिक चुप्पी बनी सवाल* आज तक किसी अधिकारी ने न तो जांच शुरू की और न ही दोषियों के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई हुई। इससे साफ है कि कहीं न कहीं प्रशासनिक संरक्षण भी इन गतिविधियों को मिल रहा है। ग्राम प्रधान का कहना है कि चाहे जितनी खबरे निकलवा लो मेरा कुछ नही कर पाओगे , खबरे प्रकाशित होने से कुछ नही होता है।*स्थानीय ग्रामीणों की मांग*ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है ताकि मनरेगा जैसी महत्वपूर्ण योजना का लाभ सही पात्र व्यक्तियों को मिल सके।

उप कृषि निदेशक की अध्यक्षता मे थोक उर्वरक विक्रेताओ की समीक्षा बैठक सम्पन्न

कैनविज टाइम्स संवाददात

उन्नाव। उप कृषि निदेशक की अध्यक्षता मे थोक उर्वरक विक्रेताओ की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में निर्गत निर्देश दिये गये यूरिया, डीएपी, एनपीके, कॉप्लेक्स एवं एमओपी की निर्धारित अधिकतम खुदरा मूल्य दर के अन्तर्गत बिक्री सुनिश्चित कराई जाये। यदि कोई उर्वरक विक्रेता अधिकतम खुदरा मूल्य से अधिक मूल्य पर उर्वरक बिक्री करता हुआ पाया जाये तो उसके विरूद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985, आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के अन्तर्गत निहित प्राविधानानुसार कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।जनपद में आपूर्तित एवं उपलब्ध उर्वरकों का कृषकों के मध्य उनकी कृषि जोत, फसल के अनुसार एवं उनके आधार कार्ड के आधार पर वितरण सुनिश्चित की जायेगी। आवंटित उर्वरकों की बिक्री व आपूर्ति अन्य जनपदों में कदापि न किया जाये।यदि कोई थोक उर्वरक विक्रेता फुटकर उर्वरक विक्रेता मुख्य उर्वरक यथा यूरिया, डीएपी, एनपीके, एमओपी एव एसएसपी के साथ अन्य उर्वरक उत्पादो को भी खरीदने हेतु बाध्य करता है तो बाध्यता की पुष्टि होने पर उनके विरूद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 एवं अन्य प्राविधानो के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।समस्त थोक विक्रेता अपने सम्बन्धित समस्त खुदरा विक्रेताओ को सूचित करे कि प्रत्येक उर्वरक व्यवसायी के स्तर पर स्टॉक पंजिका, विक्रय पंजिका तथा रसीद अनिवार्य रूप से रखी जाये या ऐसे प्रारूप जो तिथिवार स्टॉक स्थिति, आरम्भिक अवशेष, दिन के दौरान प्राप्तियॉ, दिन के दौरान विक्रय और अन्तिम स्टॉक को स्पष्ट प्रदर्शित करता हो, का होना आवश्यक है। जनपद में थोक फुटकर उर्वरक विक्रेताओ तथा उर्वरक बिक्री केन्द्रो पर उर्वरकों की उर्वरकवार बिक्री दर तथा स्टॉक का अंकन रेट/स्टॉक बोर्ड पर प्रतिदिन अंकित किया जाये। ऐसी नही करने वाले विक्रेता के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। खुदरा उर्वरक विक्रेताओ को आपूर्ति उनकी मॉग प्राप्त होने के उपरान्त सम्बन्धित थोक विक्रेता अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में प्रस्तुत करेंगें, सहमति/अनुमोदन प्राप्त करने के उपरान्त ही वितरण खुदरा विक्रेता को उपलब्ध कराया जायेगा।

लोको पायलट कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर मिले प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर से मिले पीआरकेएस के महामंत्री विनोद

लोको पायलट की समस्याएं बहुत दिनों से लंबित पड़ी है तमाम समस्याओं को लेकर प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर से मिले, उन्होनें सभी समस्याओं को ध्यान पूर्वक सुना तथा त्वरित कार्यवाही का आश्वासन दिया: विनोद राय महामंत्री पूर्वोत्तर रेलवे कर्मचारी संघ असिस्टेंट जनरल सेक्रेटरी

कैनविज टाइम्स संवाददात

गोरखपुर । लोको पायलट कैडर की समस्याओं को लेकर अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ पूर्वोत्तर रेलवे कर्मचारी संघ के महामंत्री विनोद राय प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर से मिले। इस मुलाकात में लोको पायलट कैडर की सभी समस्याओं को बिंदुवार महोदय के समक्ष रखा गया जिसमें लोको पायलट शटिंग,- द्यद्य का विगत 6 वर्षों से प्रमोशन ना होना, रनिंग रूम की स्थिति में सुधार, बड़े स्टेशनों पर लोको पायलट का उग्ट्ट बढ़ाने,**लोको पायलट कर्मचारियों को समय से रेस्ट और छुट्टी देने, महिला लोको पायलटों के लिए लोको में टॉयलेट की व्यवस्था, छुट्टी के बाद अगले दिन सुबह 6/30 के बाद ड्यूटी, गोरखपुर पूर्व लॉबी के लिए वंदे भारत, ख्रघ्क्क प्रमोशन करने एवं 16+2,एवं 30+2 में ड्यूटी के लिए कॉल करने इत्यादि समस्याओं पर चर्चा हुई । इन सभी समस्याओं पर महोदय ने कार्यवाही का आश्वासन दिया। इस अवसर पर संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी , फिरोजुल हक, दीपक चौधरी चिरंजीवी कुमार, राजेश शर्मा, हेमंत कुमार आर आर लश्कर, हेमंत शाह, आदित्य कुमार, अभिषेक शर्मा, अनुराग राय, अंबिकेश दुबे, विनीत कुमार सिंह, संदीप कुमार, मनीष उपाध्याय, शमशाद अहमद त्रिपाठी, अंशुमाल पाठक, अभिषेक गुप्ता,अवध बिहारी पांडे, हेमंत कुमार, सत्येंद्र गोस्वामी, मुकेश कुमार,के के मद्धेशिया, वैभव पांडे, नित्यानंद पांडे, विजय सिंह, आशुतोष सिंह, मनु सिंह इत्यादि पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बिना नंबर प्लेट दौड़ते मालवाहनों पर चला प्रशासन का डंडा, 18 चालान, 3 वाहन सीज

जालौन। जनपद में बिना नंबर प्लेट या छेड़छाड़ की गई नंबर प्लेट के साथ सड़कों पर दौड़ रहे मालवाहनों के विरुद्ध परिवहन विभाग ने सख्ती दिखाई है। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देश पर सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) राजेश कुमार के नेतृत्व में प्रथम प्रवर्तन दल द्वारा विशेष अभियान चलाया गया।इस अभियान के तहत कुल 21 मालवाहनों की जांच की गई, जिनमें से 18 वाहनों के चालान किए गए, जबकि 3 वाहनों को सीज़ (निरुद्ध) कर दिया गया। यह कार्रवाई सड़क सुरक्षा और नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई।उन्होंने बताया कि ऐसे वाहन, जिनकी नंबर प्लेट गायब थी या जानबूझकर छेड़छाड़ की गई थी, न केवल नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, बल्कि कानून व्यवस्था और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए भी खतरा बन सकते हैं। परिवहन विभाग की यह कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी, साथ ही अन्य प्रकार के परिवहन नियम उल्लंघनों पर भी अभियान के तहत चालान किए जा रहे हैं।

गंगापुर उल्फतराय में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा और वृक्ष कटान का आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

खैराबाद,सीतापुर । ग्राम पंचायत गंगापुर उल्फतराय, मजरा खरेहटा के ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी सीतापुर को एक शिकायती पत्र सौंपते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। पत्र में कहा गया है कि गाँव की सरकारी भूमि और वृक्षारोपण क्षेत्र पर कुछ दबंग किस्म के लोग वर्षों से अवैध कब्जा जमाए हुए हैं साथ ही मांग की है कि जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों के अनुसार, ग्राम पंचायत के प्रधान भले ही गुड्डू भार्गव हैं, लेकिन वास्तविक नियंत्रण विनोद यादव पुत्र महेश द्वारा दबंगई के बल पर किया जा रहा है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विनोद यादव और उनके चाचा महाबली ने गाटा संख्या 526 में स्थित चार मीटर चौड़ी सार्वजनिक गली पर अवैध रूप से निर्माण कर लिया है। इसके अतिरिक्त, उनके रिश्तेदार भगवानदीन सुबेदार, विशम्भर और रामखेलावन पुत्रगण बंकेलाल ने गाटा संख्या 599, रकबा 0.9170 हेक्टेयर, जो कि सरकार द्वारा वृक्षारोपण हेतु आरक्षित भूमि है, उस पर बीते 20 वर्षों से कब्जा जमाकर खेती कर रहे हैं।ग्रामीणों ने यह भी बताया कि पूर्व में इस भूमि पर यूकेलिप्टस के पेड़ लगे हुए थे, जिन्हें इन लोगों ने अपने कब्जे में लेकर 14 जनवरी 2024 को कुल 17 पेड़ अवैध रूप से कटवा डाले। आरोप है कि ये सभी लोग भू-माफिया प्रवृत्ति के दबंग व्यक्ति हैं, जो लंबे समय से सरकारी भूमि पर अपना अवैध अधिकार जमाए हुए हैं।

बाढ़ आपदा से बचाव के लिए मॉकड्रिल का किया जाएगा आयोजन

बिसवां सीतापुर। गांजरी क्षेत्र में बाढ़ आपदा से बचाव के लिए मॉकड्रिल का आयोजन 26 जून को सुबह नौ बजे से विकास क्षेत्र रेउसा के चहलारी घाट पुल के निकट किया जाएगा। तहसीलदार उमाशंकर त्रिपाठी ने बताया कि तहसील बिसवां क्षेत्र अंतर्गत चहलारी घाट पुल के निकट मॉक एक्सरसाइज की जाएगी। यह माक ड्रिल अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व नितीश कुमार व उपजिलाधिकारी बिसवां मनीष कुमार के नेतृत्व में किया जायेगा ꟸ उन्होंने मॉकड्रिल के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि बाढ़ के दौरान नाव पलटने की स्थिति में लोगो को बचाने के लिए अभ्यास किया जाएगा। यह मॉकड्रिल तहसील की आपदा प्रबंधन तैयारियों का मूल्यांकन करेगी। तैयारियों में किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर उसे तुरंत दूर किया जाएगा। इस अभ्यास में सभी संबंधित विभाग सक्रिय रूप से भाग लेंगे। बाढ़ आपदा से बचाव के लिए मॉकड्रिल एक्सरसाइज के समय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, लोक निर्माण, पुलिस, अग्निशमन एवं इमरजेंसी सर्विस, विद्युत, राजस्व विभाग, एनडीआरएफ होमगार्ड समेत ग्राम प्रधान व स्कूल के बच्चें उपस्थित रहेंगे।

तेंदुए से भिड़ा मिहीलाल, दिखाई बहादुरी अस्पताल पहुंचकर डीएम ने बढ़ाया हौसला

50 हजार के आर्थिक मदद का ऐलान

धौरहरा रेंज में मानव-वन्यजीव संघर्ष, डीएम ने घायलों का जाना हाल, दिया हरसंभव मदद का भरोसा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। धौरहरा रेंज में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब बंद पड़े ईंट-भट्ठे में राख निकालने गए युवक पर अचानक तेंदुए ने हमला कर दिया। नयापुरवा निवासी 35 वर्षीय मिहीलाल ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए तेंदुए से भिड़कर न सिर्फ अपनी जान बचाई, बल्कि उसे पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। इस संघर्ष में मिहीलाल घायल हो गया, वहीं तेंदुए के हमले में वन विभाग का एक कर्मचारी फॉरेस्ट गार्ड राजेश दीक्षित भी जख्मी हुआ।बुधवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने जिला चिकित्सालय ओयल पहुंचकर घायलों से मुलाकात की। उन्होंने मिहीलाल की बहादुरी की सराहना करते हुए कहा कि आपने जो साहस दिखाया है, वह अनुकरणीय है। प्रशासन आपकी हर संभव मदद करेगा। डीएम ने मौके पर ही मिहीलाल को ?50,000 की सहायता प्रदान किए जाने की घोषणा की। डीएम ने घायल फॉरेस्ट गार्ड राजेश दीक्षित से भी बात कर हौसला अफजाई की और चिकित्सकों से दोनों के मेडिकल ट्रीटमेंट की जानकारी ली। उन्होंने समुचित इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मिहीलाल ने डीएम को पूरी आपबीती सुनाई। इस दौरान डीएम ने उसके परिजनों से भी मुलाकात की, उन्हें ढांढस बंधाया और हर जरूरी मदद का भरोसा दिलाया। समाचार लिखे जाने तक डीएम की ओर से घोषित 50 हजार की मदद मिहीलाल को प्रदान कर दी गई है। इस दौरान प्रभागीय वनाधिकारी उत्तरी सौरीष सहाय, सीएमएस आरके कोली मौजूद रहे।

जिला अस्पताल की व्यवस्था से असंतुष्ट नजर आया महिला आयोग

कन्नौज । बुधवार को राज्य महिला आयोग की सदस्य पुष्पा पांडेय कन्नौज जिले के दौरे पर रहीं। जिला अस्पताल में निरीक्षण के दौरान सदस्य पांडेय महिला बिंग की रसोई के सामने गंदगी देख कर नाराज हो गई। नालियां चोक हालत में मिलने पर मौके पर मौजूद सफाई कर्मियों को फटकार लगाने के अलावा सीएमएस डा. शक्ति बसु से अस्पताल की बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर स्पष्टीकरण मांगा। उनका कहना था कि सरकार साफ सफाई, खाने पीने, दवाइयों के लिये भरपूर बजट दे रही है, इसके बाद भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गंदगी से बीमारियां कम होने की जगह और अधिक फैलेंगी, ऐसे में मरीजों को उपचार की जगह और भी बीमारी का सामना करना पड़ेगा। कर्मचारियों को नियमित सफाई के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान पुष्पा पांडेय ने मरीजों से भी बात की, और उनकी समस्याओं को भी सुना।सदस्य खुद नहीं करती प्रोटोकॉल का पालनमहिला आयोग की सदस्य पुष्पा पांडेय को इस संवैधानिक आयोग की सदस्य होने के नाते उप मंत्री का दर्ज़ा प्राप्त है और भारत की ध्वज संहिता किसी राज्य के दर्ज़ा प्राप्त उपमंत्री को अपने वाहन पर तिरंगा झंडा लगा कर यात्रा की अनुमति नही देती। संहिता में दर्ज़ा प्राप्त राज्यमंत्री ही इस सुविधा का उपयोग कर सकते है और यह दर्ज़ा राज्य महिला आयोग कज अध्यक्ष को प्राप्त है।फिर भी सदस्य अपने निजी वाहन पर धड़ल्ले से इस ध्वज को उपयोग करती देखी जा सकती है किसी का भी साहस नही कि उन्हें यह गम्भीर अपराध और गैर कानूनी हरकत करने से रोक सके।ऊपर से उन्हें सुरक्षा के लिए बरेली पुलिस लाइंस से एक अंगरक्षक मिला हुआ है। जिलो में यात्रा के समय यह अंगरक्षक बेवजह कर्मचारियों और मीडिया कर्मियों से उलझने में अपनी शान समझता है अक्सर उसे बेहद अभद्र भाषा में बातचीत करते सुना जा सकता है।

चोरों ने नगदी सहित लाखों का माल किया पार

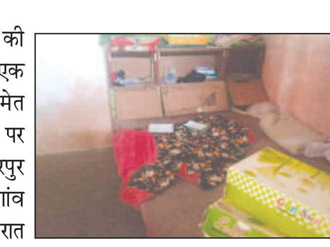

बिसवां, सीतापुर। बीते 23/24 जून की रात सदरपुर थाना क्षेत्र में बेखौफ चोरों ने एक घर को निशाना बनाकर जेवर नगदी समेत लाखों का माल पार कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। सदरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत जहांगीराबाद के मजरा गांव फरदापुर में बीते 23/24 जून की देर रात इदरीस उर्फ मंगरे पुत्र दूबर के घर में अज्ञात चोर छत पर चढ़कर जीने के सहारे आंगन में उतर गए और कमरे के दरवाजे में पड़ा ताला तोड़कर कमरे में घुस गये। कमरे में रखे छोटे बक्से व लकड़ी तथा लोहे की अलमारियों का लाक तोड़कर उसमें रखे लगभग एक लाख पचास हजार रुपयों की नगदी सहित लाखों रुपयों का सोने चांदी की जेवरात चुरा ले गये। उस समय घर के लोग छत पर सोये हुए थे। सुबह जागने पर चोरी की जानकारी हुई। इदरीश ने बताया कि उनकी दोनों बड़ी पुत्रियों सहित पत्नी का जेवर भी चोर उठा ले गए। चोरों ने कमरे में पड़े बेड के अंदर बने हुए लाकरों को भी खंगाल डाला। पीड़ित ने सदरपुर थाना जाकर चोरी होने की सूचना दी जिस पर सदरपुर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच की पुलिस ने जल्द ही चोरी का खुलासा करने का आश्वासन दिया है।

टॉप टेन सूची के अपराधियों की इंस्पेक्टर ने लगाई क्लास

मैगलगंज, खीरी। प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार पांडेय ने लूट, चोरी, नकबजनी सहित अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त और निगरानी सूची में शामिल टॉप टेन के 10 अपराधियों को थाने में तलब किया और उनकी क्लास लगाई। चेतावनी दी गई कि यदि किसी भी आपराधिक गतिविधि में लिप्त पाए गए तो कठोर कार्रवाई की जाएगी। निर्देश दिए कि जब कोई अपराधी थाना क्षेत्र से बाहर जाए तो सूचना कोतवाली को देना अनिवार्य होगा। वापस आने पर भी वह सूचना देगा। इसके बाद सभी की पहचान का सत्यापन कराया।

जमीनी विवाद में महिला को मारी गोली, हालत गंभीर

लखीमपुर खीरी। थाना पढ़ुवा क्षेत्र के पचासा गांव में बीती रात करीब 1 बजे सो रही गूटा देवी (55) को गोली मार दी गई। हमले का आरोप सुजानपुर निवासी वशिष्ठ नारायण व पवन कुमार पर है। गंभीर रूप से घायल गूटा देवी को पहले जिला अस्पताल लखीमपुर लाया गया, जहां से केजीएमयू लखनऊ रेफर कर दिया गया। घटना की वजह जमीनी विवाद बताई जा रही है।

फांसी के फंदे पर लटका युवक

जरवल, बहराइच। अज्ञात कारणों से युवक ने फांसी के फंदे से लटक कर जान देने की कोशिश की। परिजन गंभीर हालत में लेकर युवक को सीएचसी पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है।जरवलरोड थानाक्षेत्र के ग्राम पंचायत जतौरा निवासी मक्खन लाल दीक्षित (35) पुत्र राम छबीले ने मंगलवार शाम फांसी के फंदे पर लटक कर जान देने की कोशिश की। परिजन गंभीर हालत में लेकर युवक को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुस्तफाबाद पहुंचे, जहां इलाज के बाद इमरजेंसी चिकित्सक ने युवक को मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया है।

जून माह के शुरुआती दौर के बाद अब अंतिम दिनों मे अपराधों कि दस्तक

चौकी पकरिया क्षेत्र के गांव कोल्हौरा मे चोरों का धावा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मैगलगंज, खीरी। जून माह से शुरुआती दौर के बाद अब जून के अंतिम दिनों मे पुनः चोरी जैसे अपराधो ने रफ़्तार पकड़ ली है। क्षेत्र मे चोरी,लूट जैसी वरदातो ने आमजन को भयभीत कर दिया है, जबकि क्षेत्रीय पुलिस रात्रि गस्त के भारी भरकम दावे कर रही है। जून के शुरुआती दौर मे लूट और हत्या जैसी वारदातो को अंजाम दिया गया जिसके बाद कुछ हद तक अपराधों पर अंकुश लगा था लेकिन जून माह के समापन कि और बढ़ते ही अपराधी पुनः सक्रिय हुए और मंगलवार कि रात मैगलगंज थाना क्षेत्र के चौकी पकरिया गांव के कोल्हौरा निवासी राकेश उर्फ़ टेलर व सुनील कपड़ा वाले के यहां वारदात को अंजाम देकर लाखो का सामान व नगदी लेकर फरार हुए। आपराधिक घटनाओ से जनता मे पुलिस कि कार्यप्रणाली को लेकर असंतोष व्याप्त है। जून के माह मे आपराधिक घटनाओ कि शुरुआत 2जून कि रात धर्माखेड़ा पंचायत से हुई थी जिसके कुछ दिनों बाद पुलिस ने सक्रियता दिखाई और कुछ हद तक अपराधों मे रोकथम नजर आयी थी लेकिन पुनः जून माह के अंतिम दिनों मे अपराधों ने दस्तक देनी शुरू कर दी है।

सांसद निधि से कराए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा को लेकर बैठक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर । सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के अन्तर्गत जनपद सीतापुर में सांसद निधि से कराए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी अभिषेक आनंद द्वारा की गई।?बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा सांसद निधि से प्रस्तावित एवं प्रगति पर चल रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वीकृत योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराया जाए, जिससे जनसामान्य को शीघ्र लाभ प्राप्त हो सके।?उन्होंने विशेष रूप से प्राथमिकता वाली परियोजनाओं पर तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि कई योजनाएं क्रियान्वयन की अंतिम अवस्था में हैं और आगामी सप्ताहों में पूर्ण कर जनता को समर्पित की जाएंगी।50 लाख रुपये से अधिक लागत वाली (सड़कों को छोड़कर) समीक्षा बैठक सम्पन्नकलेक्ट्रेट सभागार में 50 लाख रुपये से अधिक लागत वाली (सड़कों को छोड़कर) परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी अभिषेक आनंद द्वारा की गई।

बैठक में कलेक्ट्रेट एवं सीएमआईएस पोर्टल पर फीड की गई समस्त परियोजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि सभी परियोजनाएं तय समय सीमा में पूर्ण हों तथा गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। उन्होंने पोर्टल पर नियमित रूप से अद्यतन जानकारी अपलोड करने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि ससमय सभी लम्बित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करें, अन्यथा की स्थिति में कठोर कार्यवाही की जायेगी।जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट किया कि लंबित परियोजनाओं की गति में तेजी लाते हुए पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के साथ कार्य पूर्ण करें। समीक्षा के दौरान उन परियोजनाओं की भी गहन पड़ताल की गई जो प्रारंभिक चरण में हैं या जिनकी निविदा प्रक्रिया जारी है।बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 सुरेश कुमार, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी तिलक सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

लोकतंत्र सेनानियों को किया गया सम्मानित

हाथरस । नगर पंचायत में बुधवार को आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर विचार गोष्ठी और लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 1975-77 के आपातकाल के दौरान जेल में यातनाएं झेलने वाले लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि विधायक प्रदीप चौधरी ने कहा कि 1975 का आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय था।

सूचना

मै शपथ पूर्वक बयान करता हूं कि मेरे पुत्र प्रेम किशोर व पुत्र वधू रुचि देवी का चाल चलन ठीक नहीं है उनके कृत्यो से परेशान होकर मैंने उनको अपनी कुल चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। आज से मुझसे व मेरी संपत्ति से उनका कोई भी सरोकार नहीं है। सियाराम पुत्र राधेश्याम दीक्षित निवासी ग्राम परसा पुरवा मजरा थाना व तहसील धौरहरा जिला लखीमपुर खीरी यूपी

महिला आयोग की टीम ने किया राजगढ़ सीएचसी का औचक निरीक्षण

राजगढ़ सीएचसी का औचक निरीक्षण कर दिए कड़े निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मीरजापुर । राज्य महिला आयोग की दो सदस्यीय टीम ने बुधवार को राजगढ़ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। टीम की अगुवाई कर रहीं सदस्य नीलम प्रभात ने जबरन गर्भपात की शिकार एक पीड़िता से अलग कमरे में मुलाकात की और मामले की पूरी जानकारी लेने के बाद उसे न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। आयोग की इस कार्रवाई से स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ स्थानीय पुलिस प्रशासन में भी हलचल मच गई।पीड़िता ने डेढ़ महीने पहले पति द्वारा जबरन गर्भपात कराए जाने की शिकायत थाना राजगढ़ में दर्ज कराई थी, परंतु कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। जब कोई सुनवाई नहीं हुई तो युवती ने राज्य महिला आयोग को पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाई। इसी शिकायत के आधार पर आयोग की टीम बुधवार को राजगढ़ सीएचसी पहुंची।राज्य महिला आयोग की सदस्य नीलम प्रभात ने पीड़िता से बंद कमरे में आधे घंटे तक बात कर पूरी घटना की जानकारी ली। उन्होंने युवती को आश्वस्त किया कि दोषियों को सजा दिलाने के लिए आयोग स्तर से हरसंभव प्रयास किया जाएगा। इस दौरान महिला थाना निरीक्षक भानुप्रिया, राजगढ़ थाना प्रभारी महेंद्र पटेल, सीएचसी अधीक्षक डॉ. पवन कुमार कश्यप, डॉ. संतलाल, डॉ. अनूप सिंह, फार्मासिस्ट नीरज चतुर्वेदी, पंकज शुक्ला सहित समस्त स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद रहे।

स्वास्थ्य केंद्र में सुधार के निर्देश, मिली अनियमितताओं की शिकायतें

निरीक्षण के दौरान महिला आयोग की सदस्य ने सीएचसी सभागार में प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. पवन कुमार कश्यप समेत सभी डॉक्टरों व कर्मचारियों की बैठक ली और कई जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी कर्मचारियों को यूनिफॉर्म और नेम प्लेट के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए ताकि मरीजों को आसानी से पहचान हो सके।उन्होंने क्षेत्र में खुले निजी अस्पतालों, पैथोलॉजी व अल्ट्रासाउंड केंद्रों की अनियमितताओं पर चिंता जाहिर करते हुए प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक को जांच कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया। यह भी कहा गया कि यह देखा जाए कि इन संस्थानों में कार्यरत डॉक्टर और तकनीकी कर्मचारी प्रशिक्षित हैं या नहीं।

भ्रूण परीक्षण व दलाली पर नाराजगी

राजगढ़ क्षेत्र के कुछ निजी अस्पतालों में भ्रूण परीक्षण की शिकायतें भी आयोग को प्राप्त हुई थीं। नीलम प्रभात ने इस पर सख्ती दिखाते हुए कहा कि ऐसी घोर अवैध गतिविधियों पर त्वरित जांच कर रिपोर्ट तैयार की जाए और दोषियों पर कार्रवाई हो।साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि कुछ स्वास्थ्यकर्मी निजी अस्पताल संचालकों से मिलीभगत कर सरकारी अस्पताल में आने वाले मरीजों को निजी अस्पतालों में रेफर कर रहे हैं, जो गंभीर भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि इस प्रवृत्ति पर तत्काल अंकुश लगाया जाए और दोषियों की पहचान कर कार्रवाई की जाए।

महिला सुविधाओं की ली जानकारी

निरीक्षण के दौरान आयोग की सदस्य ने महिला प्रसव वार्ड, डिलीवरी कक्ष, दवा वितरण केंद्र, टीकाकरण, नसबंदी आदि से संबंधित सेवाओं का जायजा लिया और महिलाओं को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने यह सुनिश्चित करने को कहा कि महिला मरीजों को सम्मानजनक एवं समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो।

समाजसेवी राजा भैया को हाई कोर्ट से मिली जमानत

बांदा। वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता राजा भइया को अपहरण और गैंग रेप के मामले में उच्च न्यायालय इलाहाबाद से जमानत मिल गई है। एक महिला ने उनके संगठन के 21 सदस्यों सहित अपहरण कर गैंग रेप का आरोप लगाया था। इस प्रकरण में राजा भइया 21 फरवरी से जेल में थेम्पुलिस विवेचना में 21 आरोपित सदस्यों पर पहले ही फाइनल रिपोर्ट लगा चुकी हैम् राजा भइया की जमानत में उच्च न्यायालय इलाहाबाद ने अपने आदेश में कहा है, ल्इस मामले की एफआईआर के अवलोकन से यह पता चलता है कि यह झूठे तथ्यों का पुलिंदा है और इस तरह के काल्पनिक संस्करण पर भरोसा नहीं किया जा सकताम् कानून में यह स्थापित है कि जब तक दोष सिद्ध न हो जाए तब तक आरोपी को निर्दोष माना जाता है, तथा दण्डात्मक उद्देश्य से जमानत आवेदन खारिज नहीं किया जाना चाहिएम् वर्तमान मामले में अपीलकर्ता 21 फरवरी 2025 से जेल में है इसलिए इस चर्चित मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करते हुए 6 मार्च.2025 का अपेक्षित आदेश, जिसके द्वारा अपीलकर्ता का जमानत आवेदन संबंधित न्यायालय द्वारा खारिज किया गया था, यह अवैध है तथा इसे रद्द किया जाना चाहिए। अपीलकर्ता इस मामले में जमानत पर तत्काल रिहा होने का हकदार है। यह जानकारी समाजसेवी के अधिवक्ता संतोष सिंह ने दी।

अनियंत्रित ट्रैक्टर गड्ढे में पलटा, चालक की मौत

मीरजापुर । चील्ह थाना क्षेत्र के चील्ह-गोपीगंज मार्ग पर मंगलवार देर रात लखनपुर गांव के पास एक अनियंत्रित ट्रैक्टर सड़क किनारे 20 फीट गहरे गड्ढे में पलट गया। इस हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौके पर ही मौत हो गई।थाना प्रभारी बद्री प्रसाद सरोज ने बताया कि मृतक की पहचान भदोही जिले के कोइरौना थाना क्षेत्र अंतर्गत सीतामढ़ी गांव निवासी गोपीचंद गौतम(20) के रूप में हुई है। गोपीचंद मंगलवार की रात 11:15 बजे ट्रैक्टर लेकर मीरजापुर कोतवाली देहात क्षेत्र के बेसुखिया गांव बालू लोड करने जा रहा था। जैसे ही वह लखनपुर गांव के पास पहुंचा, तभी सामने से आ रहे एक ट्रक को ओवरटेक करने के दौरान ट्रैक्टर का पहिया सड़क किनारे गड्ढे में चला गया, जिससे अनियंत्रित होकर पलट गया और चालक उसके नीचे दब गया। हादसे की सूचना पर डायल 112 और चील्ह पुलिस मौके पर पहुंची। जेसीबी मशीन की मदद से दो घंटे की मशक्कत के बाद चालक गोपीचंद को बाहर निकालाकर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक के चचेरे भाई मुनीम कुमार की तहरीर पर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

मोहर्रमः शांति शौहर्द से मनाए त्यौहार

हाथरस । बुधवार को कोतवाली परिसर में मोहर्रम को लेकर शांति व्यवस्था की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान पुलिस प्रशासनिक अफसरों द्वारा जरूरी निर्देश दिए गए। लोगों को शासन के निर्देशों से अवगत कराया गया। शांतिपूर्वक त्यौहार मनाए जाने को लेकर चर्चा की गई।बैठक में एसडीएम संजय कुमार, सीओ हिमांशु माथुर, प्रभारी निरीक्षक योगेश कुमार ने बताया कि जबकि मोहर्रम भी शुरू होने वाला है। इसलिए सतर्कता जरूरी है। कोई भी ऐसा कार्य न किया जाए, जिससे शांति बिगड़ने की संभावना हो। पुलिस सुरक्षा की दृष्टि से सतर्क व मुस्तैद रहेगी, पर शांति व्यवस्था बनी रहे, इसमें नागरिकों का सहयोग जरूरी है। कहीं पर कोई समस्या आती है तो तुरंत इसकी जानकारी दें, जिससे इसका समाधान कराया जा सके। शांति व्यवस्था बिगाड़ने अथवा अफवाह फैलाने की किसी ने कोशिश की तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। किसी तरह की अफवाह से बचें और यदि कोई अफवाह फैलाता है तो इसकी जानकारी दें। अन्य व्यवस्थाओं को लेकर नगर पंचायत को निर्देश दिए गए। बैठक में कस्बे के तमाम लोग मौजूद रहे।

भारत के इतिहास में भारतीय लोकतंत्र का एक काला अध्याय है आपातकाल : संदीप सिंह विसेन

कांग्रेस के द्वारा जबरिया देश में आपातकाल लगाये जाने के 50 वर्ष पूरे होने के विरोध में कैसरगंज में लोकतंत्र सेनानियों व स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों के सम्मान का आयोजित हुआ कार्यक्रम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कैसरगंज, बहराइच। विकासखंड कैसरगंज सभागार में आपातकाल की 50 वर्ष पूरे होने पर 'संविधान हत्या दिवस' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संदीप सिंह विसेन ने अपने संबोधन में कहा कि आपातकाल कांग्रेस की सत्ता की भूख का एक अन्यायकाल थी, उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान देशवासियों ने जो पीड़ा और यातना सहन किया, उसे नई पीढ़ी जान सके इसी उद्देश्य से मोदी सरकार ने इस दिन को 'संविधान हत्या दिवस' का नाम दिया।इंदिरा गांधी सरकार ने 25 जून 1975 को आपातकाल लागू कर अपनी तानाशाही का सबूत दिया जबकि राष्ट्र को इसकी कोई आवश्यकता नहीं थी। आपातकाल में लोकतंत्र विरोधी मानसिकता के साथ प्रेस की स्वतंत्रता कुचली गई, न्यायपालिका के हाथ बांध दिए गए और समाजसेवी कार्यकर्ताओं को जेल में डाल दिया गया। आपातकाल के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देते हुए संदीप सिंह विसेन ने कहा कि यह दिन सभी को याद दिलाता है जब सत्ता तानाशाही बन जाती है तो जनता उसे उखाड़ फेंकने का ताकत रखती है।कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख संदीप सिंह विसेन व खंड विकास अधिकारी सचिन भारतीय द्वारा संयुक्त रूप से लोकतंत्र सेनानी बुद्धि सागर गुप्ता, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के परिजन राकेश कुमार सिंह लदोर, शांति प्रसाद यादव , संजय वर्मा पवही, वीर अभय सिंह आदि को अंग वस्त्र देकर माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी सचिन भारतीय, समाजसेवी शिवाजी पांडे, अधिवक्ता राघव सिंह, अधिवक्ता योगेश मिश्रा, शिवम सिंह बिसेन, विनय सिंह, रोजगार सेवक रूपनारायण, ग्राम पंचायत अधिकारी राकेश कुमार वर्मा, हनुमान सिंह, सौजन्य मिश्रा, गुलाब चंद्र, पी एल उत्कर्ष, कृष्ण श्रीवास्तव, आशीष कुमार, आशीष सोनकर, पंकज कुमार, राम प्रवेश, योगेश यादव, कृष्ण मोहन, नजीब अहमद आज सहित खंड विकास क्षेत्र कर्मचारी व जन सामान्य उपस्थित रहे।

बिना रजिस्ट्रेशन के नर्सिंग होम चलाने के मामले में दो चिकित्सक बुलंदशहर से गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गाजियाबाद । भोजपुर पुलिस ने बिना रजिस्ट्रेशन के फर्जी तरीके से निजी नर्सिंग होम चलाने के मामले में दो चिकित्सकों को बुलंदशहर से गिरफ्तार किया है। दोनों ही चिकित्सक फरार चल रहे थे।एसीपी ज्ञानेंद्र राय ने बताया कि थाना भोजपुर पर डा. देवीलाल (नोडल चिकित्सा अधिकारी) की तहरीर पर डा. मो.सद्दाम निवासी मुरलीपुर गुलाब रोहटा रोड थाना रोहटा जनपद मेरठ ,डा0). अश्वनि पनिवासी ग्रीन विलेज सुपरटेक फ्लैट नं. डी-104 मेरठ, साजिद,परवेज, डा.ताज तथा डा. सीबा के विरुद्ध धारा 15(2)/15(3)/इण्डियन मेडिकल काउन्सिल एक्ट 1956 व धारा 30 संयुक्त प्रान्त चिकित्सा अधिनियम 1917 व धारा 318(4) बीएनएस के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया था जिसमें विवेचनात्मक कार्यवाही के दौरान धारा 118(2)/336(2)/340(2)/61(2) बीएनएस की बढोतरी की गयी ।बुधवार को थाना भोजपुर पुलिस ने डा. मौहम्मद सद्दाम व डा. अश्वनि कृष्णपाल सिंह को बुलन्दशहर नुमाइश ग्राउण्ड से गिरफ्तार किया गया । पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि हम लोग अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर बस अड्डा किल्हौडा थाना भोजपुर गाजियाबाद में बिना रजिस्ट्रेशन के फर्जी तरीके से एक नर्सिंग होम चलाते थे,जिसमें एक महिला की धोखाधड़ी से बच्चेदानी निकाल ली थी ।

बच्चों के व्यक्तित्व एवं सामाजिक विकास के लिए सीएसए में शुरु हुआ ग्रीष्मकालीन शिविर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में तीन से 12 वर्ष के बच्चों के लिए मानव विकास विभाग के अंतर्गत 25 जून से ग्रीष्म कालीन शिविर शुरू हुआ है। यह चार दिवसीय निःशुल्क ग्रीष्म कालीन शिविर 28 जून तक चलेगा। इस शिविर का शुभारंभ इंचार्ज डॉक्टर मुक्ता गर्ग के मार्गदर्शन में अधिष्ठाता सामुदायिक विज्ञान संकाय डॉ सीमा सोनकर की उपस्थिति में शुरू हुआ। यह जानकारी बुधवार को सीएसए विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने दीं।शिविर इंचार्ज डॉक्टर मुक्ता गर्ग ने बताया कि ऐसे आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों के व्यक्तित्व एवं सामाजिक विकास के साथ ही बच्चों को स्वालंबी बनाना है। जिसके अंतर्गत आज बच्चों को विभिन्न प्रकार की क्रियाएं कराई गई जैसेः ड्राइंग, डांस एवं गेम्स इत्यादि। आगामी दिनों में बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए अन्य रचनात्मक क्रियाओं जैसे क्राफ्ट, स्पोर्ट्स, फायर लेस कुकिंग, नाट्य, ड्रामा एवं कहानी का आयोजन किया जाएगा। जिसमें विश्वविद्यालय परिसर के अंदर एवं बाहर रहने वाले लगभग 25 बच्चों ने भाग लिया।डॉक्टर मुक्ता गर्ग ने कहा कि इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए डॉक्टर सुमेधा चौधरी एवं डॉक्टर अदिति दत्त द्वारा बीएससी षष्ठम सेमेस्टर की छात्राओं को विभिन्न क्रियाएं के संचालन के लिए निर्देशित किया गया। नर्सरी टीचर रेनू द्वारा अपना संपूर्ण सहयोग प्रदान किया गया है। षष्ठम सेमेस्टर की छात्राओं कुमारी नीतू, महक, ट्विंकल, शिवकांति आदि छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

भाजपा ने आपातकाल की बरसी पर किया काला दिवस का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कन्नौज। आज कन्नौज भाजपा परिवार द्वारा पीएसएम डिग्री कॉलेज कन्नौज मे जिला अध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया की उपस्थित में 25 जून को भारतीय लोकतंत्र के काले दिवस के रूप में मनाया गया एवं मीसा के तहत जेलों में कैद रहे जिले भर के लोकतंत्र रक्षक सेनानियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप मंच पर मंत्री प्रदेश की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी, विधायक सुशील शाक्य, प्रदेश मंत्री अभिजात मिश्रा उपस्थित रहे। वही संचालन जिला महामंत्री हरि वक्स सिंह ने किया। अतिथि के रूप में उपस्थित मंत्री रजनी तिवारी ने कहादेश में लोकतंत्र की हत्या और उस पर बार-बार आघात करने का कंग्रेस का लंबा इतिहास रहा है। आज के ही दिन कंग्रेस के द्वारा लगाया गया आपातकाल इसका सबसे बड़ा उदाहरण है । भारतीय लोकतंत्र और राजनीत के सबसे दुखद और काले अध्याय इस दिवस को भारतीय जनता पार्टी काला दिवस के रूप में मानती है और इस आपात काल की घोर निंदा करती है । कंग्रेस ने अपनी राजनीतिक भविष्य की चिंता के लिए देश पर आपातकाल थोपा था । आपातकाल लगाकर लोकतंत्र की हत्या करने वाली कंग्रेस आज संविधान की प्रतियां लेकर घूम रही और देश को गुमराह करने का काम कर रही है। आपातकाल में पत्रकारों की लेखनी पर रोक लगा दी गई थी जिन पत्रकारों ने बात नहीं मानी उन्हें जेल में डाल दिया गया , बर्बरता का यह आलम था कि अदालते बंद कर दी गई थी ।प्रदेश मंत्री अभिजात मिश्रा ने कहा कि कंग्रेस का इतिहास ही कला है । हमारा संविधान विश्व का सबसे बड़ा संविधान है हमारा देश लोकतंत्र की जननी है इस लोकतंत्र की जननी की हत्या करने का काम कंग्रेस की इंदिरा गांधी सरकार ने किया था कंग्रेस ने आपातकाल देश की समस्याओं के लिए नहीं अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए देश पर थोप था जब हम लोकतंत्र सेनानियों से इस बर्बरता की बात सुनते हैं तो आंखों में आंसू आ जाते हैं देश में उसे समय गरीबी थी जब युवा गरीबों की आवाज उठाते थे तो उन्हें जेल भेज दिया जाता था। आपातकाल में देश में वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे लगाना अपराध था और ऐसे नारे लगाने वाले युवा क्रांतिकारियों को कंग्रेस की दमनकारी सरकार ने जेल में डालने का काम किया था लेकिन आज भारत में मोदी जी की सरकार और आज भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से देश गूंज रहा है।वहीं विधायक सुशील शाक्य ने कहा कि लोकतंत्र में अगर किसी ने अधिकारों का हनन करने का काम किया है तो वह कंग्रेस ने आपातकाल लगाकर किया था 21 माह तक आपातकाल देश में लगा रहा और लोकतंत्र की हत्या होती रही आवाज उठाने वालों को जेल भेज दिया गया और युवाओं की जबरदस्ती नसबंदी कराएगी 25 जून आज के दिन आपातकाल देश पर थोपा गया था।

मुठभेड़ में गोली लगने से चार,लुटेरे घायल, एक साथी फरार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मथुर । महावन थाना क्षेत्र में एसओजी और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने मुठभेड़ में चार शातिर लुटेरों को बरेली हाइवे के पास से गिरफ्तार किया है। चारों बदमाश पैर में गोली लगी है, जबकि एक बदमाश फरार हो गया। घायल बदमाशों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।पुलिस अधीक्षक देहात सुरेश कुमार रावत ने बुधवार को बताया कि बीती शनिवार-रविवार की दरमियानी रात को बाइक और स्कूटी सवार चार बदमाशों ने गोकुल निवासी बाइक सवार अमर सरदार और उसके दोस्त विपिन कुमार शर्मा से लक्ष्मी नगर महावन रोड पर नगला पापरी के सामने सोने की चेन, मोबाइल तथा पांच हजार की नकदी लूट ले गए थे। पीड़ितों ने थाना पहुंचकर पुलिस को लूट की तहरीर दी। पुलिस मुकदमा दर्ज कर बदमाशों की तलाश कर रही थी।एसपी देहात ने बताया कि बीती रात मंगलवार को एसओजी प्रभारी राकेश यादव को सूचना मिली कि महावन क्षेत्र में लूट की वारदात को अंजाम देने वाले बदमाश दूसरी घटना करने के इरादे से इलाके में घूम रहे हैं। उन्होंने इसकी जानकारी थाना प्रभारी महावन सुधीर कुमार सिंह समेत उच्च अधिकारियों को दी। उच्चाधिकारियों के आदेश पर एसओजी और महावन पुलिस ने बाइक और स्कूटी सवार बदमाशों को बरेली हाईवे के नजदीक घेर लिया। पुलिस ने उन्हें आत्मसमर्पण के लिए बोला तो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में चार बदमाशों की पैर में गोली लगी और वह घायल हो गए। उनका एक साथी फायरिंग करते हुए भागने में सफल रहा। पुलिस ने सभी घायलों से पूछताछ की। बदमाशों ने अपने नाम थाना सदर के दामोदरपुरा स्थित माली मोहल्ला निवासी आकाश निषाद उर्फ मरिया, औरंगाबाद के गोकुल विहार कॉलोनी निवासी विशाल उर्फ कल्लू डॉन, दामोदरपुरा के बघेल मोहल्ला निवासी मोहित उर्फ अजय डीजे व बड़ा कसाईबाड़ा स्थित परवेज बताए। उन्होंने भागे साथी का नाम महावन के नवीपुर निवासी अमित यादव बताया।घायल बदमाशों ने पूछखाछ में यह भी बताया कि बीते दिनों बाइक सवार युवकों से लूटी गई सोने की चेन उन्होंने बैंक में गिरवी रखकर 1.60 लाख का गोल्ड लोन ले लिया और धनराशि आपस में बांट ली थी। पुलिस ने घायल बदमाशों के कब्जे से लूटा गया मोबाइल, सोने की चेन के बदले में बैंक से मिले 1.60 लाख की नकदी समेत कुल 1.65 लाख रुपये, तमंचा-कारतूस तथा लूट में प्रयोग की गई स्कूटी और बाइक बरामद की हैं।एसपी देहात सुरेश चंद रावत ने बताया कि बदमाशों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। साथ ही उनके भागे साथी की तलाश में दबिश दी जा रही है। बदमाशों को गिरफ्तार करने वाली टीम को एसएसपी ने 20 हजार रुपये की धनराशि से पुरस्कृत किया है।

दिव्य शक्ति की आराधना का पर्व है गुप्त नवरात्रि: डॉ. कौशलेन्द्र शास्त्री

26 जून से आरंभ होगा दिव्य साधना का पर्व

गुप्त नवरात्रि ध्रुव योग और सर्वार्थ सिद्धि योग में होगी कलश स्थापना गुप्त नवरात्रि में 10 महाविद्याओं की साधना से मिलती हैं दिव्य सिद्धियां

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। इस वर्ष गुप्त नवरात्रि का शुभारंभ 26 जून 2025 को आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होगा। नवरात्रि का पर्व माँ दुर्गा और उनके विविध स्वरूपों की आराधना का महापर्व है। यह साधना, जप-तप और रहस्यमयी तांत्रिक विधियों से युक्त होती है। ज्योतिषाचार्य पं. अतुल शास्त्री के अनुसार, कलश स्थापना 26 जून को अभीजीत मुहूर्त (सुबह 10:58 से 11:53 तक) में की जाएगी। यह नवरात्रि 4 जुलाई को समाप्त होगी।गुप्त नवरात्रि, जो आषाढ़ और माघ मास में मनाई जाती है, विशेष तांत्रिक साधना और सिद्धियों की प्राप्ति का काल होती है। इस बार नवरात्रि के पहले दिन ध्रुव योग और सर्वार्थ सिद्धि योग का विशेष संयोग है, जो साधना को अत्यंत प्रभावशाली बनाएगा।इस दौरान साधक 10 महाविद्याओं, काली, तारा, षोडशी, भुवनेश्वरी, भैरवी, छिन्नमस्ता, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी और कमला,की पूजा करते हैं। ये दस महाविद्याएं शक्ति के दस रहस्यमय और दिव्य स्वरूप हैं, जिनसे साधक संकटों से मुक्ति और चमत्कारी सिद्धियाँ प्राप्त करता है।गुप्त नवरात्रि के अवसर पर विशेष रूप से दुर्गा सप्तशती का पाठ, घी का दीप प्रज्वलन, एक ही स्थान और आसन पर पूजा, तथा शुद्ध आचरण व वातावरण बनाए रखना अनिवार्य होता है। पंडित अतुल शास्त्री ने बताया कि इस दौरान साधक को एकाग्रता और संकल्प के साथ प्रतिदिन माता के एक स्वरूप की साधना करनी चाहिए।ऐतिहासिक दृष्टांतों में भी शक्ति साधना का महत्व स्पष्ट होता है। रामायण में वर्णित है कि श्रीराम ने लंका विजय से पूर्व देवी की पूजा की थी, जिसमें उन्होंने सौ आठ कमल अर्पित किए थे। अंतिम कमल के अभाव में उन्होंने अपनी आँख अर्पित करने का संकल्प किया, जिससे प्रसन्न होकर देवी ने उन्हें विजय का वरदान दिया।इसी प्रकार महिषासुर वध की कथा में, देवताओं द्वारा अपनी शक्तियाँ समर्पित कर देवी दुर्गा की उत्पत्ति की गई थी। उन्होंने महिषासुर का संहार किया और महिषासुर मर्दिनी कहलाईं।गुप्त नवरात्रि केवल पूजा-पाठ नहीं बल्कि आत्मिक एवं मानसिक साधना का पर्व है, जिसमें शक्ति के विविध रूपों का आह्वान कर जीवन की कठिनाइयों पर विजय पाई जाती है। यह पर्व न केवल तांत्रिक साधकों बल्कि आम श्रद्धालुओं के लिए भी विशेष फलदायी माना गया है।

खंड विकास अधिकारी की मेहरबानी से चल रहा है मनरेगा योजना में फर्जीवाड़ा

मरगूबपुर,डिडिसिया,कला,पूरेडाल,सेमरीकला, निहालपुर में फर्जी मस्टर रोल का आरोप

मनरेगा योजना में लूट पर मूकदर्शक बने हुए हैं खंड विकास अधिकारी व ब्लाक प्रमुख

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। जिले का बेलसर विकास खंड इन दिनों मनरेगा योजना में बड़े पैमाने पर व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर सुर्खियों में है।यहां खंड विकास अधिका री की मेहरबानी के चलते केंद्र सरकार की अति महत्वाकांक्षी योजना को फर्जी मस्टर रोल व श्रमि कों के डबल रोल के जरिए लूटने का गोरखधंधा बंद नहीं हो रहा है।ऐसे में न सिर्फ योगी सरकार की मंशा पर पानी फिर रहा है,बल्कि सरकारी धन का भी वारा-न्यारा किया जा रहा है।जिले के बेलस र विकास खंड की ग्राम पंचायत मरगूबपुर में सुरेश के खेत के पास गाटा संख्या 397 तालाब का सुंद रीकरण, तीन घरवा से गेनपुरवा तक बंधा निर्माण जय किशन के घर के पास गाटा स.1291 पर ता लाब सुंदरीकरण के तीन कार्यों पर मस्टर रोल में 149 श्रमिक दिखाए गए,लेकिन जो फोटो अपलो ड की गई है,उसमें बड़ा खेल हुआ है।इसी तरह ग्रा म पंचायत पूरेडाल में भी चार कार्यों के लिए 98 श्रमिकों का फर्जी मस्टर रोल चल रहा है।मनरेगा पोर्टल पर जो फोटो अपलोड की गई है,उसमें सभी एक जैसी दिखाई दे रही हैं।ऐसे में यह खुलासा हो रहा है कि डबल रोल का खेल ब्लॉक बेलसंर में बे खौफ जारी है।बेलसर विकास खंड की ग्राम पंचाय तों में जिस तरह से मनरेगा योजना में भ्रष्टाचार च ल रहा है,वह सिस्टम पर सवाल खड़ा करता है।ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायतों के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की जाती है,बल्कि जांच के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति कर जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ लिया जाता है।दरअसल,सूत्र बताते हैं कि बेलसंर ब्लॉक में बीडीओ साहब की मेहरबानी से मनरेगा योजना में भ्रष्टाचार फल फूल रहा है।शिकायत हो ने या मीडिया में खबरें छपने के बाद बीडीओ की सख्ती दिखाई देती है,लेकिन सिर्फ हवा-हवाई। वास्तविकता तो यह है कि इसके बाद ग्राम प्रधानों की क्लास ली जाती है और फिर धमकाकर भ्रष्टा चार में भी भ्रष्टाचार का खेल खेला जाता है बेलसंरब्लॉक की ग्राम पंचायत डिडिसिया कला में दो का र्य के लिए 150 श्रमिकों का मस्टर रोल चल रहा है इसी तरह सेमरी कला में 65,निहालपुर में 42,और ग्राम पंचायत खादौरा में 81 श्रमिकों का फर्जी म स्टर रोल चल रहा है।इन ग्राम पंचायतों में श्रमिकों की संख्या घटती-बढ़ती रहती है,जिससे मनरेगा योजना में चल रही लूट पर किसी को शक न हो।बीडीओ से लेकर एपीओ तथा अन्य जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों की संलिप्तता के कार ण ही मनरेगा योजना में बड़े पैमाने पर चल रहे भ्र ष्टाचार के खेल पर न तो रोक लगाने का प्रयास कि या जा रहा है और न ही जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

क्या कहती हैं सीडीओ अंकिता जैन

बेलसर विकास खंड में मनरेगा योजना में किए जा रहे भ्रष्टाचार के बाबत मुख्य विकास अधिकारी अं किता जैन का कहना है कि मनरेगा में पारदर्शिता का हरसंभव प्रयास किया जाता है।इस संबंध में सख्त हिदायत भी दी जाती रहती है और समय-समय पर कार्यों की निगरानी भी कराई जाती है।उन्होंने कहा कि मामले की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

महिला आयोग की सदस्य ने सुनीं पीड़िताओं की फरियाद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य ऋतु शाही व एकता सिंह ने बुधवार को सर्किट हा उस में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान 22 पीड़ित महिलाओं ने आयोग के स मक्ष अपने प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए।इनमें से सिर्फ दो मामलों का तत्काल निस्तारण किया गया, जब कि अन्य बीस मामलों में त्वरित कार्रवाई के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए है।जनसुनवाई के दौरान सदस्यों ने कहा कि महिलाओं से सम्ब न्धित शिकायतों को गंभीरता से सुना जाय तथा उनका गुणवत्तापरक निस्तारण भी कराया जाय। इससे पूर्व सदस्यों के यहां पहुंचने पर जिला प्रोबे शन अधिकारी संतोष कुमार सोनी ने उनका स्वाग त किया।इस दौरान उपमुख्य चिकित्साधिकारी जीएम चिश्ती,क्षेत्राधिकारी लाइन शिल्पा वर्मा, जि ला समाज कल्याण अधिकारी सत्य प्रकाश सिंह, महिला थाना प्रभारी निरीक्षक अनीता यादव, मंड लीय रिसोर्स पर्सन अनिल कुमार द्विवेदी, संरक्षण अधिकारी चंद्र मोहन वर्मा,प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर चाइल्ड हेल्पलाइन आशीष मिश्रा,वन स्टाप सेंटर की सेंटर मैनेजर चेतना सिंह,डिस्ट्रिक्ट मिशन को ऑर्डिनेटर शिवेन्द्र श्रीवास्तव,जेंडर स्पेशलिस्ट राजकुमार आर्या,काउंसलर दीपशिखा शुक्ला, सिद्धनाथ पाठक आदि मौजूद रहे।

सचिवों के ट्रांसफर से गाँवों का विकास कार्य ठप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। जिले की ग्राम पंचायतों के 22 व ग्राम्य विकास के 17 सचिवों का विभिन्न विकास खंडों के लिए तबादला कर दिया गया।जिला पंचायत राज अधिकारी लालजी दूबे द्वारा इन सचिवों को दूसरे ब्लाकों में स्थानांतरित तो कर दिया गया ले किन अभी तक क्लस्टर आवंटन नहीं किया गया, जिससे गांवों में विकास कार्य पूरी तरह ठप्प है।बताते चलें कि अनुपमा सिंह को नवाबगंज से झंझरी व नेहा कुशवाहा को झंझरी से रुपईडीह विकास खंड भेजा गया है।इसी तरह सुभाषचंद्र पाण्डेय को करनैलगंज से पंडरी कृपाल व रमेश कुमार को परसपुर से मुजेहना स्थानांतरित किया गया है।यमुना प्रसाद को रुपईडीह से हलधरमऊ व विंध्वासिनी भारती को इटियाथोक से रुपईडीह, पंकज कुमार मौर्य को पंडरी कृपाल से करनैलगंज व पुष्पराज सिंह को बभनजोत से परसपुर, अमर जीत को रुपईडीह से परसपुर व वैभव तिवारी को करनैलगंज से परसपुर भेजा गया है।नीतीश कुमार श्रीवास्तव को हलधरमऊ से तरबगंज,आलोक कुमार सिंह को मुख्यालय से तरबगंज,घनश्याम निषाद को तरबगंज से वजीरगंज,अभिषेक सिंह व बीना सिंह को परसपुर से बेलसर,मोहम्मद आफा क को वजीरगंज से मनकापुर,विजय कुमार व पवन कुमार को बभनजोत से छपिया,अरविंद कुमार यादव को तरबगंज से छपिया,राम अजोर को मनकापुर से बभनजोत,मालिकराम को रुपई डीह से बभनजोत व राजकुमार को रुपईडीह से हलधरमऊ ब्लॉक भेजा गया है।जिला पंचायत राज अधिकारी लालजी दूबे ने बताया कि ये सभी अधिकारी लंबे समय से एक ही ग्राम पंचायत में तैनात थे।पंचायत चुनाव नजदीक होने के कारण इनका तबादला किया गया है।वहीं दूसरी तरफ, सचिवों के स्थानांतरण के 15 दिन बाद भी क्लस्टर आवंटन नहीं किया जा सका है,जिससे गांवों में वि कास कार्य पूरी तरह से ठप्प है।इसके साथ ही लो गों के अन्य कार्य भी लटके हुए हैं।

वृक्षारोपण कार्य में औपचारिकता ना होकर जन सहभागिता हो: आयुक्त

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। मंडलायुक्त सभागार में आयुक्त देवीपाटन मंडल की अध्यक्षता में वृक्षारोपण अभियान की प्र गति एवं लक्ष्यों की प्राप्ति के संबंध में एक महत्वपू र्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में लोक भारती संस्था के पदाधिकारीगण,जिलाधिकारी गो ण्डा मुख्य विकास अधिकारी गोंडा,प्रभागीय वना धिकारी गोंडा एवं बलरामपुर सहित संबंधित विभा गों के अधिकारी मौजूद रहे।बैठक में पर्यावरण संर क्षण को बढ़ावा देने के लिए वृक्षारोपण लक्ष्य की उ पलब्धि सुनिश्चित करना तथा अभियान की जमीनी हकीकत का मूल्यांकन करना था। आयुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्धारित ल क्ष्य के अनुरूप पौधरोपण कार्य समयबद्ध एवं गुण वत्ता पूर्ण ढंग से संपन्न किया जाए।उन्होंने यह भी कहा कि वृक्षारोपण महज औपचारिकता न होकर जन सहभागिता से संचालित एक सशक्त जनांदोल न बने।लोक भारती संस्था के प्रतिनिधियों ने बैठक में बताया कि संस्था द्वारा नदियों के किनारे पौधारो पण विद्यालयों के बाउंड्री के किनारे हरिशंकरी पौ धारोपण,गौशालाओं में सहजन के पौधों का रोपण किया जाए तथा जनपद के सभी नगर पंचायत,नग र पालिका एवं वार्डों में भी वृक्षारोपण का कार्य क राया जाए व ग्राम स्तर पर जनजागरूकता अभिया न चलाकर किसानों,महिलाओं, युवाओं एवं स्कूली छात्रों को वृक्षारोपण के प्रति प्रेरित किया जा रहा है।संस्था ने यह भी आश्वासन दिया कि अभियान की सफलता हेतु समर्पित स्वयंसेवकों की टीम निरं तर क्षेत्र में कार्यरत है। जिलाधिकारी गोंडा एवं मु ख्य विकास अधिकारी ने अपने-अपने जनपद में चल रही गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। उन्हों ने बताया कि पौधों की उपलब्धता,गड्ढों की खुदाई, रोपण की निगरानी एवं संरक्षण की रणनीति तैयार की गई है।साथ ही, ग्राम पंचायतों की सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।प्रभागीय वनाधिकारी ने जानकारी दी कि इस वर्ष वृक्षारोपण के लिए चयनित प्रजातियों में स्थानीय जलवायु एवं मिट्टी के अनुरूप पौधों को प्राथमिक ता दी गई है।पौधों के रखरखाव की जिम्मेदारी संबं धित विभागों एवं ग्राम स्तरीय समितियों को सौंपी गई है।अंत में आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने सभी उपस्थित अधिकारियों एवं संस्था के पदाधि कारियों से अपेक्षा की कि वे समन्वित प्रयासों द्वारा अभियान को सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहु चाएं एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ठोस कदम उठाएं।

लोक भारती के पदाधिकारीगण

राजेंद्र भोनवाल जी पूर्व चुनाव आयुक्त,मोनिका भो नवाल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लोकभारती,बृजेंद्र पाल सिं ह राष्ट्रीय संगठन मंत्री लोक भारती,गोपाल उपाध्या य राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री लोक भारती,कृष्णा चौ धरी राष्ट्रीय संपर्क प्रमुख लोक भारती,सौरभ सिंह कार्यालय प्रभारी लोक भारती उपस्थित रहे।बैठक के दौरान जिलाधिकारी गोंडा नेहा शर्मा,मुख्य वि कास अधिकारी अंकिता जैन,अपर आयुक्त प्रशास न,अपर आयुक्त न्यायिक देवीपाटन मंडल गोंडा, परियोजना निदेशक डीआरडीए चंद्रशेखर, प्राचार्य डायट दर्जीकुआं,जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित सभी संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय दिवस के उपलक्ष्य में निकाली जागरूकता साइकिल रैली

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। एसएसबी 59वीं वाहिनी द्वारा नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के उपलक्ष्य में ''नशा मुक्त भारत'' अभियान के अंतर्गत एक जागरूकता साइकिल रैली एवं नशा मुक्त भारत जागरूकता कार्यशाला का भी आयोजन किया गया । इस रैली का मुख्य उद्देश्य आमजन को नशे के कुप्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा समाज में नशा उन्मूलन को लेकर एक सशक्त संदेश देना था । यह साइकिल रैली 59 वाहिनी के गेट संख्या-3 से प्रारंभ होकर गाँव मधुबन, गाँव गवाखा होते हुए अगैया चौराहा तक पहुँची, जहाँ से वापस गेट संख्या-2 के माध्यम से वाहिनी परिसर में प्रवेश किया गया । रैली के दौरान सभी प्रतिभागियों ने अपने अपने साइकिल पर नशा मुक्त के सम्बंधित नारों का पोस्टर से आमजन को जागरूक किया गया एवं नशा मुक्त कार्यशाला का आयोजन वाहिनीं मुख्यालय में किया गया म्कार्यक्रम के अंत में उप कमांडेंट अमित कुमार 59 वाहिनीं सशस्त्र सीमा बल ने उपस्थित लोगो को संबोधित करते हुए कहा ल्लहम सब लोग को नशा से दूर रहने के साथ साथ अपने आस-पास के लोगों को भी नशे से दूर रहने हेतु जागरूक करना चाहिये जिससे इसका दुष्प्रभाव उनके परिवार पर न पड़े । उक्त अभियान के माध्यम से हम एक सशक्त, स्वस्थ एवं नशा मुक्त समाज की दिशा में सार्थक कदम उठा सकते हैं ।

ई-केवाईसी न होने पर पीएम किसान योजना के लाभ से वंचित हो सकते हैं 34191 कृषक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच। उप निदेशक कृषि विनय कुमार वर्मा ने बताया कि जनपद के लगभग 34191 किसान ऐसे हैं, जिनके द्वारा अभी तक अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण नहीं की गई है। जिसके कारण ऐसे किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की अग्रिम किश्त प्राप्त नहीं हो पायेगी। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य है। योजनान्तर्गत शासन द्वारा पात्र कृषकों को रू. 6,000=00 की वार्षिक सहायता 03 किश्तों में प्रदान की जाती है।उप निदेशक कृषि श्री वर्मा ने सभी ग्राम प्रधानों, क्षेत्रीय कर्मचारियों, पंचायत सचिवों, कृषि मित्रों एवं किसान संगठनों से भी अपील की है कि अपने-अपने क्षेत्रों में किसानों को जागरूक कर ई-केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण कराने में सहयोग करें, जिससे कोई भी पात्र किसान इस योजना के लाभ से वंचित न रहें। उन्होंने बताया कि इच्छुक कृषक आधार से लिंक मोबाइल नम्बर के साथ पीएम किसान डाट जीओवी डाट इन पर जाकर स्वयं अथवा अपने निकटतम सी.एस.सी. सेन्टर पर जाकर शीघ्र ही ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूर्ण करा लें ताकि भारत सरकार द्वारा शीघ्र ही जारी की जाने किश्त का लाभ प्राप्त करने से वंचित न होने पाये।

जेल में बंद भू-माफिया बृजेश अवस्थी की हार्ट अटैक से मौत

जमीन कब्जाने,धोखाधड़ी और धमकी देने समेत 43 से अधिक गंभीर मामले थे दर्ज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। बस्ती जिला कारागार में बंद गोंडा के भू- माफिया अधिवक्ता बृजेश अवस्थी की हार्ट अटैक से मौत हो गई।अचानक सीने में तेज दर्द होने के बाद जेल प्रशासन ने जेल के अस्पताल में भर्ती कराया।जहां से डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।जिला अस्पताल में बृजेश अवस्थी की इलाज के दौरान मौत हो गई।शव को कब्जे में ले कर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बता दें,जिला कारागार में बंद भू माफिया अधिव क्ता बृजेश अवस्थी की मौत हो गई।भू माफिया बृ जेश को गोंडा से जिला कारागार बस्ती में ट्रांसफर किया गया था।अचानक सीने में तेज दर्द उठा थाजेल अधिकारियों के अनुसार, बृजेश को सुबह अचानक सीने में तेज दर्द उठा और पसीने आने लगे।आधे घंटे तक जेल अस्पताल में इलाज के बा द डॉक्टर की सलाह पर बुधवार की सुबह करीब सात बजे जिला अस्पताल ले जाया गया।जहां इ लाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

बृजेश अवस्थी पर 43 से अधिक मामले दर्ज थे

भू-माफिया बृजेश अवस्थी गोंडा का रहने वाला था।उस पर जमीन कब्जाने,धोखाधड़ी और धमकी देने समेत 43 से अधिक गंभीर मामले दर्ज थे।पेशे से अधिवक्ता बृजेश अवस्थी अपने मुवक्किलों की जमीन का भी फर्जीवाडा कर चुका है।कई लोगों को छेड़खानी,दुष्कर्म के आरोप में जेल भिजवाकर वह उनकी ज़मीन अपने या अपने रिश्तेदारों के ना म करा चुका है।फर्जी बैनामा कराने वाले एक बड़े रैकेट का बृजेश अवस्थी ही सरगना था।उसके सा थी अनिल सिंह और राकेश त्रिपाठी की भी गिर फ्तारी हुई थी।तीनों दिसंबर 2024 से ही मंडल का रागार गोंडा में बंद थे और एक साथ ही थे।इन ती नों को अलग-अलग जिलों के कारागार में भेजने का फैसला लिया।जिसमें बृजेश अवस्थी को बस्ती अनिल सिंह को बहराइच और राकेश त्रिपाठी को बलरामपुर जिला कारागार में ट्रांसफर किया गया था।वही बस्ती जेल सुपरिटेंडेंट एसपी मिश्रा ने बता या कि बृजेश अवस्थी को सुबह अचानक सीने में दर्द उठा था।उसे जेल अस्पताल में ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर किया। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। फिलहा ल,शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

अंजुमन दयार-ए-अदब की तरही नशिस्त संपन्न, शायरों ने बांधा समां

नानपारा, बहराइच। नगर के मुहल्ला तोपखाना में अंजुमन दयार-ए-अदब की जानिब से एक अदबी तरही नशिस्त का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के मशहूर और उभरते शायरों ने शिरकत कर शायरी के जरिए दर्द, मोहब्बत, वफ़ा और इंसानियत के नग़मे पेश किए। यह साहित्यिक आयोजन देर रात तक चलता रहा और हर शेर पर श्रोताओं की वाहवाही गूंजती रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ शायर शोसन नानपारवी ने की, जबकि संचालन का जिम्मा युवा शायर नज़र बहराइची ने बखूबी निभाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अहमद अब्दुल्ला रहे, जिन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं को साहित्य से जोड़ते हैं और तहज़ीब की रवायत को ज़िंदा रखते हैं। शोसन नानपारवी ने पढ़ा निगाह राख पे जाती है बार-बार अपनी, यह कुछ और नहीं मेरा आशियाना है। मास्टर अदीब नानपारवी ने पढ़ा हज़ारों ग़म हैं मगर फिर भी मुस्कराना है। हाफिज़ नफीस नानपारवी ने पढ़ा तुझे तो सिर्फ मेरा ज़र्फ आज़माना है। हयात नेपाली ने पढ़ा लबों पे बस ये तेरा आख़िरी फसाना है। लाल नानपारवी ने पढ़ा चमन के मिस्ल अगर ज़िंदगी सजाना है। काशिफ़ नानपारवी ने पढ़ा मुझे चराग़ मुहब्बत का इक जलाना है। नज़र बहराइची ने पढ़ा फ़लक से चांद सितारे ज़मीं पे लाना है। इनके अलावा मोमिन बरकाती, मंज़ूर बहराइची, उमर नानपारवी, नवाज़ बहराइची, हाफिज़ जमील नानपारवी, मेराज शिवपुरी सहित अन्य कई शायरों ने भी अपने कलाम से महफिल को रोशन किया। अंत में आयोजक लाल नानपारवी और काशिफ़ नानपारवी ने सभी शायरों, अतिथियों और श्रोताओं का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने बताया कि अंजुमन दयार-ए-अदब भविष्य में भी इस तरह के साहित्यिक आयोजनों को निरंतर जारी रखेगी।

डीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिला शान्ति समिति की बैठक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । श्रावण मास में आयोजित होने वाली कांवड़ यात्राओं, मोहर्रम व अन्य आसन्न त्यौहारों को शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला शान्ति समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी मोनिका रानी व पुलिस अधीक्षक रामनयन सिंह ने विभिन्न समिति के पदाधिकारियों व आमजन से अपील की है कि परम्परागत ढंग से सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्यौहारों को मनायें तथा शान्ति व्यवस्था के सम्बन्ध में यदि कहीं से कोई भी सूचना प्राप्त हो तो उसे तत्काल जिम्मेदार अधिकारियों के संज्ञान में अवश्य लायें।जिलाधिकारी ने कहा कि जिले की कानून एवं शान्ति व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से संजीदा है। माहौल खराब करने की कोशिश करने वालों के विरूद्ध सख्ती के साथ कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि उन्हें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि सभी के सहयोग से पूर्व की भांति आगामी त्यौहार भी सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न होंगे। डीएम ने बैठक के माध्यम से आमजन से अपील की है कि यौहारों के दौरान ऐसा आचरण रखें जिससे किसी दूसरे व्यक्ति को कोई आपत्ति न हो तथा किसी प्रकार की नई परम्परा का आगाज़ न करें। डीएम ने कहा कि त्यौहारों को सौहार्दपूर्ण वातावरण में शान्तिपूर्ण ढ़ंग से सम्पन्न कराने के लिए प्रशासन एक व्यवस्था देता है। जबकि त्यौहारों को शान्तिपूर्ण ढ़ंग से सम्पन्न कराने में असली भूमिका तो समाज के सम्भ्रान्तजनों की होती है। डीएम ने सुरक्षा की दृष्टि से ताज़ियादारों से अपील की कि ताज़िया व अलम की ऊंचाई को लेकर विशेष घ्यान रखें ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके।डीएम ने कहा कि बैठक के दौरान संभ्रान्तजनों की ओर से बिजली, पानी, साफ-सफाई, जुलूस मार्गों व प्रकाश व्यवस्था के सम्बन्ध में प्राप्त हुए सुझावों के अनुसार जनपद में माकूल बन्दोबस्त सुनिश्चित कराये जायेंगे। डीएम ने नगर निकायों, पंचायती राज, विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्बाध विद्युत आपूर्ति एवं पेयजल आपूर्ति के साथ-साथ जुलूस मार्गों व धार्मिक स्थलों तथा उसके आस-पास के क्षेत्रों में समुचित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। डीएम ने एसडीएम व सीओ को निर्देश दिया कि विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के साथ क्षेत्र का भ्रमण कर जुलूस मार्गों व धार्मिक स्थलों के आवागमन मार्गों इत्यादि को दुरूस्त करा दें तथा ऊपर से गुज़रने वाले ढीले विद्युत तारों को भी सही करा दिया जाय।डीएम ने नगर निकायों व पंचायती राज विभाग को निर्देश दिया कि यदि जुलूस मार्गों पर कहीं जलभराव जैसी स्थिति हो तो समय से जलनिकासी के साथ-साथ जुलूस के दौरान निराश्रित जानवरों के कारण किसी प्रकार व्यवधान उत्पन्न न होने पाये। डीएम ने कहा कि प्रायः देखने में आता है कि जब कोई जुलूस निकलता है तो लोग अक्सर छतों के छज्जे पर खड़े हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में जर्जर मकानों के छज्जे गिरने से भी दुर्घटनाएं हो जाती है। उन्होंने आयोजन समिति के पदाधिकारियों से अपेक्षा की कि यदि छज्जो पर लोग जमा हो जाये तो उन्हें समझा बुझाकर हटा दिया जाय। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक रामनयन सिंह ने कहा कि त्यौहारों के दौरान गुड पुलिसिंग व्यवस्था रहेगी। संवेदनशील तथा अतिसंवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जायेगी और कानून के साथ खिलवाड़ करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि ऐसा कार्य न करें कि जिससे एक दूसरे समुदाय की भावनाएं आहत हों। त्यौहारों के दौरान शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस अधीक्षक ने सभी से सहयोग प्रदान करने तथा पारम्परिक मार्गो पर ही जुलूस का संचालन किये जाने की अपील की है।

शायर शारिक रब्बानी ने अंतर्राष्ट्रीय भारत नेपाल साहित्य उत्सव में की शिरकत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। बहराइच जनपद के नानपारा में जन्मे और वर्तमान में खूबसूरत झीलों की नगरी भोपाल में रह रहे अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शायर साहित्यकार व समाजसेवी, अध्यक्ष - भारतीय सांस्कृतिक सहयोग एवं मैत्री संघ उत्तर प्रदेश ने रूबरू फाउंडेशन लखनऊ में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय भारत नेपाल साहित्यक उत्सव में नेपाल के कुछ चुनिंदा साहित्यकारों और संस्कृतिकर्मी के साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। जिसमें उन्हें साहित्य श्री सम्मान से भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अनीता सहगल और सीमा भारती ने किया। स्वागत मंतव्य रूबरू फाउंडेशन लखनऊ के अध्यक्ष इरशाद राही ने दिया। भारत नेपाल उत्सव में मुशायरा व कवि सम्मेलन के अलावा, फिल्मी गीतों का गायन, सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुआ।

भाजपा ने लोकतंत्र सेनानियों को किया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर तत्कालीन इन्दिरा सरकार द्वारा लगाई गई इमरजेंसी में पीड़ित हुए लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित किया गया हैं।जिसमें मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष देवेन्द्र चौधरी रहे है।विशिष्ट अतिथि पूर्व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष यतिन भाटिया रहें ।

अध्यक्षता जिला अध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह ने की संचालन जिला महामंत्री एवं कार्यक्रम संयोजक अमित अग्रवाल ने किया ।मंचासीन अतिथियों में जिला पंचायत अध्यक्ष दलजीत कौर,नगर पालिका अध्यक्ष आस्था अग्रवाल,मरौरी ब्लॉक प्रमुख सभ्यता वर्मा,योगेश चन्द्र मिश्रा,सरदार सर्वजीत सिंह,पूरन लाल लोधी,कैलाश चंद्र गुप्ता, सरयू प्रसाद,प्यारे लाल पाल, डॉ सुधीर मिश्रा,राजीव अग्रवाल उपस्थित रहे।यह लोकतंत्र सेनानी सम्मानित किये गये सरयू प्रसाद रस्तोगी,तौसीफ अहमद,मोहम्मद मियां,प्रमोद अग्रवाल,डॉ सुधीर मिश्रा,डॉ वीरेंद्र गंगवार, डॉ योगेश मिश्रा,डॉ वीरेंद्र बहादुर सिंह,राजीव अग्रवाल,डॉ धीरेन्द्र सिंह चौहान,पूरन लाल गंगवार,राम कृष्ण,राम चन्द्र लाल, कैलाश चंद्र,धीरेन्द्र सिंह गंगवार, सर्वजीत सिंह,अरविन्द सिंह,कैलाश चंद्र गुप्ता,प्यारेलाल पाल,अरूण बाजपेई को दुशाला उड़ाकर सम्मानित किया गया।मुख्य अतिथि ने कहा कि 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने जिस प्रकार से देश में आपातकाल लगाने का घोर व अमानवीय कृत्य किया।जिसकी जितनी निंदा की जाए उतनी कम है,आज उनके पोते जो संविधान प्रतिका लेकर लोकतंत्र की दुहाई दे रहे हैं। उनके पूर्वजों ने देश को गहरी खाई में ढकेलने का कार्य किया।आज देश का नेतृत्व एक गरीब पिछड़े समाज से आने वाले तथा चाय बेचने वाला देश का नेतृत्व पिछले 11 वर्षों से कर रहा है।

आज देश दुनिया की सबसे तेज चौथी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है,और बहुत जल्द तीसरी अर्थव्यवस्था बनेगा।और भारतीय जनता पार्टी ने 2047 तक भारत माता को विकसित भारत बनाकर ही दम लेंगे।25 जून 1975 की आधी रात को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 'आंतरिक अशांति' का बहाना बनाकर भारत पर आपातकाल थोप दिया। यह निर्णय किसी युद्ध या विद्रोह के कारण नहीं, बल्कि अपने चुनाव को रद्द किए जाने और सत्ता बचाने की हताशा में लिया गया था। कांग्रेस पार्टीने इस काले अध्याय में न केवल लोकतांत्रिक संस्थाओं को रौंदा, बल्कि प्रेस की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को कुचलकर यह स्पष्ट कर दिया कि जब-जब उनकी सत्ता संकट में होती है, वे संविधान और देश की आत्मा को ताक पर रखने से पीछे नहीं हटते। आज 50 वर्षबाद भी कांग्रेस उसी मानसिकता के साथचल रही है, आज भी सिर्फतरीकों का बदलाव हुआ है, नीयत आज भी वैसी ही तानाशाही वाली है। मार्च 1971 में लोकसभा चुनाव में भारी बहुमत से जीतने के बावजूद इंदिरा गांधी की वैधानिकता को चुनौती मिली। उनके विपक्षी उम्मीदवार राज नारायण ने इलाहाबाद हाई कोर्ट में चुनाव को भ्रष्ट आचरण और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के आधार पर चुनौती दी। देश की अर्थव्यवस्था मंदी के दौर से गुजर रही थी, जिससे जनता में असंतोष बढ़ता जा रहा था। देश पहले से ही आर्थिक बदहाली, महंगाई और खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था। बिहार और गुजरात में छात्रों के नेतृत्व में नव निर्माण आंदोलन खड़ा हो चुका था। 8 मई 1974 को जॉर्ज फर्नांडिस के नेतृत्व में ऐतिहासिक रेल हड़ताल ने पूरे देश को जकड़ लिया। इस आंदोलन को रोकने के लिए 1974 में गुजरात में इंदिरा गांधी ने राष्ट्रपति शासन लगा दिया। यही राष्ट्रपति शासन 1975 में लगने वाले आपातकाल की एक शुरुआत था। इसके साथ ही बिहार में कांग्रेस सरकार के खिलाफ असंतोष बढ़ने लगा और 1975 में हुए गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा। 12 जून 1975 को कोर्टने इंदिरा गांधी को चुनाव में दोषी ठहराया और उन्हें 6 वर्षों तक किसी भी निर्वाचित पद पर रहने से अयोग्य करार दिया। इसके बाद राजनीतिक अस्थिरता तेजी से बढ़ी, जिससे घबराकर इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 को 'आंतरिक अशांति' का हवाला देकर राष्ट्रपति से आपातकाल लगा दिया। रातोंरात प्रेस की बिजली काटी गई, नेताओं को बंदी बनाया गया और 26 जून की सुबह देश को तानाशाही की सूचना रेडियो के माध्यम से दी गई। संविधान के अनुच्छेद 352 का दुरुपयोग कर लोकतंत्र को रौंदा गया, संसद और न्यायपालिका को अपंग बना दिया गया। यह सिलसिला किसी युद्ध या बाहरी हमले से नहीं, बल्कि एक व्यक्ति के कुर्सी खोने होने के भय से शुरू हुआ और पूरे राष्ट्र को मौलिक अधिकारों से वंचित कर दिया गया।

रेल और यातायात सेवाएं समय रहते नहीं हुई दुरुस्त तो होगा बड़ा आन्दोलन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल ने प्रगतिशील अधिवक्ता एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का एवं स्वास्थ्य ठीक होने बाद लौटे पूर्व राज्यमंत्री विनोद तिवारी का फूल मालाएं पटका पहनाकर दोनों का जोरदार स्वागत किया जिसमें नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजय सक्सेना, महासचिव सुशील सक्सेना, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय पांडेय, कोषाध्यक्ष प्रदीप सक्सेना, उमाशंकर सक्सेना को शुभकामनाएं दी हैं।जिसमें सभी ने अपने विचार रखे व्यापारियों और अधिवक्ताओ की हुई संयुक्त बैठक ये चेतवानी दी गई रेल और यातायात सेवाएं समय रहते नहीं हुई दुरुस्त तो व्यापारी, अधिवक्ता और हर वर्ग को साथ लेकर बड़ा आन्दोलन होगा संजय सक्सेना ने जर्जर हो चुके तहसील भवन को जल्द से जल्द नए भवन और न्यायालय भवन असम रोड पर पड़ी जमीन पर बनवाने की बात कही समरवीर सिंह ने गरीब असहाय व्यक्ति को न्याय दिलाने के लिए एक मुफ्त अधिवक्ता देने की बात कही वही संजय पाण्डेय ने शहर मे जर्जर हो चुकी सड़को की मरमत की बात कही व उमाशंकर सक्सेना ने कहा पूर्व मे जो ट्रेनों चल रही उसी समयसरणी और ट्रेनों की बढ़ोतरी कर फिर से चालू कराने की बात कही सभी ने मिलकर स्थानीय समस्याओं पर जायदा जोर दिया तारिक कुरैशी ने कहा पूरनपुर से उत्तराखंड मार्ग व माधोटांडा पीलीभीत मार्ग पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका हजारों लोगो को आवागमन मे दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा किसी भी नेता का घ्यान उस ओर नही गायक साल बीत जाने के बाद भी जस का तस है गुलाटी जी ने कहा दिल्ली से गोरखपुर के मध्य सीधे ट्रेनों का संचालन न होने से पूरनपुर का व्यापार चौपट होने के कगार पर पहुंच चुका है। छात्र, अधिवक्ता, किसानों, दुग्ध व्यापारियों आदि को भी सफर करने में बेहद दिक्कत उठानी पड़ रही है इसमें गोरखपुर,लखनऊ से बरेली और दिल्ली को एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन शुरू कराने की बात कही लखनऊ से बरेली, दिल्ली एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन नियमित रूप से होना चाहिए। ताकि क्षेत्र के किसान, अधिवक्ता, विद्यार्थी, नगर के व्यापारियों, दुग्ध विक्रेता सहित क्षेत्रीय लोगों को रेल सेवा का लाभ मिले और आवागमन सुलभ हो वही राहुल का कहना नगर में ई रिक्शा की वजह से व्यवस्थित सिस्टम नहीं है। कभी किसी भी रूट से निकलों तो बढ़ती आबादी और ई रिक्शा के सरपट यहां से वहां आने जाने में जाम लगता है। समय पर नहीं पहुंच पाते और समय बर्बाद होता है पेयजल द्वारा किय गये कार्य से शहर की टूटी और गड्ढा युक्त सड़कें लोगों के लिए मुसीबत बनी हुई है तो अब जाम की समस्या शहर के लोगों के लिए अभिशाप बन गई है कुछ व्यापारियों ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि सांसद और विधायक को क्षेत्रीय समस्या का संज्ञान लेते रहना चाहिए वोट लेने से काम नही चलेगा शहर मे पार्किंग की व्यवस्था का न होना भी एक अभिशाप है इस कार्यक्रम मे प्रदेश उपाध्यक्ष हंसराज गुलाटी, पूर्व राज्यमंत्री विनोद तिवारी, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सक्सेना, व्यापार मंडल अध्यक्ष जाहिद खान, सर्राफा संघ अध्यक्ष संजय गुप्ता, नगर अध्यक्ष शैलेन्द्र गुप्ता, दीपक अग्रवाल, विजयपाल सिंह विक्की,अजय खंडेलवाल,समरवीर सिंह, सुशील सक्सेना, बलजीत सिंह खैरा, अशोक खंडेलवाल, तारिक कुरैशी, सर्वेश गुप्ता, संजय पाण्डेय, सुरेन्द्र अग्रवाल, राहुल जायसवाल, सुनील आर्य, संजीव गुप्ता, उमाशंकर सक्सेना, आतिफ खान, सचिन सहित काफी संख्या मे लोग मौजूद रहे।

लूट की घटना के नहीं मिले कोई साक्ष्य

पूरनपुर। बीते कुछ दिनो पहले शेरपुर मे हुई लूट पुलिसिया जांच मे कोई पुख्ता सबूत नही मिलने से एक्सपंज हो गई युवती को बंधक बनाकर और उसकी बहन और भतीजे को गन प्वाइंट पर लेकर नकाबपोश सशस्त्र बदमाश द्वारा मारपीट कर नकदी, जेवरात लूटने के मामले में घटना संबंधी पुलिस को कोई साक्ष्य नहीं मिले। लूटे गए जेवरात की फर्जी रसीद बनवाने का मामला पाया गया। पुलिस ने प्राथमिकी एक्सपंज कर दी है। महिला की चालान रिपोर्ट भी भेजी जाएगी। गत दो जून को कोतवाली क्षेत्र के गांव शेरपुर कलां निवासी चमन पुत्री क्यूम ने पुलिस को बताया कि था वह अपनी बहन तबस्सुम, भतीजे अजमत के साथ छत पर बने कमरे में लेटी थी। दो सशस्त्र नकाबपोश बदमाश कमरे का दरवाजा खुलवा कर दाखिल हो गए थे। उसे बंधक बनाकर, बहन और भतीजे को गन प्वाइंट लेकर मारपीट करते हुए निकाह के लिए बक्से में रखी दो सोने की अंगूठी, सोने की झुमकी चांदी की पायलें, नाक का फूल और 24 हजार रुपये की नकदी लूट ले गए थे। पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव ने घटनास्थल का निरीक्षण कर टीम को खुलासे के निर्देश दिए थे।

भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय है आपातकाल : ब्रज बहादुर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय आपातकाल पर आधारित गोष्टी एवं प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन भाजपा जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला की अध्यक्षता में किया गया। जिसके मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष बज बहादुर रहे। संगोष्ठी का संचालन जिला मंत्री प्रभात शुक्ला ने किया।प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रज बहादुर ने भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर जन जागरण गोष्ठी को सम्बोधित करने के साथ पत्रकारों से बात की उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जिस तरीके से पचास साल पहले आपातकालीन लगाकर देश के खिलाफ ना इंसाफी की थी वह अपने आप में कहीं से भी सही नहीं था उस समय के आपातकालीन में लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ा बेगुनाहों को गोली मार दी गई लोगों को जेल जाना पड़ा लोगों से उनकी स्वतंत्रता छीन ली गई ऐसे में आज भाजपा पूरे प्रदेश में पूरे देश में जन जागरण अभियान चला रही है लोगों को जागरुक कर रही है कि उस समय क्या परिस्थितियों थी कैसे तानाशाही कंाग्रेस के खिलाफ लोगों ने परेशानियों का सामना किया आज उन सब के बारे में हम लोगों को जागरुक कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि कांग्रेस के विचारधारा को किसी को बताने की आवश्यकता नहीं है कंाग्रेस ऐसी पार्टी है जिसकी विचारधारा जिनकी मानसिकता राष्ट्रवादी नहीं है वह पार्टी जो वास्तव में केवल और केवल अपने लिए अपने परिवार के लिए कैसे देश में परिवार वाद उनका जिंदा रहे इसके लिए काम करती है बीच में जब उनका प्रधानमंत्री नहीं रहा उनके परिवार का तब भी उन्होंने सुपर पीएम के नाम पर अपने ही परिवार के द्वारा पीएम निर्मित कराया गया जो वास्तव में प्रधानमंत्री थे उन्हें कोई काम करने की स्वतंत्रता नहीं थी लोकतंत्र को बचाने के लिए लोकतंत्र की रक्षा के लिए भारतीय जनता पार्टी ने काम किया है आज सारी मीडिया स्वतंत्र है सारे लोग स्वतंत्र हैं।

आपातकाल दिवस पर लोकतंत्र सेनानियों व उनके आश्रितों को किया गया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। कलेक्ट्रेट सभागार में आपातकाल की पचासवीं वर्षगांठ पर आपातकाल दिवस मनाया गया जिसमें लोकतंत्र की रक्षा के लिये संघर्ष करने वाले लोकतंत्र सेनानियों व उनके आश्रितों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि, जिलाधिकारी संजय चौहान, मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल, अपर जिलाधिकारी अनिल चतुर्वेदी सहित अन्य संबंधित अधिकारी और लोकतंत्र सेनानी व उनके आश्रित उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में आपातकाल पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया इसके अलावा सामूहिक हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया जिसमें लोकतंत्र की रक्षा और संविधान के प्रति निष्ठा का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष, जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी ने लोकतंत्र सेनानियों व उनके आश्रितों क्रमशः जगदीश, निरहू, रणजीत सिंह, राम मूरत, सुखदेव, लल्लन, कृष्ण दत्त, रामकिशोर, जगदीश प्रसाद, कलावती, चंद्रकला व फूलकली को माला पहनकर वह अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया।जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरी ने कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का एक ऐसा अध्याय है जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता, उस दौर में जिन लोगों ने अपने प्राणों की बाजी लगाकर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की वे वास्तव में हमारे समाज के प्रेरणा स्त्रोत हैं। उन्होंने कहा कि आज का दिन हमें इस बात का संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम लोकतंत्र की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहे। जिलाधिकारी संजय चौहान ने अपने उदबोधन में कहा कि आपातकाल के दौरान जिन लोगों ने अपनी आजादी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की कीमत पर देश को लोकतांत्रिक रास्ते पर बनाये रखा उनका योगदान अतुलनीय है।उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों के साहस और बलिदान को नमन करते हुए कहा कि युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिये। इसके अतिरिक्त मुख्य विकास अधिकारी व अपर जिलाधिकारी न्यायिक ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया तथा आपात काल पर प्रकाश डाला। जिला मुख्यालय सहित सभी विकासखंड स्तरों पर भी आपातकाल दिवस मनाया गया।

मोहनगंज पुलिस ने स्मैक के साथ युवक को दबोचा

तिलोई अमेठी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना मोहनगंज पुलिस ने नशा मुक्त अमेठी अभियान के तहत पचपन ग्राम स्मैक के साथ एक युवक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने पकड़े गये युवक के खिलाफ मुकदमा दर्जकर जेल भेज दिया है।पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देश पर थाना मोहनगंज के प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान अभियुक्त अहमद अली पुत्र स्वर्गीय रहम अली निवासी सैम्बसी थाना मोहनगंज जनपद अमेठी उम्र करीब चौवन वर्ष को गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम द्वारा की गई तलाशी में युवक के कब्जे से पचपन ग्राम स्मैक बरामद हुई है। इस सम्बंध में थाना मोहनगंज के प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये युवक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्जकर जेल भेज दिया गया है।

मुख्यमंत्री के आदेशों की जमकर उड़ रही धज्जियां हाइवे के किनारे खुली शराब की दुकान

पीलीभीत, कैनविज टाइम्स संवाददाता। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों के साथ बैठक कर एक्सप्रेसवे एवं हाईवे के किनारे शराब की दुकान बिल्कुल ना हो लेकिन फिर भी जनपद पीलीभीत के गांव गजरौला कला में नेशनल हाईवे के किनारे लाइसेंस धारक कृष्ण कुमार खंडेलवाल के नाम से कंपोजिट अंग्रेजी शराब एवं बियर की दुकान खोली गई है। जो कि नियमों के विरुद्ध है। सीएम योगी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश थे कि एक्सप्रेसवे और हाईवे पर नहीं होंगी शराब की दुकानें मुख्यमंत्री सीएम ने प्रदेश के सभी एक्सप्रेसवे और हाईवे के किनारे शराब बिक्री पर रोक लगाने के भी निर्देश दिए उन्होंने कहा था कि शराब की दुकानों के साइनेज बहुत बड़े होते हैं इन्हें छोटा किया जाए। फिर भी नियमों को ताक पर रखकर दुकान का लाइसेंस दे दिया गया है।

मंत्री प्रतिनिधि ने जिलाधिकारी से की मुलाकात

पीलीभीत, कैनविज टाइम्स संवाददाता। राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार के निर्देश पर उनके जिला प्रतिनिधि कपिल अग्रवाल ने जिलाधिकारी पीलीभीत ज्ञानेंद्र सिंह से भेंट कर क्षेत्रीय समस्याओं पर चर्चा की। जिलाधिकारी से भेंट में जिला प्रतिनिधि ने कहा कि मझोला क्षेत्र में प्रशासन की ओर सप्ताह में एक बार जनता दर्शन कार्यक्रम आयोजित किया जाना चाहिए जिसमें जनता के तहसील से संबंधित कार्यों और शिकायतों समस्याओं पर सुनवाई और कार्य हों इससे मझोला क्षेत्र के दर्जनों ग्रामों में रह रही हजारों की संख्या आबादी को राहत मिलेगी और उनका अमरिया के चक्कर काटना कम हो जाएगा। उन्होंने डी एम को बताया कि मझोला से अमरिया का सिंगल और खस्ताहाल मार्ग होने तथा उस पर कोई भी सार्वजनिक यातायात के संसाधन ना होने से मझोला क्षेत्र की गरीब जनता को अमरिया जाने में बड़ी दिक्कत होती है अतः उनके जीवन को सुगम बनाने हेतु मझोला में एक दिन जनता दर्शन कार्यक्रम बहुत जरूरी है। जिसमें उपजिलाधिकारी, तहसीलदार समेत मझोला क्षेत्र के सभी ग्रामों के लेखपाल, कानूनगो आदि भी रहकर जनता की समस्याओं को सुनें और कार्यवाही करें। इसके अतिरिक्त जर्जर हो चुके दियूनी डाम पुल का पुनर्निमाण करवाने और मझोला– अमरिया मार्ग के चौड़ीकरण की बड़ी आवश्यकता पर विस्तृत चर्चा की गई। जिला प्रतिनिधि ने बताया कि यह मामला उन्होंने गत दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सम्मुख भी उठाया था जिसे मुख्यमंत्री ने काफी गंभीरता से लिया था, अब जिला स्तर से इस पर प्रस्ताव भेजना जाए जिससे शासन स्तर पर इसकी पैरवी कर इसका अनुमोदन कराया जा सके। जिलाधिकारी ने दोनों बिंदुओं को गहनता से सुना और पूरी जानकारी लेकर इन दोनों पर ठोस कार्यवाही का आश्वासन दिया है।

फिरोज हॉस्पिटल के चिकित्सक ने गढ़वाखेड़ा में प्याऊ लगाकर राहगीरों को वितरण किया शरबत

पूरनपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। फिरोज हॉस्पिटल गढ़वा खेड़ा में लगाया गया प्याऊ इससे पूर्व भी डॉक्टर साहब कर चुके अनेकों जनहित के कार्य।गर्मी की तपिश में जव आमजन बेहाल है ऐसे में पूरनपुर क्षेत्र के गढ़वा खेड़ाखड़ा में स्थित फिरोज हॉस्पिटल के डॉक्टर सलीम खान द्वारा जनहित में एक सराहनीय पहल की गई अस्पताल परिसर के बाहर राहगीरों के लिए शीतल जल की व्यवस्था कर प्याऊ लगाया गया जिससे आने–जाने वालों को बड़ी राहत मिली तेज धूप और लोगों के बीच इस सेवा कार्य को देखकर राहगीरों द्वारा स्थानीय लोगों ने डॉक्टर सलीम खान की खुले दिल से सराहना की यह पहला ऐसा कार्य नहीं है जब उन्होंने इस तरह का कार्य किया हो इससे पहले भी डॉक्टर सलीम ने ग्राम गोरा में कब्रिस्तान में गेट टूटा होने के कारण दूसरा लोहे का नया गेट लगवाया था।जैसा सामाजिक कार्य कर चुके हैं। पूर्व में भी डॉक्टर कड़कड़ाती ठंड में भी लोगों के लिए सहारा बनकर गरीबों के काम में आ चुके हैं डॉक्टर सलीम क्षेत्र में एक समाजसेवी के रूप में जाना जाने जाते हैं जो स्थानीय जो अपने पैसे के साथ–साथ समाज के प्रति भी लगातार जिम्मेदारी निभा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि उनके ऐसे कार्य जो लोग उनकी सराहना की। ऐसे कार्यों से पर समाज में भी सकारात्मक संदेश जाते है।

आम तोड़ने का विरोध करने पर बुर्जुग की पिटाई

पूरनपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। सेहरामऊ थाना क्षेत्र के गांव बरगदिया के रहने वाले हरजीत सिंह ने वुधवार दोपहर तीन बजे बताया कि उसके पिता ओमप्रकाश आम के बाग की रखवाली कर रहे थे। आरोप है कि विवेक पुत्र धर्मेंद्र आम तोड़ने लगा विरोध करने पर विवेक, मुलायम, दिनेश, आकाश कुछ अज्ञात लोगों के साथ बाग में पहुचकर बुजुर्ग की पिटाई कर दी। जानकारी लगने पर बुजुर्ग का पुत्र हरजीत सिंह व पुत्रवधू नीलम देवी मौके पर पहुंच गए। आरोप है इस पर उक्त लोगों ने उनकी भी पिटाई कर जान से मारने की धमकी दी। घायलों ने थाने पहुंचकर मामले में पुलिस से शिकायत की और घायल बुजुर्ग को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

धार्मिक स्थल के मेले की परमीशन प्रशासन ने की खारिज मामला पहुंचा जिलाधिकारी के पास

पूरनपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। घुघंचाई थाना क्षेत्र के गांव भगौतीपुर में श्री ठाकुर जी महाराज का मंदिर है। इस मंदिर की कृषि भूमि को लेकर दो पक्षों में विवाद चल रहा है और इसी को लेकर मामला न्यायालय में वीचाराधीन है। हर वर्ष मंदिर पर मेले का आयोजन भी होता है। मंदिर की पुजारन माला सिंह पत्नी अमित सिंह ने मेले की परमिशन को लेकर पत्र दाखिल किया था। लगभग दो महा के बाद तहसील प्रशासन ने मेले की परमिशन को खारिज कर दिया। इसी को लेकर मंदिर की पुजारन ने वुधवार दोपहर दो बजे मामले में जिलाधिकारी से शिकायत कर तहसील प्रशासन पर मनमानी करने का आरोप लगाया है और मेले की परमीशन कराने की मांग की है।

पड़ोसी की पिटाई के बाद से युवक लापता, दस दिन बाद भी नही लगा सुराग

पूरनपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगर के मोहल्ला बबनपुरी की रहने वाली केतुकी पत्नी ईश्वरी प्रसाद ने वुधवार दोपहर तीन बजे बताया कि उसका 30 वर्षीय पुत्र बबलू 16-06-2025 की रात में शराब पीने के कारण पड़ोसी अजय से विवाद हो गया था। आरोप है कि अजय ने परिवार के लोगों के साथ मिलकर उसकी पिटाई कर दी थी। जिससे घवरा कर वह कही चला गया या उक्त लोगों ने गायब कर दिया।

सत्ता के नशे में कांग्रेस ने थोपा था आपातकाल : कपिल देव अग्रवाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के व्यावसायिक व कौशल विकास मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने भाजपा कार्यालय पर जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी की अध्यक्षता व विशिष्ट अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश त्रिवेदी की मौजूदगी में पत्रकारों से वार्ता करते हुए 25 जून को लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय बताया।उन्होंने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और लोकतंत्र की रक्षा में जुटे सेनानियों को नमन किया।कहा कांग्रेस ने 50 वर्ष पहले सत्ता के नशे में देश पर आपातकाल थोपा था।इस दौरान संविधान, अभिव्यक्ति की आजादी और नागरिक अधिकारों का गला घोंटा गया। हम उन सभी लोकतंत्र सेनानियों को नमन करते हैं, जिन्होंने उस समय अत्याचारों के खिलाफ आवाज़ उठाई।उन्होंने कहा आज का दिन लोकतंत्र व संविधान की हत्या के रूप में याद किया जाता है।आपातकाल के दौरान मीडिया व प्रेस की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को दबा दिया गया था।आपातकाल हमें उस अंधेरे दौर की याद दिलाता है,जब सत्ता में मदहोश होकर जनता की आज़ादी को छीन लिया गया था। इंदिरा सरकार द्वारा 1975 से 77 तक लगायें गये आपातकाल के दौरान लोकतंत्र व संविधान की आत्मा पर कुठाराघात किया था। कांग्रेस ने अपने दम्भ और अहंकार में क्रूरता और दमन की पराकाष्ठा पार की थी।उन्होंने कहा आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का संविधान मजबूत हो रहा है और देश आगे बढ़ रहा है।आज पूरी दुनिया में भारत के लोकतंत्र व संविधान की जय जयकार हो रही है।प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया प्रमुख विजय रघुवंशी,राहुल भान मिश्रा मौजूद रहे।

जालसाजों ने रेलवे कर्मचारी के खाते से निकाल लिए 15 लाख रुपये

करवा ली कर्मचारी की जमीन की वसीयत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। एक पीड़ित गरीब विधवा महिला अपने ससुर की तलाश में दर दर ठोकरे खाने को मजबूर है किंतु सरकारी तंत्र इस विधवा महिला की पीड़ा को अनसुना करता ही जा रहा हैं, महिला ने अपनी आप बीती थानाध्यक्ष, पुलिस अधीक्षक, साइवर थाना, प्रदेश की राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव प्रमुख सचिव आईजी डीजीपी आदि को जरिए प्रार्थना पत्र सुना चुकी है लेकिन इस विधवा महिला की व्यथा को सरकारी तंत्र सुनते हुए भी अनसुना कर दिया है।

मामला जनपद के थाना हलियापुर के ग्राम डेहरियांवा का है गांव की निवासिनी सुशीला देवी पत्नी स्व? प्रदीप कुमार ने शासनिक व प्रशासनिक तंत्र को जरिए प्रार्थना आरोप लगाया है कि उसके ससुर सुखदेव प्रसाद बड़ोदरा गुजरात में रेलवे कर्मचारी थे गांव के ही हरिश्चंद्र उसके ससुर के पास बड़ोदरा आते जाते थे यह भी आरोप है कि हरिश्चंद्र उसके ससुर को अपने बस में करते हुए उसके खाते से लगभग 15 लाख रुपए चेक के जरिए तथा बैंक के जरिए निकाल लिया है। उसके बाद जब यह रेलवे कर्मचारी अपने गांव वापस आया तो हरिश्चंद्र ने बैंक ऑफ़ बड़ौदा शाखा इसौली से भी शेष बची रकम को निकलवा लिया। इस जालसाज युवक

ने सुखदेव की कस्बा माफियात और भवानी शिवपुर की पांच बीघा जमीन भी अपने नाम वसीयत करवा ली। जालसाज युवक की सलाह पर गांव की पैतृक जमीन भी विधवा महिला सुशीला देवी के देवर व उसके लड़के ने अपने नाम वसीयत करवा लिया और हरिश्चंद्र की सलाह पर सुशीला देवी के देवर ने मृतक पति प्रदीप कुमार के नाम का ट्रैक्टर ट्रॉली थ्रेसर को भी बेंच डाला। फिलहाल इन सब प्रकरण को लेकर विधवा महिला सुशीला देवी अंजान थी जालसाजो की पोल तो तब खुली जब उसका देवर व उसका पुत्र तथा हरिश्चंद्र ये तीनो सुखदेव को बड़ोदरा जाने के लिए अयोध्या रेलवे स्टेशन पर छोड़ने के लिए गए जब सुखदेव को अयोध्या छोड़कर आए विगत कई दिनों तक सुखदेव बड़ोदरा नहीं पहुंचा तो सुशीला देवी को कुछ शंका होने लगी वहां संपर्क करने पर पता लगा कि अभी तक सुखदेव बड़ोदरा नहीं पहुंचे हैं विधवा महिला सुशीला देवी ने अपने ससुर की हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए थाना हलियापुर में भी शिकायत की लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट तक नहीं दर्ज की इसके बाद मुख्यमंत्री डीजीपी प्रमुख सचिव राज्यपाल सहित कई प्रशासनिक व शासनिक उच्चाधिकारियों को प्रार्थना पत्र देते हुए न्याय की गुहार लगाई। लेकिन इस विधवा महिला को सरकारी तंत्र से कोई भी न्याय नहीं मिला आज यह महिला बिलख बिलख कर रोने को मजबूर है सरकारी तंत्र से न्याय की उम्मीद लगाए यह महिला दर-दर की ठोकरे खा रही है किंतु उसे न्याय मिल पाना मुश्किल हो गया है।

जलवायु परिवर्तन से मिट्टी भी हो रही ख़तरनाक

मिट्टी में एक बड़ा खतरा छिपा हुआ है। एक नए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन से पता चलता है कि जलवायु परिवर्तन न केवल हमारे ग्रह को गर्म कर रहा है, बल्कि यह मिट्टी के सूक्ष्मजीव समुदायों में एंटीबायोटिक रेसिस्टेंट जीन और विषाणु कारकों में ख़तरनाक बढ़ोतरी कर रहा है। ये जीन बैक्टीरिया को सामान्य उपचारों से बचने में मदद करते हैं, जिससे इन्फ़ेक्शन की आशंका बढ़ जाती है। गर्मी में बढ़ोतरी । ब्रिटेन की डरहम यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने दुनिया भर के विशेषज्ञों के साथ मिलकर यह रिसर्च की है। इसके मुताबिक गर्म परिस्थितियां न केवल प्रतिरोधी बैक्टीरिया को जीवित रहने में मदद करती हैं, बल्कि उनकी ऐसी किस्मों के विकास को भी प्रोत्साहित करती है जो मनुष्यों में अपना रास्ता खोजने से पहले प्राकृतिक वातावरण में रहती हैं। यूनिवर्सिटी के प्रो. डेविड ग्राहम ने बताया कि जलवायु में बदलाव दुनिया भर में मिट्टी में एंटीबायोटिक प्रतिरोध को बढ़ावा देने में' भी बड़ी भूमिका निभा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि मानव, पशु और पर्यावरणीय स्वास्थ्य आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। इसलिए सभी के स्वास्थ्य का ख्याल रखने के लिए 'वन हेल्थ एप्रोच' अपनानी बहुत जरूरी है। नए-नए संक्रमण । अधिकांश लोगों को इस बात का अंदाजा नहीं है कि मनुष्यों में संक्रामक रोग पैदा करने वाले अधिकांश रोगाणु वास्तव में पर्यावरण से उत्पन्न होते हैं। प्रो. ग्राहम ने कहा कि इसलिए मिट्टी में प्रतिरोध बढ़ने से निश्चित रूप से मनुष्यों और पशुओं में नए संक्रमण के स्तर में वृद्धि होगी। यही वजह है कि वन हेल्थ सॉल्यूशन महत्वपूर्ण है। विशेषज्ञों ने पाया कि ठंडे क्षेत्र, जहां बैक्टीरिया कम तापमान के कारण मर जाते थे, अब खतरनाक रोगाणुओं के लिए अधिक अनुकूल होते जा रहे हैं। जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, ये बैक्टीरिया लंबे समय तक जीवित रहते हैं, तेजी से विकसित हो सकते हैं। इससे पूरी तरह से नए रोगाणु बन सकते हैं, जिन्हें हमारे एंटीबायोटिक्स छू भी नहीं सकते। बदलते गुणसूत्र । जलवायु और एंटीबायोटिक प्रतिरोध के बीच संबंध की भविष्यवाणी 2023 की संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट में की गई थी। तापमान में मामूली वृद्धि भी बड़े बदलावों को जन्म देती है। पर्यावरण में व्यापक रूप से मौजूद ई कोलाई बैक्टीरिया पर किए अध्ययन से पता चला कि गर्म परिस्थितियों के कारण इसमें प्रमुख एंटीबायोटिक प्रतिरोधी जीन की अभिव्यक्ति में वृद्धि हुई है। अध्ययन में इस्तेमाल किए गए मशीन लर्निंग मॉडल विचलित करने वाली तस्वीर पेश करते हैं। इसमें इस सदी के अंत तक दुनिया की मिट्टी में एंटीबायोटिक प्रतिरोधी जीनों के स्तर में 23% तक की वृद्धि हो सकती है। सूक्ष्मजीव समुदायों में जलवायु संचालित परिवर्तन एंटीबायोटिक प्रतिरोध को रोकने के प्रयासों को कमजोर कर सकते हैं। रिसर्चरों ने चेतावनी दी है कि यदि मिट्टी प्रतिरोधी बैक्टीरिया को पोषित करना जारी रखती है, तो प्रतिरोधी गुणों का मानव रोगाणुओं में पहुंचना और भी आसान हो सकता है। मौन परिवर्तन । कोविड- 19 जैसी पिछली महामारियों ने दिखाया है कि. रोगाणु कितनी आसानी से पर्यावरण से इंसानों तक पहुंच सकते हैं। यही रास्ते एंटीबायोटिक प्रतिरोधी बैक्टीरिया को भी ऐसा करने में मदद कर सकते हैं, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक नया और गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। हमारी मिट्टी में हो रहा मौन परिवर्तन हमें याद दिलाता है कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव हमारी नजर से कहीं ज्यादा दूर तक फैले हुए हैं। वे आसपास की अदृश्य दुनिया को भी नया आकार दे रहे हैं, जिससे हमारे जीवन के हर हिस्से को प्रभावित कर सकते हैं।

आपातकाल: लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सबसे बड़ा हमला

आपातकाल के इस काले दौर में वामपंथियों ने इंदिरा गांधी का भरपूर समर्थन किया। इसके बदले में उन्हें प्रशासन और शिक्षा के क्षेत्र में ऊँचे पदों पर बिठाया गया। वे इतिहास, संस्कृति और पाठ्यक्रमों में अपने वैचारिक एजेंडे को लागू करने में सफल रहे। इससे देश की भावी पीढ़ी की सोच को प्रभावित करने की कोशिश की गई। इंदिरा गांधी के पुत्र संजय गांधी ने जनसंख्या नियंत्रण के नाम परजबरन नसबंदी का अभियान चलाया। लाखों गरीब पुरुषों को जबरदस्ती नसबंदी के लिए बाध्य किया गया। दिल्ली में तुर्कमान गेट जैसी घटनाओं में, जब लोगों ने इसका विरोध किया, तो गोली चलवा दी गई, जिसमें अनेक लोग मारे गए। इस दौरान हजारों झुग्गियाँ और बस्तियाँ उजाड़ दी गईं, जिससे लाखों लोग बेघर हो गए। वर्ष 1985 में लोकसभा में राजीव गांधी ने कहा– ॡआपातकाल में कुछ भी गलत नहीं था।ॣ यह बयान बताता है कि कांग्रेस के डीएनए में लोकतंत्र के लिए कोई सम्मान नहीं, केवल परिवार और सत्ता से प्रेम है। 21 महीनों तक देश को लोकतंत्र से वंचित रखकर कांग्रेस के एक परिवार की सत्ता बनाए रखने के लिए संविधान का गला घोंटा गया। कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर राष्ट्रवादी विचारधारा को कुचलने का कार्य किया। लोकतंत्र को बचाने के लिए लड़ने वालों को जेल में ठूंसा गया। लगभग 1 लाख 40 हजार लोगों को जेल में बंद किया गया और 22 कस्टोडियल डेथ हुईं। संविधान की आत्मा को कुचला गया। मीसा कानून में संशोधन कर प्राकृतिक न्याय की भावना का उल्लंघन किया गया। कांग्रेस की प्रवृत्ति लोकतंत्र विरोधी रही है—जो विरोध करे, उसे समाप्त कर दो। नेताजी सुभाषचंद्र बोस को कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया। सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे लोकप्रिय नेता को प्रधानमंत्री नहीं बनने दिया गया। बाबा साहब अंबेडकर जैसे महापुरुष का कांग्रेस द्वारा निरंतर विरोध और अपमान किया गया। कांग्रेस ने संविधान में अब तक 75 बार संशोधन किए, कई संशोधन सत्ता को मजबूत करने हेतु थे।

कांग्रेस का लोकतंत्र में विश्वास तब तक है जब तक वह सत्ता में है। जब वह सत्ता से बाहर होती दिखाई देती है, वह संविधान और लोकतंत्र की धज्जियाँ उड़ाने से नहीं चूकती। डॉ. राममनोहर लोहिया के ये शब्द 25 जून 1975 को उस समय सत्य सिद्ध हुए, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने आज से 50 वर्ष पहले, 25 जून 1975 को देश पर आपातकाल थोप दिया। यह घटना भारतीय लोकतंत्र के इतिहास की सबसे दुखद और शर्मनाक घटनाओं में से एक है। यह केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं था, बल्कि यह भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सबसे बड़ा हमला था। आपातकाल लगाने का उद्देश्य नेहरू-गांधी परिवार का सत्ता पर वर्चस्व बनाए रखने की लालसा में संविधान को रौंदने का कुत्सित प्रयास था। यह वह समय था जब संविधान को ताक पर रखकर व्यक्तिगत सत्ता की रक्षा के लिए पूरे देश को एक तानाशाही शासन के अधीन कर दिया गया था। 1970 के दशक की शुरुआत में भारत गंभीर आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक संकटों से जूझ रहा था। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और असंतोष के कारण सरकार के खिलाफ जनता में असंतोष बढ़ रहा था। इंदिरा गांधी की सत्ता को सबसे बड़ा झटका तब लगा जब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 12 जून 1975 को उनके निर्वाचन को अवैध घोषित कर दिया और उन्हें छह वर्षों के लिए चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराया। इस फैसले के बाद देश भर में इंदिरा गांधी के इस्तीफ़े की मांग तेज हो गई। जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में विपक्ष ने ''संपूर्ण क्रांति'' का नारा दिया। इन सबके बीच 25 जून 1975 की रात को राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने प्रधानमंत्री की सिफारिश पर देश में आपातकाल लागू कर दिया। इंदिरा गांधी ने कैबिनेट को विश्वास में नहीं लिया, आधी रात को राष्ट्रपति से चुपचाप आपातकाल लागू करवाया। कांग्रेस की संस्कृति रही है—परिवार पहले, संविधान बाद में। 'इंडिया इज़ इंदिरा' नारा कांग्रेस की लोकतंत्र विरोधी सोच का प्रतीक था। एक व्यक्ति, एक परिवार को देश से बड़ा समझना ही कांग्रेस की वैचारिक विकृति है। आपातकाल की घोषणा के साथ ही भारत की लोकतांत्रिक संस्थाएँ रातों रात बंधक बना दी गईं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, व्यक्तिगत स्वतंत्रता, और न्यायिक संरक्षण जैसे मौलिक अधिकार स्थगित कर दिए गए। मीडिया पर कठोर सेंसरशिप लागू कर दी गई। विरोध करने वाले हजारों नेताओं, कार्यकर्ताओं, पत्रकारों, साहित्यकारों को बिना मुकदमे के जेलों में ठूंस दिया गया। 'इंदिरा इज़ इंडिया और इंडिया इज़ इंदिरा' जैसे नारे लगाने वालों को पुरस्कृत किया गया, जबकि आलोचकों को देशद्रोही बताकर प्रताड़ित किया गया। आपातकाल के इस काले दौर में वामपंथियों ने इंदिरा गांधी का भरपूर समर्थन किया। इसके बदले में उन्हें प्रशासन और शिक्षा के क्षेत्र में ऊँचे पदों पर बिठाया गया। वे इतिहास, संस्कृति और पाठ्यक्रमों में अपने वैचारिक एजेंडे को लागू करने में सफल रहे। इससे देश की भावी पीढ़ी की सोच को प्रभावित करने की कोशिश की गई। इंदिरा गांधी के पुत्र संजय गांधी ने जनसंख्या नियंत्रण के नाम परजबरन नसबंदी का अभियान चलाया। लाखों गरीब पुरुषों को जबरदस्ती नसबंदी के लिए बाध्य किया गया। दिल्ली में तुर्कमान गेट जैसी घटनाओं में, जब लोगों ने इसका विरोध किया, तो गोली चलवा दी गई, जिसमें अनेक लोग मारे गए। इस दौरान हजारों झुग्गियाँ और बस्तियाँ उजाड़ दी गईं, जिससे लाखों लोग बेघर हो गए। वर्ष 1985 में लोकसभा में राजीव गांधी ने कहा– ॡआपातकाल में कुछ भी गलत नहीं था।ॣ यह बयान बताता है कि कांग्रेस के डीएनए में लोकतंत्र के लिए कोई सम्मान नहीं, केवल परिवार और सत्ता से प्रेम है। 21 महीनों तक देश को लोकतंत्र से वंचित रखकर कांग्रेस के एक परिवार की सत्ता बनाए रखने के लिए संविधान का गला घोंटा गया। कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर राष्ट्रवादी विचारधारा को कुचलने का कार्य किया। लोकतंत्र को बचाने के लिए लड़ने वालों को जेल में ठूंसा गया। लगभग 1 लाख 40 हजार लोगों को जेल में बंद किया गया और 22 कस्टोडियल डेथ हुईं। संविधान की आत्मा को कुचला गया। मीसा कानून में संशोधन कर प्राकृतिक न्याय की भावना का उल्लंघन किया गया। कांग्रेस की प्रवृत्ति लोकतंत्र विरोधी रही है—जो विरोध करे, उसे समाप्त कर दो। नेताजी सुभाषचंद्र बोस को कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया। सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे लोकप्रिय नेता को प्रधानमंत्री नहीं बनने दिया गया। बाबा साहब अंबेडकर जैसे महापुरुष का कांग्रेस द्वारा निरंतर विरोध और अपमान किया गया। कांग्रेस ने संविधान में अब तक 75 बार संशोधन किए, कई संशोधन सत्ता को मजबूत करने हेतु थे। अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग करते हुए 90 बार चुनी हुई राज्य सरकारों को बर्खास्त किया।1973 में वरिष्ठता की परंपरा को तोड़ते हुए जस्टिस अजीतनाथ रे को चीफ जस्टिस नियुक्त किया गया- न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर सीधा प्रहार था। मीसा कानून के ज़रिए निर्दोष लोगों को कैद किया गया- क्या यही कांग्रेस का न्याय है? शाहबानो मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटकर कांग्रेस ने करोड़ों मुस्लिम महिलाओं के अधिकार छीन लिए। राजीव गांधी ने वोट बैंक के लिए संविधान के साथ सौदा किया, यही कांग्रेस की असली सोच है। राहुल गांधी संसद में संविधान की प्रति लहराते हैं, लेकिन 2013 में उसी संसद के अध्यादेश को फाड़ कर संविधान की अवमानना करते हैं। कांग्रेस संविधान बचाने की बात करती है, लेकिन इतिहास गवाह है कि वही कांग्रेस बार-बार संविधान को बेरहमी से कुचलती रही है। कांग्रेस के लिए लोकतंत्र सिर्फ एक दिखावा है – असली सत्ता नेहरू-गांधी परिवार के इर्द-गिर्द ही घूमती है। जहां कांग्रेस ने संविधान के अनुच्छेदों का उपयोग केवल सत्ता में बने रहने के लिए किया, वहीं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रे मोदी जी की सरकार हर अनुच्छेद के महत्व को नागरिकों तक पहुंचाने की जागरूकता अभियान चला रही है। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने जो संविधान देश को दिया, उसे कांग्रेस ने अपने स्वार्थ के लिए मोड़ा, तोड़ा और बदला। मोदी सरकार उसी संविधान को आधार बनाकर हर वर्ग के कल्याण और अधिकारों की गारंटी दे रही है–यही असली सम्मान है बाबा साहेब को। न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता—ये चार स्तंभ सिर्फ किताबों में नहीं, आज मोदी सरकार में नीति और शासन का आधार बन चुके हैं। कांग्रेस ने इन सिद्धांतों को दिखावे की बातें बनाकर रखा, जबकि मोदी सरकार इन्हें नीति, योजना और क्रियान्वयन के स्तर पर सशक्त कर रही है। लोकतंत्र सेनानियों का ही संघर्ष है जिसके परिणाम स्वरुप भारत में लोकतंत्र पुर्नस्थापित हुआ। आज देश की प्रगति के पीछे लोकतंत्र सेनानियों का बलिदान आधार का पत्थर है। जिसके कारण लोकतंत्र पुर्नस्थापित हुआ और 2014 में भाजपा के श्री नरेंद्र मोदी जैसे व्यक्तित्व के रूप में भारत को महान नायक मिला जिनके नेतृत्व में लोकतंत्र की जड़ें बहुत मजबूत व गहरी हुईं, तुष्टीकरण संतुष्टीकरण में बदला, पूरा भारत एक हुआ, आतंकवाद की कमर टूटी, 11 वीं अर्थव्यवस्था से देश विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बना, सीमाएं सुरक्षित हुईं, माताओं बहनों के सम्मान की रक्षा हुई, भ्रष्टाचार, घपले, घोटालों का अंत हुआ, भारत ने आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लिया, विकसित भारत-2047 के संकल्प की सिद्धि के लिए रात दिन एक करके सघन प्रयास प्रारंभ कर दिया। आज जब हम अमृतकाल की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं, हमें यह संकल्प लेना होगा कि ऐसे काले दिन फिर कभी न लौटें। हमें अपनी संवैधानिक संस्थाओं को और सशक्त बनाना है, नागरिक अधिकारों की रक्षा करनी है और लोकतंत्र की नींव को और गहरा करना है। जो काम कांग्रेस ने दशकों तक नहीं किया, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व की सरकार ने उसे धरातल पर उतार कर संविधान की आत्मा को सम्मान दिया। आपातकाल के विरुद्ध लोकतंत्र सेनानियों का संघर्ष, बलिदान रंग लाया और भारत माता के सम्मान की रक्षा करने में सफल रहा। **–विष्णुदत्त शर्मा**

ज्ञान का प्रकाश और सफलता के सोपान

संजीव ठाकुर

यह सर्वविदित है कि इतिहास का पन्ना पलटें तो हर सभ्यता ने अपने कई कई रूप बदले हैं। संस्कृति ने नए नए नए आयाम का सृजन किया है। वैसे भी जीवन परिवर्तन का पर्याय है एवं विकास का स्वरूप है। यह सर्वकालीन सत्य है कि शिक्षा एवं ज्ञान का महत्व हर संस्कृति, सभ्यता और मानवीय समुदाय के जीवन में एक प्रकाश पुंज की तरह उन्हें विकास की दिशा दिखाते हुए आया है। जिस देश की भाषा जितनी समृद्ध होगी उस देश की सभ्यता संस्कृति और ज्ञान उत्तम शिखर पर होगा और विकास की नई नई धाराएं बहेगी। मानवीय विकास के साथ मनुष्य को अधिक परिपक्व को समझदार तथा समृद्ध बनाने में शिक्षा,भाषा, ज्ञान और साहित्य का सर्वाधिक महत्व रहा है। शिक्षा चाहे आपके परिवार से प्राप्त हुई हो, स्कूल कॉलेज अथवा किसी शिक्षण संस्थान से प्राप्त हुई हो या भारतीय संस्कृति के वैदिक शास्त्रों से प्राप्त हुई हो, शिक्षा का मनुष्य के व्यक्तित्व के निर्माण में बड़ी अहम भूमिका होती है। शिक्षा भी समाज संस्कृति एवं सभ्यताओं के साथ परिवर्तनशील तथा प्रगतिशील है। शिक्षा, ज्ञान तथा संस्कृति और कला साहित्य को देश और विदेश की सीमाओं में बांधा नहीं जा सकता है। यह असीमित भंडार है एवं इसमें आकाशीय ऊंचाइयां भी शामिल रहती हैं। शिक्षा और ज्ञान न तो गहराइयां न ही नापी नजा सकती है, और ना ही इसकी ऊंचाई को देखा जा सकता है। पूर्वी सभ्यता जहां अध्यात्म, वेद ,पुराणों पर अवलंबित है, वहीं पश्चिमी सभ्यता ज्ञान विज्ञान नए नए अविष्कार और आकाश की अनछुई कई बातों को उजागर करने वाली है। ऐसी शिक्षा तथा ज्ञान के कारण मानव चंद्रमा पर पहुंच कर एक नई गाथा लिख पाया है। वस्तुतः पूर्व तथा पश्चिम ज्ञान विज्ञान तथा शिक्षा के मामले में एकाकार हो चुका है कोई भी भेदभाव या विभाजन रेखा नहीं खींची जा सकती है। पूरी सभ्यता ने जहां पाश्चात्य दर्शन से नए नए अविष्कारों हवाई जहाज, इंजन, ग्रामोफोन, रेडियो एवं नई नई टेक्नोलॉजी को अपनाया है वहीं पश्चिमी दर्शन ने भारती ज्ञान विज्ञान संस्कार आयुर्वेद योग धर्म दर्शन को अपना कर अपनी जीवनशैली में शांति तथा सौभाग्य स्थापित किया है। यह सब शिक्षा भाषा एवं ज्ञान के बदौलत पूर्व और पश्चिम का मेल संभव हो पाया है। शिक्षा और भाषा सदैव ही अज्ञानता के तमस में एक प्रकाश पुंज की तरह देदीप्यमान होता रहा है, नवजीवन की विकास धारा में सदैव महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आया है। हमारे कई धर्मों में जिनमें जैन ,बौद्ध दर्शन, नव्य वेदांत तथा भारतीय संस्कृति के नवीन चिंतन के सामने आने से नवयुग की कल्पना को साकार किया है। पश्चिम के कई विद्वान और चिंतक जिनमें प्लूटो, अरस्तु, सुकरात, कार्ल मार्क्स, लेनिन ने अनेक विकास के सिद्धांतों को प्रतिपादित किया है। जिसका पूरे विश्व ने खुले दिल से स्वागत किया एवं विकास की नई नई की इबारत लिखी है। दूसरी ओर भारत की संस्कृति, सभ्यता और समाज में सदैव आवश्यक सुधार तथा नई नई बुद्धिमता पूर्ण युक्तियों को अपने में आत्मसात करने की एक अलग क्षमता रही है, और विकास का मूल मंत्र भी परिवर्तनशील जीवनशैली ही है । राजनीति तो सदैव परिवर्तन पर अवलंबित रहती है। स्वतंत्रता के पहले तथा बाद में राजनीतिक घटनाक्रम जिस नव परिवर्तन युग की तरफ अग्रसर हुए हैं वह अत्यंत उल्लेखनीय है। भारतीय सभ्यता समाज और संस्कृति जितनी जटिल तथा गूढ है उसको जितना समझा जाए, उसका जितना अध्ययन किया जाए तो उससे नवीन बातें समझ में आती है, और उसके नए नए अर्थ हमारे सामने आते हैं, जिसका बहु आयामी उपयोग हम अपनी जीवनशैली में परिवर्तन करने के लिए सदैव कर सकते हैं। स्वतंत्रता के बाद तो भारत देश ने ज्ञान भाषा तथा संस्कृति में अनेक परिवर्तन किए गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, बाल गंगाधर तिलक, सुभाष चंद्र बोस आदि ने अपनी किताबों में नव परिवर्तन के नए-नए आयामों तथा जीवन शैली के सत्य के साथ प्रयोग को एक नया आयाम दिया है और भारत देश को नए स्वरूप में विश्व में पहचान दिलाई है। पाश्चात्य ज्ञान से हमें अपने आडंबर एवं अंधविश्वास तथा शिक्षा पर विजय प्राप्त करने में काफी मदद प्राप्त हुई है। भारतीय संस्कृति की कई भ्रांतियों को भी हमने ज्ञान तथा भाषा के नवीन प्रयोगो से समाज से दूर किया है। दिन प्रतिदिन जीवन की कार्यशैली में हम यह महसूस करते हैं कि शिक्षा भाषा तथा ज्ञान हमें यह महसूस कर आते हैं कि हम अभी तक कितने पीछे हैं एवं हमें कितने ज्ञान की और आवश्यकता है। हालांकि ज्ञान का कोई और झोर नहीं होता, ज्ञान तथा भाषा एक समृद्ध भंडार है, उसमें आप जितना सीख सकते हैं ज्ञान ले सकते हैं वह अत्यंत लघु होता है। तो हमेशा हमें यह प्रयास करना चाहिए कि हम पल प्रतिपल कुछ ना कुछ हर व्यक्ति, हर समाज, हर सभ्यता से सीखने का प्रयास करें ,क्योंकि ज्ञान भाषा एवं संस्कृति हमें सदैव समृद्ध विकासशील एवं परिवर्तनशील बनाती है और परिवर्तनशील जीवन ही एक नई ऊर्जा, आशा और विकास को जन्म देती है।

सेहत मंत्र

सिर्फ बादाम ही नहीं भीगी मूंगफली खाने के भी है ढेरों स्वास्थ्य लाभ

अक्सर आपने बादाम भिगोकर खाने के फायदों के बारे में सुना होगा और बच्चों का दिमाग तेज करने के लिए भी सुबह उन्हे भीगे बादाम खाने की सलाह दी जाती है, जो बिल्कुल सही है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि मूंगफली को भिगोकर खाने से भी आप कई तरह की बीमारियों से बच सकते हैं। जी हां, यदि आप नियमित रूप से भिगोई हुई मूंगफली खाते हैं तो ब्लड शुगर लेवल नियंत्रित रहता है और पेट की समस्याओं से भी निजात मिलती है। यदि आपको गैस और एसिडिटी की परेशानी है तो नियमित रूप से भिगोई हुई मूंगफली के सेवन से आपको आराम मिलेगा। मूंगफली में पोटेशियम, मैग्नीज, कॉपर, कैल्शियम, आयरन और सेलेनियम जैसे पोषक तत्व होते हैं। सुबह खाली पेट भीगी हुई मूंगफली खाने से गैस और एसिडिटी की समस्या से राहत मिलती है। जिन लोगों को जॉइंट पेन और कमर दर्द की शिकायत है उनके लिए भी यह फायदेमंद है। दरअसल, मूंगफली शरीर में कैल्शियम की कमी को भी दूर करती है। रोजाना मूंगफली के करीब 20 दानों को भिगोकर खाने से महिलाओं में कैंसर का खतरा कम होता है। मूंगफली में एंटीऑक्सीडेंट, आयरन, नियासिन, फोलेट, कैल्शियम और जिंक होता है जो शरीर को कैंसर से लड़ने में मदद करते हैं। मूंगफली में मौजूद कुछ तत्व खांसी और भूख न लगने की समस्या को भी दूर करने में मददगार होते हैं। बादाम तो रोज खाइए ही साथ में रोजाना थोड़ी सी मूंगफली भिगोकर भी खाइए इससे आप डायबिटीज से बच सकते हैं। क्योंकि मूंगफली खाने से शरीर का ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है। जिन्हें डायबिटीज है उन लोगों को 50 ग्राम मूंगफली को रातभर पानी में भिगोकर सुबह उसका सेवन करना चाहिए। इसमें फाइबर की भी भरपूर मात्रा होती है जिससे डाइजेशन सिस्टम ठीक रहता है। बच्चों को सुबह बादाम के साथ ही कुछ दाने भीगी मूंगफली के भी खिलाएं, क्योंकि मूंगफली में मौजूद विटामिन आंखों की रोशनी के साथ ही याददाशत बढ़ाने में भी मदद करते हैं।

धर्म मंत्र

धार्मिक स्थलों की यात्रा करना पसंद है तो ओडिशा आना बिलकुल न भूलें

ओडिशा में आये फोनी तूफान ने ओडिशा के कई तटीय जिलों को तबाह कर दिया, इस तूफान में ज्यादा जान-माल की हानि नहीं हुई क्योंकि मौसम विभाग की सर्तकता से एनडीआरएफ और आर्मी ने पहले ही ये जगह खाली करवा दी थी। इतने बड़े तूफान से ओडिशा अपने दम पर निपटा, क्योंकि आप ये भी कह सकते हैं कि ओडिशा के सिर पर जगन्नाथ (श्रीकृष्ण) का हाथ है। इसीलिए हर कठिनाई से ओडिशा खुद लड़कर बाहर आ जाता हैं। जगन्नाथ पुरी के अलावा भी ओडिशा में अन्य देवी- देवताओं का वास हैं। ओडिशा को धार्मिक पुरी भी कह सकते हैं क्योंकि यहां बसता है भारत का धार्मिक इतिहास। अगर आप ओडिशा घूमने के लिए जाते हैं तो समुद्र के अलावा आप इन प्राचीन मंदिरों के दर्शन कर सकते हैं। लिंगराज मंदिर भगवान हरिहर को समर्पित एक हिन्दू मंदिर है। जो भगवान शिव और विष्णु का ही एक रूप हैं। यह मंदिर पूर्वी भारतीय राज्य ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में स्थित है यह सबसे बड़ा मंदिर हैं और साथ ही भारत के सबसे प्राचीनतम मंदिरों में से एक है। भुवनेश्वर शहर की यह सबसे मुख्य और आकर्षक जगह है और साथ ही ओडिशा राज्य घुमने आए लोगो के आकर्षण का यह मुख्य केंद्र है। विश्व प्रसिद्ध कोणार्क में स्थित सूर्य मंदिर भारतीय राज्य ओडिशा के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। यहां की लोगों की मान्यता के अनुसार कोणार्क में स्थित है यह मंदिर ॡपर्यटन के सुनहरे त्रिभुजॣ के तीन बिंदुओं में से एक है। इस त्रिभुज के दो अन्य बिंदु हैं- मंदिरों का शहर भुवनेश्वर और पुरी का भगवान जगन्नाथ मंदिर।

पर्यटन

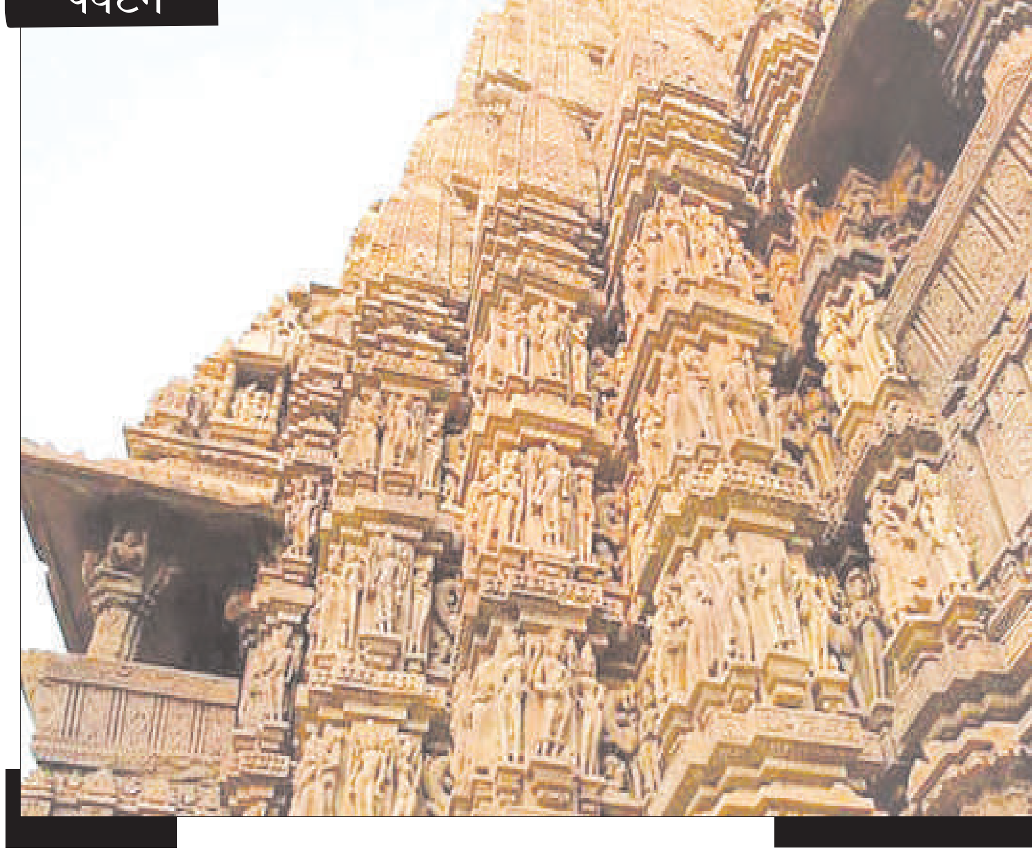

खजुराहो के मंदिरों के दर्शन के बिना अधूरा है भारत भ्रमण

वह दिन आज भी मेरे स्मृति पटल पर तैर जाता है जब अपने मित्रों के साथ झांसी से प्रातः बस से रवाना होकर करीब चार घंटे का सफर तय कर विश्व में बेमिसाल कला के प्रतिमान मंदिरों की धरती खजुराहो पर कदम रखा था। मंदिरों के आसपास ही ठहरने के लिए दो कमरे लिए और अल्पाहार कर हम चल पड़े खजुराहो के मंदिरों के दर्शन करने के लिये। सबसे पहले हमारे सामने थे पश्चिम मंदिर समूह परिसर के एक विशाल उद्यान में ऊंचे शिखर वाले अनेक मंदिर जो ऊँचे चबूतरों पर बने हैं। हमारी मंदिर यात्रा का पहला मंदिर था मंतगेश्वर जो सबसे प्राचीन मंदिर है। पिरामिड शैली में बने मंदिर के गर्भगृह में करीब एक मीटर व्यास का ढाई मीटर ऊंचा शिवलिंग देखते ही बनता है। इसे 920 ई. में राजा हर्षवर्मन ने बनवाया था। इसके समीप ही स्थित विशाल लक्ष्मण मंदिर पंचायतन शैली में बना है जिसके चारो कोनों पर एक-एक उप मंदिर बने हैं। मंदिर के मुख्य द्वार पर रथ पर सवार सूर्यदेव नज़र आते हैं। मंदिर की बाह्य दीवारों पर असंख्य मूर्तियां उत्कीर्ण हैं। मूर्तियों की भाव-भंगिमाएं, सुंदरता देखते ही बनती है। तीन कतारों में प्रमुख मूर्तियों की श्रृंखला है। कुछ कतारें छोटी मूर्तियों की हैं। मध्य ताखों में देव प्रतिमाएं हैं। नृत्य, संगीत, युद्ध, शिकार आदि प्रतिमाओं में तत्कालीन जीवन के दर्शन होते हैं। अन्य मूर्तियों में विष्णु, शिव, अग्निदेव, गंधर्व, सुर-सुंदरी, देवदासी, तांत्रिक, पुरोहित, और काम कला की प्रतिमायें हैं। एक मूर्ति में नायक-नायिका द्वारा एक-दूसरे को उत्तेजित करने के लिये नख-दंत का प्रयोग कर रहे हैं। मंदिर के गर्भगृह में भगवान विष्णु की त्रिमूर्ति प्रतिमा विराजित है। अंदर की दीवारों पर भी मूर्तियों का खजाना है। मंदिर के चबूतरे पर भी विविध विषयों के साथ सामूहिक मैथुन की मूर्तियां अद्भुत शिल्प लिये हैं। मंदिर के सामने लक्ष्मी मंदिर एवं वराह मंदिर बने हैं। पास में ही कंदारिया महादेव का मंदिर सभी मंदिरों से अलग है जो काम शिक्षा के लिए मशहूर है। मंदिर की बनावट और अलंकरण भी अत्यंत वैभवशाली है और मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। मंदिर का प्रवेश द्वार 9 शाखाओं से युक्त है, जिन पर कमल पुष्प, नृत्यमग्न अप्सराएं तथा व्याल आदि बने हैं। सरदल पर शिव की चारमुखी प्रतिमा बनी है। इसके पास ही ब्रह्मा एवं विष्णु भी विराजमान हैं।

शिक्षा संस्थान को बदनाम करने की नापाक कोशिश

शिकायत झूठी, मंशा दूषित

विकास तिवारी

बाराबंकी। रामनगर स्नातकोत्तर महाविद्यालय में तृतीय श्रेणी कर्मचारियों की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर की गई भ्रष्टाचार की शिकायत को प्राचार्य प्रो. कौशलेंद्र विक्रम मिश्र ने न केवल खारिज किया, बल्कि उसे सिरे से भ्रामक, तथ्यहीन और दुर्भावनापूर्ण करार दिया है।

प्रो. मिश्र ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अभी तक महाविद्यालय में कोई नियुक्ति नहीं हुई है। चयन प्रक्रिया पूरी तरह से उच्च न्यायालय एवं निदेशक, उच्च शिक्षा की अनुमति के अनुरूप प्रारंभ की गई थी, किंतु परिस्थितिवश उसे स्थगित कर दिया गया।

उन्होंने बताया कि जिस फर्जी शिकायत के आधार पर भ्रष्टाचार का शोर मचाया गया, उसकी गहराई से जांच कर अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग ने उसे पूरी तरह निराधार एवं अस्वीकार्य मानते हुए खारिज कर दिया है। आयोग की यह कार्रवाई स्वतः

रामनगर पीजी कॉलेज पर साजिशन हमला आयोग ने कहाः शिकायत आधारहीन

इस बात का प्रमाण है कि उक्त शिकायत की नीयत संदेहास्पद और मकसद दूषित था। प्राचार्य ने कहा कि इस तरह की झूठी शिकायतें न केवल संस्थान की गरिमा को ठेस पहुंचाती हैं, बल्कि सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता के साथ कार्य कर रहे प्रशासनिक अधिकारियों की साख को भी आघात पहुंचाने का कार्य करती हैं। यह सोची-समझी साजिश प्रतीत होती है, जिसका उद्देश्य महाविद्यालय की प्रतिष्ठा एवं ईमानदार अपर जिलाधिकारी की छवि को नुकसान पहुंचाना था।

स्थानीय जनमानस भी इस फर्जी शिकायतकर्ता की नीयत और मंशा पर गंभीर सवाल उठा रहा है। लोगों का मानना है कि ऐसे तत्व शिक्षा संस्थानों को विवादों में घसीटकर निजी स्वार्थों की पूर्ति करना चाहते हैं। समाज के जागरूक नागरिकों द्वारा भी इस कृत्य की कड़ी आलोचना की जा रही है। महाविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जब भी चयन प्रक्रिया को दोबारा प्रारंभ किया जाएगा, वह पूर्ण पारदर्शिता, नियमों की शुचिता और नियामकीय आदेशों के अनुरूप ही संचालित की जाएगी।

यह स्पष्ट है कि भ्रष्टाचार के नाम पर की गई यह शिकायत एक असफल प्रयास था ऽ नकारात्मक मानसिकता, झूठे आरोप और दुर्भावना की राजनीति का जीता-जागता उदाहरण। समाज को ऐसे असत्य और साजिशपूर्ण प्रयासों से सावधान रहने की आवश्यकता है।

विलय के विरोध में शिक्षकों का प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी । कम छात्र संख्या वाले परिषदीय विद्यालयों के विलय के विरोध में शिक्षकों ने कलेक्ट्रेट स्थित गन्ना संस्थान परिसर में प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अभिषेक सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट पवन कुमार को सौंपा।जिला अध्यक्ष अभिषेक सिंह ने कहा कि विद्यालयों का समायोजन शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 का उल्लंघन है। उन्होंने बताया कि शिक्षा को मौलिक अधिकार मानते हुए हर ग्राम पंचायत में परिषदीय विद्यालय स्थापित किए गए थे।जिला महामंत्री नीरज कुमार वर्मा ने चेतावनी दी कि ग्रामीण क्षेत्रों में हजारों विद्यालयों के विलय से कई छात्र-छात्राएं शिक्षा से वंचित हो सकते हैं। उन्होंने सभी शिक्षकों से एकजुट होकर इस आदेश का विरोध करने का आह्वान किया।कार्यक्रम में जूनियर

शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अशोक सिंह, कोषाध्यक्ष अफजाल अहमद, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मान सिंह समेत कई शिक्षक पदाधिकारी मौजूद रहे। शिक्षकों ने ज्ञापन में विद्यालयों के विलय की प्रक्रिया को स्थगित करने की मांग की है।ज्ञापन कार्यक्रम में जूनियर शिक्षक संघ जिला अध्यक्ष अशोक सिंह, प्राथमिक शिक्षक संघ कोषाध्यक्ष अफजाल अहमद, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मान सिंह, जिला उपाध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार, जितेंद्र यादव, विकास जायसवाल, कुसुमलता, निधि राज, रुचि कुमारी, सारिका कन्नौजिया, रवि वर्मा, लोकेश शुक्ला, महेंद्र प्रताप सिंह, शिवा जी मिश्र, चंद्र शेखर सिंह, सौरभ पांडेय, विनीत सिंह, अभय प्रताप, मो0इरफान, सोने लाल , धर्म राज, संतोष कुमार, जिला मीडिया प्रभारी सौरभ वर्मा, सचिन वर्मा, आलोक वर्मा, पवन मिश्र सहित अनेक शिक्षक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संचारी रोगों की रोकथाम को लेकर हुई महत्वपूर्ण बैठक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सिद्धौर बाराबंकी। विकासखंड सिद्धौर स्थित ब्लॉक सभागार में बुधवार को संचारी रोगों की रोकथाम हेतु एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिद्धौर के प्रभारी डॉ. संजय पांडे ने की। बैठक में ग्राम प्रधानों, पंचायत सचिवों, पंचायत सहायकों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर डॉ. पांडे ने डेंगू, मलेरिया, जापानी इंसेफ़ेलाइटिस एवं चिकनगुनिया जैसी मौसमी बीमारियों की रोकथाम संबंधी विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि वर्षा ऋतु में गंदगी एवं जलभराव के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है, जो इन बीमारियों का मुख्य कारण बनता है। डॉ. पांडे ने निर्देशित किया कि सभी ग्राम पंचायतों में नियमित रूप से साफ-सफाई कराई जाए, जलभराव की स्थिति न बनने दी जाए तथा प्रत्येक नागरिक को अपने घर व आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने लोगों से अपील की कि मच्छरदानी का नियमित उपयोग करें और बुखार की स्थिति में तत्काल चिकित्सकीय परामर्श लें।इस अवसर पर सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) उमेश पटेल ने कहा कि संचारी रोगों की रोकथाम केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि यह सामूहिक उत्तरदायित्व है। गांव-गांव में जनजागरूकता अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छता और बचाव के उपायों के प्रति सजग किया जाना चाहिए।बैठक में ग्राम पंचायत सहायकों के साथ-साथ अन्य विभागीय कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। सभी को उनके दायित्वों के प्रति सजग रहने व समुदाय स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया।

डंफर की चपेट में बाइक सवार की मौत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। रामनगर थाना अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग 927 स्थित बुढ़वल चौराहे पर बुधवार दोपहर करीब दो बजे एक तेज रफ्तार डंफर यूपी 32एक्स एन 0379 ने मोटरसाइकिल सवार दो लोगों कुचल दिया।इस घटना में ग्राम नचना निवासी गयाप्रसाद 40 वर्ष पुत्र पुत्तीलाल की मौके पर ही मौत हुई जबकि दूसरा युवक रिंकू यादव 34 वर्ष पुत्र बुधई गंभीर रूप से घायल हो गया।पुलिस टीम ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया जिसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल भेजा गया।थाना प्रभारी अनिल कुमार पांडे ने बताया कि शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा डंफर को कब्जे में लेकर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। डंफर चालक की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास तेज़ कर दिए गए हैं।हादसे की सूचना पर नायब तहसीलदार विजय प्रकाश तिवारी भी मौके पर पहुंचे और घायल के परिजनों से मिलकर हालचाल जाना।उन्होंने आश्वासन

दिया कि यदि मृतक के नाम कृषि भूमि दर्ज है तो सरकारी नियमों के तहत आर्थिक सहायता दिलाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।यह हादसा एक बार फिर राष्ट्रीय राजमार्ग 927 की खतरनाक स्थिति को उजागर करता है जहां अक्सर बेतरतीब गति से दौड़ते भारी वाहन मोटरसाइकिल सवारों और छोटे वाहन चालकों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं।स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मार्ग पर भारी वाहनों की गति नियंत्रित करने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं जिससे आए दिन हो रही ऐसी दुखद घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

तेज रफ्तार ट्रक ने मारी टक्कर, एक ही परिवार के चार लोग घायल

तीन की हालत गंभीर, जिला अस्पताल रेफर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

दरियाबाद बाराबंकी। कोतवाली टिकैतनगर क्षेत्र के अगानपुर के निकट मंगलवार रात करीब 8:30 बजे एक तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में मोटरसाइकिल पर सवार एक ही परिवार के चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हड़ाहा भवानीगंज निवासी राजेंद्र (35 वर्ष) अपनी पत्नी आशा (30 वर्ष), पुत्र अमन (5 वर्ष) और रिश्तेदार सीमा (निवासी नसीमापुर) के साथ मोटरसाइकिल से कहीं जा रहे थे। अगानपुर के पास पहुंचे ही थे

कि अचानक पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि चारों लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, टिकैतनगर पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद राजेंद्र, अमन और सीमा की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया।हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन को बदोसराय की दिशा में लेकर फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार ट्रक की तलाश जारी है।

आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ, लोकतंत्र सेनानी सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। आज का दिन जनपदवासियों के लिए भावनाओं से भरा और लोकतंत्र के प्रति गहरे समर्पण का प्रतीक बन गया। प्रदेश सरकार के निर्देश पर आज जिले में आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ को आपातकाल दिवस के रूप में मनाया गया। शुरुआत कलेक्ट्रेट स्थित डीआरडीए सभागार में जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमती राजरानी रावत और जिलाध्यक्ष अरविंद मौर्या, जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी एवं मुख्य विकास अधिकारी अन्सूना दन द्वारा हस्ताक्षर अभियान से की गई। सभागार में लगाए गए कैनवास पर उपस्थित नागरिकों, अधिकारियों और लोकतंत्र सेनानियों ने लोकतंत्र की रक्षा के संकल्प के साथ अपने हस्ताक्षर किए। यह दृश्य भावुक कर देने वाला था, जब उम्रदराज लोकतंत्र सेनानियों ने हाथों से हस्ताक्षर कर जनतंत्र की अहमियत को फिर से जीवंत कर दिया।

सभागार में सजी लोकतंत्र की गवाही सभा कक्ष में एक विशेष चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें आपातकाल के दौर की घटनाओं, संघर्षों और विरोध के प्रतीकों को दर्शाया गया। स्क्रीन पर चलते चित्रों ने उपस्थितजनों को उस काल की भयावहता और जनआंदोलन की ताकत का अहसास कराया।

लोकतंत्र सेनानियों को किया गया सम्मानित : कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण तब आया, जब लोकतंत्र सेनानी राम मिलन मिश्र, अजय सिंह गुरुजी, अधिवक्ता सुशील कुमार वर्मा एवं लल्लू प्रसाद वर्मा को जिला पंचायत अध्यक्षा मा0 श्रीमती राजरानी रावत, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री अरविंद मौर्य, डीएम श्री शशांक त्रिपाठी और सीडीओ अन्ना सुदन द्वारा अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करते समय कुछ सेनानियों की आंखें नम थीं – ये आंसू संघर्ष की स्मृति के भी थे और सम्मान की गरिमा के भी।

वर्षभर चलेगा लोकतंत्र का पर्व : यह स्मरणोत्सव अब एक दिन का नहीं रहेगा। 25 जून 2025 से 25 जून 2026 तक पूरे वर्ष प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोकतंत्र, संविधान और नागरिक अधिकारों के प्रति जनजागरण अभियान चलाया जाएगा।आज का दिन बाराबंकी में लोकतंत्र के प्रति एक नई चेतना, नई ऊर्जा और नई आस्था का संदेश देकर गया। संघर्षों की उस काली रात को याद करते हुए जनपद ने एक स्वर में लोकतंत्र के उजाले को सलाम किया। यहां बात करने पर आपातकाल सेनानी अजय सिंह गुरु जी ने बताया कि हमने अंधेरे के उस दौर को देखा है, अब इस उजाले की हिफाजत जिम्मेदारी आप पर है। जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमती राजरानी रावत और जिलाध्यक्ष श्री मौर्य सहित जिलाधिकारी ने भी कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर सम्बन्धित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

लोहे के तार में दौड़ती मौत ने निगल लिए दो जीवन, मां-बेटी की दर्दनाक मौत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामसनेहीघाट बाराबंकी। बुधवार का दिन असंद्रा गांव के लिए कभी न भूल पाने वाला बन गया, जब एक दिल दहला देने वाली घटना में मां और बेटी की एक साथ दर्दनाक मौत हो गई। करंट की चपेट में आकर पहले बेटी तड़पती रही और फिर उसे बचाने दौड़ी मां भी मौत के मुंह में समा गई। घटना ने पूरे गांव को झकझोर दिया है, हर चेहरा ग़मगीन है, और हर आंख नम। गांव निवासी अली हैदर की पत्नी कनीज फातिमा (45) अपनी पुत्री चमन जहरा (22) के साथ घर के आंगन में रोज़मर्रा के काम में व्यस्त थीं। दोनों मिलकर कपड़े धो रही थीं। चमन जैसे ही धुले हुए कपड़े लोहे के तार से बनी अलगनी पर सुखाने लगी, अचानक

असंद्रा गांव का मामला, पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा, गांव में पसरा मातम, हर आंख नम

वह करंट की चपेट में आ गई। बेटी को तड़पता देख मां कनीज बेतहाशा दौड़ पड़ी – परंतु किसे पता था कि यह दौड़ ज़िंदगी की नहीं, मौत की ओर होगी। जैसे ही कनीज ने चमन को छुआ, वह भी उसी तार के संपर्क में आ गई और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। गांव में इस हादसे के बाद शोक की लहर दौड़ गई है। पूरे गांव में सन्नाटा पसरा है, पड़ोसी स्तब्ध हैं और हर कोई इस हृदयविदारक दृश्य को भूल नहीं पा रहा।

बेटी की शादी की थीं तैयारियां, हो गया मातम

गांव वालों के अनुसार, चमन की शादी की बातचीत चल रही थी और घर में धीरे-धीरे खुशियों की तैयारियां भी शुरू हो रही थीं। लेकिन नियति को शायद कुछ और ही मंज़ूर था। एक झटके में पूरे परिवार की खुशियां मातम में बदल गईं। यह हादसा न केवल एक परिवार की असामयिक पीड़ा है, बल्कि पूरे समाज के लिए एक चेतावनी भी है – बिजली से जुड़ी छोटी सी लापरवाही भी जीवन भर के आंसू दे सकती है।

पशु तस्कर गिरफतार

मसौली बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। डीसीएम में बाराबंकी की और ले जा रहे है पुलिस ने भयारा मोड पर घेराबंदी कर जब डीसीएम मे जमातलासी ली तो देखा डीसीएम 23 मादा भैंस ठूस ठूस कर भरी हुई है जिनके मुह व पैर बंधे हुए थे। पुलिस ने डीसीएम चालक राम स्वरूप पुत्र धनीराम निवासी झुकिया कोतवाली देहात जनपद बहराइच सहित डीसीएम मे सवार ध्यानचंद पुत्र मोतीलाल कश्यप निवासी ग्राम गोडियन पुरवा कोतवाली नानपारा, सलमान पुत्र तासली निवासी ग्राम नरायणपुर थाना इन्होना जनपद श्रावस्ती को हिरासत मे लेते पशु कुर्रता अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है ।

शांति कमेटी की बैठक में ताजिया दारों को दिशा निर्देश

बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। महादेवा पुलिस चौकी में बुधवार को मुहर्रम त्योहार की तैयारियों को लेकर पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई।बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी अनिल कुमार पांडेय ने की।बैठक में ताजियादारों से जुलूस के लिए पांच-पांच वॉलिंटियर्स नामित करने को कहा गया।जुलूस सिर्फ पारंपरिक मार्गों से ही निकलेंगे डीजे के लिए अनुमति अनिवार्य होगी और आपत्तिजनक गीतों पर प्रतिबंध रहेगा।ताजिया की ऊंचाई अधिकतम 10 फीट निर्धारित की गई है और अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।बैठक में ग्राम प्रधान ताजियादार व पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

इमरजेंसी की मानसिकता के साथ काम करती है कांग्रेसः मौर्य

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को कहा कि 50 साल पहले कांग्रेस सरकार ने आपातकाल के दौरान लोकतंत्र के तीन स्तंभों को बंधक बना लिया था और आज भी कांग्रेस उसी मानसिकता के साथ काम कर रही है। श्री मौर्य ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी ने आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर भारत पर आपातकाल थोप दिया था। विरोध करने वाले विपक्षी दलों को जेल में बंद कर दिया गया उन्हें जेल में शारीरिक और मानसिक यातनाएं दी गई। प्रेस पर सेंसर लगाया गया और जनता पर दमन का कार्य किया गया उनका अधिकार निलंबित कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि आपात काल के दौरान लोकतंत्र के तीनों सतंभों को बंधक बनाकर सत्ता के सामने घुटने टेकने को मजबूर कर दिया गया था।

ग्राम बरावा और थाना कोठी के भानमऊ में आयोजित हुई चौपाल

चौपाल का उद्देश्य जनता से सीधा संवाद कर शिकायतों का निस्तारण कराना : समीर कुमार सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हैदरगढ़ बाराबंकी। स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम बरावा में पुलिस चौपाल का आयोजन किया गया। इस चौपाल की अध्यक्षता पुलिस उपाधीक्षक श्री समीर कुमार सिंह ने की। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को कानून के प्रति जागरूक किया गया तथा ग्राम पंचायत स्तर की पुलिस से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की गई। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय के निर्देश पर प्रत्येक बुधवार को आयोजित की जा रही इन चौपालों के माध्यम से कई मामलों का त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। श्री समीर कुमार सिंह ने उपस्थित ग्रामीणों से विभिन्न अपराधों के प्रति सतर्क रहने और पुलिस का सहयोग करने की अपील की। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक श्री अभिमन्यु मल, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि आदर्श सिंह, ब्रजेश सिंह, सूरज साहू सहित कई ग्रामीण जन उपस्थित रहे। सिद्धौर संवाददाता राम कुमार वर्मा के अनुसार, कोठी थाना क्षेत्र के ग्राम भानमऊ में भी पुलिस चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों को कानून

व्यवस्था, सुरक्षा और सरकारी हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। चौपाल में थाना प्रभारी श्री जितेंद्र प्रताप सिंह ने महिला सुरक्षा, साइबर अपराध, आपातकालीन सेवा 112, महिला हेल्पलाइन 1090, स्वास्थ्य सेवा 108 और बाल सुरक्षा हेल्पलाइन 1098 जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता बढ़ाई। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि आपसी छोटे विवादों का समाधान ग्राम स्तर पर आपसी सहमति से करें, जिससे पुलिस पर अनावश्यक दबाव न पड़े और सामाजिक सौहार्द बना रहे। थाना प्रभारी ने आश्वस्त किया कि पुलिस सदैव आमजन की सेवा हेतु तत्पर है। किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस या हेल्पलाइन नंबरों पर सूचना दें। चौपाल में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं, जिनमें से कई का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने सभी नागरिकों से कानून का पालन करने, अफवाहों से दूर रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने की अपील की।इस अवसर पर उपनिरीक्षक श्री राशिद खान, अतिरिक्त प्रभारी श्री नरेश यादव, श्री राजकुमार दीवान सहित कई गणमान्य व्यक्ति एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

पंत आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर

एजेंसी

दुबई। भारत के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के पहले टेस्ट में दो शतक की बदौलत बुधवार को जारी नवीनतम आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर पहुंच गए। पहले टेस्ट में पांच विकेट की हार के दौरान पहली पारी में शतक जड़ने वाले भारत के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल भी पांच स्थान के फायदे से 20वें पायदान पर हैं। भारत ने इंग्लैंड को 371 रन का मुश्किल लक्ष्य दिया था जो मेजबान टीम ने पांच विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। एक ही टेस्ट में दो शतक जड़ने वाले केवल दूसरे विकेटकीपर बने पंत को एक स्थान का फायदा हुआ है। पंत से पहले जिंबाब्वे के एंडी फ्लावर एकमात्र विकेटकीपर थे जिन्होंने एक ही टेस्ट में दो शतक जड़ने की उपलब्धि हासिल की थी। पंत ने लीड्स टेस्ट में 134 और 118 रन की पारी खेली। टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में अधिक बदलाव नहीं हुआ है। भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह पहले टेस्ट की पहली पारी में पांच विकेट चटकाने के बाद शीर्ष पर बने हुए हैं। इंग्लैंड की जीत के दौरान 62 और 149 रन की पारी खेलकर मैन ऑफ द मैच बने बेन डकेट पांच स्थान की छलांग के साथ रैंकिंग में आठवें स्थान पर पहुंच गए। डकेट के टीम के साथियों ओली पोप (तीन स्थान के फायदे से 19वें स्थान पर) और जेमी स्मिथ (आठ स्थान के फायदे से 27वें स्थान पर) को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट दुनिया के नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज हैं जबकि टीम के उनके साथी हैरी ब्रूक दूसरे स्थान पर हैं। पहले टेस्ट में गेंद और बल्ले से प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स टेस्ट ऑलराउंडर की सूची में तीन स्थान के फायदे से पांचवें स्थान पर पहुंच गए। श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच गॉल में ड्रॉ रहे पहले टेस्ट में 163 रन बनाने वाले मुशफिकुर रहीम 11 स्थान की छलांग से 28वें स्थान पर हैं। बांग्लादेश के ही नजमुल हुसैन शंटो दोनों पारियों में शतक की बदौलत 21 पायदान की लंबी छलांग के साथ 29वें स्थान पर हैं।

काश मैने बेहतर प्रदर्शन किया होता : गोल्डन स्पाइक जीत के बावजूद खुश नहीं हैं नीरज

एजेंसी

ओस्ट्रावा। भारत के भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने भले ही पदार्पण के साथ गोल्डन स्पाइक खिताब जीत लिया हो लेकिन पूर्व ओलंपिक चैम्पियन अपने प्रदर्शन से खुश नहीं हैं। चोपड़ा ने 85.29 मीटर के थ्रो के साथ नौ खिलाड़ियों के बीच खिताब जीता। जीत के बाद उन्होंने कहा कि मैं आज अपने प्रदर्शन से खुश नहीं हूं लेकिन इस बात की खुशी है कि खिताब जीता। उन्होंने कहा कि मैं बचपन में यह टूर्नामेंट देखा करता था। मैने जान जेलेंजी और उसेन बोल्ट जैसे दिग्गजों को गोल्डन स्पाइक जीतते देखा और मुझे लगता था कि मैं भी एक दिन जीतूंगा। आज वह सपना सच हो गया है। उन्होंने हालांकि कहा कि मुझे पता है कि चेक गणराज्य में भालाफेंक काफी लोकप्रिय है। दर्शकों से हमें अपार समर्थन मिला। काश कि मैं बेहतर प्रदर्शन कर पाता। दूसरे दौर के बाद चोपड़ा तीसरे स्थान पर थे जिनकी शुरूआत फाउल से हुई लेकिन उसके बाद 83.45 मीटर का थ्रो फेंका। तीसरे दौर में 85.29 मीटर के थ्रो के साथ वह शीर्ष पर आये। उनके अगले दो थ्रो 82.17 मीटर और 81.01 मीटर के रहे जबकि आखिरी थ्रो फाउल रहा। पिछले दो सत्र में वह यहां फिटनेस कारणों से खेल नहीं सके थे। उनके कोच जान जेलेंजी ने यहां नौ बार खिताब जीता है। 27 वर्ष के चोपड़ा ने इस सत्र में मई में दोहा डायमंड लीग में 90 मीटर की बाधा पार करके दूसरा स्थान हासिल किया। इसके बाद पेरिस डायमंड लीग खिताब जीता। चोपड़ा यहां 2018 में आईएएएफ कांटिनेंटल कप में एशिया प्रशांत टीम का हिस्सा थे और 80.24 मीटर के थ्रो के साथ छठे स्थान पर रहे थे। अब वह बेंगलुरू में पांच जुलाई को नीरज चोपड़ा क्लासिक में भाग लेंगे जिसमें पीटर्स और रोहलेर भी खेल रहे हैं।

शार्दुल ठाकुर को बाहर करके कुलदीप यादव को टीम में रखना होगा: मांजरेकर

एजेंसी

नयी दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में भारतीय आक्रमण कमजोर नजर आया और इसको मजबूती प्रदान करने के लिए बायें हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को टीम में लाना चाहिए और शार्दुल ठाकुर को बाहर करना चाहिए। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने हेडिंग्ले में पहली पारी में पांच विकेट चटकाए, लेकिन अन्य भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और ठाकुर उन्हें पर्याप्त सहयोग नहीं दे पाए। मांजरेकर ने मैच सेंटर लाइव पर कहा, ''कुलदीप यादव को वापस आना होगा। मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है, लेकिन शार्दुल ठाकुर को बाहर जाना होगा। उन्होंने कहा, ''यह एक बदलाव है जो भारत को करना होगा। जहां तक नीतीश कुमार रेड्डी का सवाल है तो मैंने पहले टेस्ट के लिए उनका समर्थन इस आधार पर किया था कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में शानदार प्रदर्शन किया था। मांजरेकर ने कहा, ''लेकिन वह पर्याप्त विकल्प प्रदान नहीं करता है। वह टीम में चौथे तेज गेंदबाज की भूमिका में पूरी तरह से खरा नहीं उतर पाएगा इसलिए भारतीय टीम प्रबंधन को कड़ा फैसला लेना होगा। हमें यहां की परिस्थितियों में अपने सर्वश्रेष्ठ आक्रमण के साथ करना होगा और इसके लिए मैं एक तेज गेंदबाज कम रखूंगा और कुलदीप को अंतिम एकादश में शामिल करूंगा। उसे खेलना ही होगा। मांजरेकर ने यह भी कहा कि इंग्लैंड की परिस्थितियां पहले की तरह तेज गेंदबाजी के अनुकूल नहीं हैं, जिससे भारत को दो मुख्य स्पिनरों के साथ खेलने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमें यह स्वीकार करना होगा कि इंग्लैंड की परिस्थितियां पहले की तरह नहीं है तथा मौसम काफी हद तक शुष्क है जिससे स्पिन गेंदबाजों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। अब समय आ गया है जब भारत को दो मुख्य स्पिनर के साथ खेलने पर विचार करना चाहिए। मांजरेकर का मानना है कि बाएं हाथ के स्पिनर रविंद्र जडेजा परिस्थितियों का फायदा उठाने में नाकाम रहे। उन्होंने कहा, ''प्रसिद्ध कृष्णा जैसे गेंदबाजों में सुधार की गुंजाइश है लेकिन जडेजा पहले मैच में अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरे। उन्हें पांचवें दिन विकेट से मिल रही मदद का फायदा उठाना चाहिए था।

भारत के कमजोर गेंदबाजी आक्रमण पर गंभीर ने कहा, हमें उन्हें समय देना होगा

एजेंसी

लीड्स। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में हार के दौरान भारतीय आक्रमण की अनुभवहीनता खुलकर उजागर हो गई लेकिन मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा कि टीम के अधिकतर तेज गेंदबाज अभी अपने करियर की शुरुआत कर रहे हैं और उन्हें कुछ और समय देने की जरूरत है।

इंग्लैंड की पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले जसप्रीत बुमराह को छोड़कर कोई भी अन्य गेंदबाज प्रभावशाली नहीं दिखा और मेजबान टीम ने मंगलवार को मैच के पांचवें और अंतिम दिन 371 रन का लक्ष्य बिना किसी परेशानी के हासिल कर लिया। प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और शार्दुल ठाकुर की तेज गेंदबाजी तिकड़ी की लाइन और लेंथ में निरंतरता का अभाव दिखा। गंभीर में भारत की पांच विकेट से हार के बाद संवाददाताओं से कहा, हमें उन्हें समय देना होगा। पहले हमारी टीम में चार तेज गेंदबाज होते थे, जिन्हें 40 से अधिक टेस्ट मैचों का अनुभव था। एकदिवसीय या टी20 मैचों में इसका इतना बड़ा प्रभाव नहीं पड़ता, लेकिन जब आप टेस्ट मैच खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड या दक्षिण अफ्रीका का दौरा करते हैं तो अनुभव काफी मायने रखता है। उन्होंने कहा, उनके करियर के अभी शुरुआती दिन हैं। अगर हम प्रत्येक टेस्ट मैच के बाद अपने गेंदबाजों का मूल्यांकन करना शुरू कर देंगे, तो हम अच्छा गेंदबाजी आक्रमण कैसे तैयार कर पाएंगे। बुमराह और सिराज के अलावा हमारे पास तेज गेंदबाजी में उतना अनुभव नहीं है, लेकिन उनमें (अन्य में) गुणवत्ता है और यही वजह है कि वे इस भारतीय टीम में हैं। गंभीर ने कहा, लेकिन हमें उनका समर्थन करते रहना होगा, क्योंकि यह एक दौरे की बात नहीं है। यह एक मजबूत तेज गेंदबाजी आक्रमण तैयार करने से जुड़ा है, जो टेस्ट क्रिकेट में लंबे समय तक भारत की सेवा कर सके। भारतीय टीम में शामिल अन्य तेज गेंदबाजों में अर्शदीप सिंह ने अभी तक कोई टेस्ट नहीं खेला है जबकि हर्षित राणा ने केवल दो मैच खेले हैं। प्रसिद्ध ने मैच में पांच विकेट लिए लेकिन उन्होंने काफी रन भी लुटाए। गंभीर को हालांकि लगता है कि प्रसिद्ध में ''एक बहुत अच्छा टेस्ट गेंदबाज बनने के सभी गुण मौजूद हैं। उन्होंने शार्दुल ठाकुर का भी बचाव किया, जिन्होंने पहली पारी में केवल छह और पूरे मैच में 16 ओवर ही फेंके। गंभीर ने कहा, ''कप्तान परिस्थितियों के अनुसार फैसला करता है।

पहले टेस्ट में हार के बावजूद बुमराह को लेकर योजना में कोई बदलाव नहीं: गंभीर

लीड्स। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि टीम प्रबंधन पहले टेस्ट में हार के बावजूद तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ तीन से अधिक टेस्ट मैच खेलने के लिए नहीं कहेगा। बुमराह एकमात्र भारतीय गेंदबाज थे जिन्होंने हेडिंग्ले में खेले गए पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड के बल्लेबाजों के सामने लगातार चुनौती पेश की। बुमराह अपने करियर के दौरान चोटों से जूझते रहे हैं और यही वजह है कि उनके कार्यभार प्रबंधन के तहत टीम प्रबंधन ने उन्हें पांच में से तीन टेस्ट मैचों में खिलाने का फैसला किया था। चार मैच शेष रहने के बावजूद यह योजना नहीं बदली है। गंभीर ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा, ''नहीं, हम अपनी योजना में कोई बदलाव नहीं करेंगे। हमारे लिए उनके कार्यभार का प्रबंधन करना अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि आगे काफी क्रिकेट खेलना है और हम जानते हैं कि वह क्या कर सकते हैं। श्रृंखला शुरू होने से पहले ही यह तय कर दिया गया था कि वह तीन टेस्ट मैच खेलेंगे। अगला टेस्ट मैच बर्मिंघम में दो जुलाई से शुरू होगा लेकिन गंभीर ने कहा कि टीम ने अभी तक यह फैसला नहीं किया है कि पांच मैचों की श्रृंखला में बुमराह अब किन दो मैचों में खेलेंगे।

फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025: निकोलस जैक्सन पर रेड कार्ड के लिए दो मैचों का प्रतिबंध

एजेंसी

नई दिल्ली। चेल्सी के स्ट्राइकर निकोलस जैक्सन को फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 के दौरान फ्लेमिंगो के खिलाफ 3-1 से मिली हार में रेड कार्ड मिलने के बाद दो मैचों के लिए निलंबित कर दिया गया है। यह फैसला फीफा की अनुशासन समिति ने लिया है। जैक्सन दूसरे हाफ में मैदान पर आने के महज चार मिनट बाद ही फ्लेमिंगो के खिलाड़ी आयर्टन लुकास पर खतरनाक स्टड्स-अप टैकल करने के कारण सीधे रेड कार्ड पा बैठे। यह उनका पिछले चार मुकाबलों में दूसरा रेड कार्ड है। 24 वर्षीय जैक्सन को शुरुआत में एक मैच का स्वतः निलंबन दिया गया था, जिससे वह मंगलवार को एस्पेरांस स्पोर्टिव डी ट्यूनिस के खिलाफ होने वाले ग्रुप स्टेज के अंतिम मुकाबले से बाहर हो गए हैं। हालांकि, फीफा की अनुशासन समिति ने इस घटना की गंभीरता को देखते हुए इसे ''गंभीर फाउल प्ले'' की श्रेणी में रखा और प्रतिबंध को बढ़ा दिया। फीफा ने अपने आधिकारिक बयान में कहा,''निकोलस जैक्सन को फीफा अनुशासन संहिता के अनुच्छेद 14, पैरा 1 (ई) के उल्लंघन के तहत दो मैचों का निलंबन दिया गया है। यह निर्णय अंतिम है और इसके खिलाफ कोई अपील नहीं की जा सकती। मैच के बाद जैक्सन ने सोशल मीडिया पर अपने व्यवहार के लिए माफी भी मांगी थी। अगर चेल्सी अगले चरण यानी प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचती है, तो जैक्सन उस मुकाबले में भी नहीं खेल पाएंगे।

ओलंपिक चैंपियन फ्रेजर-प्राइस नेशनल चैंपियनशिप के साथ करेंगी करियर का समापन

एजेंसी

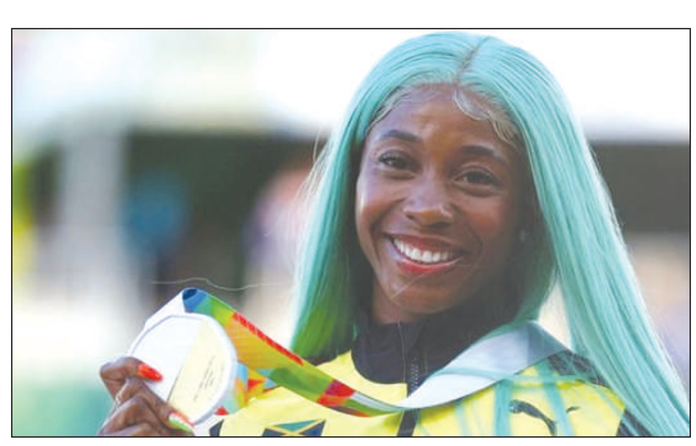

न्यूयार्क। जमैका की दिग्गज धाविका और तीन बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता शेली-ऐन फ्रेजर-प्राइस ने घोषणा की है कि वह इस सप्ताह से शुरू हो रही जमैका राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपने करियर की अंतिम दौड़ लगाएँगी। यह मुकाबला उनके शानदार और ऐतिहासिक करियर का अंतिम राष्ट्रीय पड़ाव होगा। 38 वर्षीय फ्रेजर-प्राइस ने पहले ही 2025 में ट्रैक पर वापसी की घोषणा की थी, जिसे उनके अंतिम प्रतिस्पर्धी वर्ष के रूप में देखा जा रहा था। उन्होंने कहा था कि उनका ट्रैक पर ''अब भी अधूरा काम बाकी है''। मंगलवार (भारतीय समयानुसार) को एक नाइकी कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, यह मेरे लिए एक विशेष क्षण होगा, क्योंकि अब खोने के लिए कुछ नहीं है, बल्कि सब कुछ पाने को है। फ्रेजर-प्राइस ने 2008 और 2012 ओलंपिक में लगातार दो बार 100 मीटर का स्वर्ण पदक जीता था और 10 बार की विश्व चैंपियन रह चुकी हैं। इस साल की विश्व चैंपियनशिप, जो 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में आयोजित की जाएगी, के लिए यह चैंपियनशिप एक क्वालिफाइंग इवेंट भी है। हालांकि, फ्रेजर-प्राइस के लिए पिछली बार का पेरिस ओलंपिक निराशाजनक रहा था, जब वह वॉर्म-अप के दौरान चोटिल हो गई थीं और 100 मीटर सेमीफाइनल में हिस्सा नहीं ले सकी थीं। फ्रेजर-प्राइस का यह फैसला ट्रैक और फील्ड की दुनिया के लिए एक युग के अंत जैसा है, जिन्होंने न केवल पदक जीते, बल्कि एक आदर्श और प्रेरणा के रूप में भी खुद को स्थापित किया।

भारत के निचले क्रम को दो बार आउट करना निर्णायक रहा : बेन स्टोक्स

एजेंसी

लीड्स। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने पहले टेस्ट में भारत पर मिली पांच विकेट से जीत का श्रेय अपने गेंदबाजों को दिया है जिन्होंने भारत के निचले क्रम को दो बार आउट किया। जीत के लिये 371 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज बेन डकेट और जैक क्रॉली ने पहले विकेट के लिये 188 रन की साझेदारी की। स्टोक्स ने हालांकि कहा कि मैच का पलड़ा उसी समय उनके पक्ष में हो गया था जब इंग्लैंड के गेंदबाजों ने भारत को बड़ा स्कोर बनाने से रोका। उन्होंने मैच के बाद कहा कि यह बल्लेबाजी के लिये अच्छी विकेट थी। बड़े स्कोर से इसका पता चलता है। लेकिन मैच का निर्णायक पल यही था कि हमने दो बार भारत के निचले क्रम को आउट कर दिया । इसी वजह से हम उन्हें बड़ा स्कोर बनाने से रोक पाये और विशाल लक्ष्य नहीं मिला जिसे पाना मुश्किल हो जाता। उन्होंने कहा ,'' हमने उन्हें 450-500 से आगे नहीं जाने दिया जो वह एक समय बनाते दिख रहे थे। भारत ने पहली पारी में आखिरी छह विकेट 41 रन के भीतर गंवा दिये और दूसरी पारी में भी आखिरी छह विकेट 34 रन के भीतर गिर गए। स्टोक्स ने कहा कि जीत के लिये 371 रन के लक्ष्य के जवाब में अच्छी शुरूआत चाहिये थी। ऐसे में विकेट बचाकर खेलना जरूरी था। डकेट और जैक ने जिस तरह से खेला, वह काबिले तारीफ है। दोनों एक दूसरे के पूरक बनकर खेले। दाहिने-बायें हाथ के बल्लेबाजों के संयोजन के सामने गेंदबाजों को मुश्किल हुई होगी।

मुकेश अंबानी ने दूरसंचार उद्योग में कदम रखने के फैसले को बताया जीवन का 'सबसे बड़ा जोखिम'

एजेंसी

नई दिल्ली। उद्योगपति और रिलायंस इंडस्?ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने 2016 में रिलायंस जियो के साथ दूरसंचार उद्योग में कदम रखने के फैसले को अपने जीवन का 'सबसे बड़ा जोखिम' बताया है। फिर भी उन्होंने डिजिटल भारत के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के लिए यह निर्णय लिया। वैश्विक प्रबंधन परामर्श कंपनी 'मैकिन्से एंड कंपनी' के साथ एक विशेष साक्षात्कार में मुकेश अंबानी ने कहा कि रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 4-जी मोबाइल नेटवर्क शुरू करने में अपने स्वयं के अरबों डॉलर का निवेश किया था। इसको लेकर कुछ विश्लेषकों का कहना था कि यह वित्तीय रूप से सफल नहीं हो सकता है, क्योंकि भारत सबसे उन्नत डिजिटल प्रौद्योगिकी के लिए तैयार नहीं है। इस पर मैंने अपने निदेशक मंडल से कहा कि सबसे खराब स्थिति यह होगी कि हमें ज्यादा 'रिटर्न' नहीं मिलेगा। रिलायंस के रूप में यह भारत में हमारा अब तक का सबसे बड़ा परोपकारी काम होगा, क्योंकि हम भारत का डिजिटलीकरण कर देश को पूरी तरह बदल चुके होंगे। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि जियो को 2016 में पेश किए जाने के बाद से जियो ने मुफ्त 'वॉयस कॉल' और बेहद कम लागत वाला डेटा प्रदान करके भारतीय दूरसंचार बाजार में क्रांति ला दी है, जिससे प्रतिस्पर्धियों को कीमतें कम करने के लिए मजबूर होना पड़ा है और देशभर में तेजी से डिजिटल अपनाने को बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा कि हमारा ये मानना है कि आखिरकार आप इस दुनिया में बिना कुछ लिए आते हैं और बिना कुछ लिए चले जाते हैं। आप जो पीछे छोड़कर जाते हैं, वह एक संस्था है। मुकेश अंबानी ने कहा कि जियो के आने से पहले भारत में मोबाइल इंटरनेट महंगा था। इसके आने से कीमतों में उतार-चढ़ाव शुरू हुआ, जिससे डेटा की लागत में उल्लेखनीय कमी आई। ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों सहित लाखों भारतीयों के लिए इंटरनेट तक पहुंच सस्ती हो गई। भारत में अब 80 करोड़ से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, ये आंकड़ा इसे वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े ऑनलाइन बाजारों में से एक बनाता है। ई-कॉमर्स, वित्तीय प्रौद्योगिकी, शिक्षा प्रौद्योगिकी और मनोरंजन जैसी डिजिटल सेवाओं के विकास को बढ़ावा दिया है।

कोल इंडिया का कोकिंग कोयला उत्पादन मई में नौ प्रतिशत घटा

एजेंसी

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का कोकिंग कोयले का उत्पादन मई में 8.7 प्रतिशत घटकर 45.3 लाख टन रहा है। हालांकि, सरकार आयात पर निर्भरता कम करने के लिए उत्पादन बढ़ाने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

पिछले साल मई में सीआईएल का कोकिंग कोयले का उत्पादन 49.6 लाख टन था। अपने 'मिशन कोकिंग कोल' के तहत सरकार का लक्ष्य 2029-30 तक घरेलू कोकिंग कोयला उत्पादन को बढ़ाकर 14 करोड़ टन करने का है, जिससे इस्पात क्षेत्र के लिए आयात पर निर्भरता कम हो सके। कोकिंग कोयला (धातुकर्म कोयला) इस्पात उत्पादन के लिए जरूरी है। सरकार के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-मई की अवधि में भी कंपनी का कोकिंग कोयले का उत्पादन 3.4 प्रतिशत घटकर 93.6 लाख टन रह गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 96.9 लाख टन था। भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) और सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) सहित सीआईएल की अनुषंगी कंपनियां कोकिंग कोयले का उत्पादन करती हैं। बीसीसीएल विशेष रूप से कोकिंग कोयले के उत्पादन पर केंद्रित इकाई है। घरेलू कोयला उत्पादन में सीआईएल की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक है। सरकार ने घरेलू कोकिंग कोयले के उपयोग को बढ़ाने, ऊर्जा दक्षता में सुधार लाने और घरेलू इस्पात क्षेत्र को कॉर्बन उत्सर्जन से मुक्त करने के लिए कई कदम उठाए हैं। कोयला कंपनियां और इस्पात उद्योग, कोयले की राख की मात्रा को कम करने और इसे इस्पात उद्योग में उपयोग के उपयुक्त बनाने के लिए घरेलू कोयला धुलाई क्षमता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। घरेलू कोकिंग कोयले का उपयोग बढ़ाने के लिए इस्पात संयंत्र में 'स्टैम्प चार्ज्ड कोक ओवन' बैटरी का भी उपयोग किया जा रहा है।

कांग्रेस की नीयत अब भी तानाशाही वाली है : भाजपा

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश में आपातकाल लगाए जाने के 50 वर्ष पूरे होने पर आज कहा कि कांग्रेस की नीयत अब भी तानाशाही वाली है और कांग्रेस शासित राज्यों में विरोध का क्रूर दमन, धार्मिक तुष्टीकरण और सत्ता का अहंकार खुलेआम दिख रहा है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने आज सुबह एक बयान में कहा, 25 जून, 1975 की आधी रात को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 'आंतरिक अशांति' का बहाना बनाकर भारत पर आपातकाल थोप दिया था और देश के संविधान की हत्या कर दी थी। 50 वर्ष बाद भी कांग्रेस उसी मानसिकता के साथ चल रही है, उसकी नीयत आज भी

वैसी ही तानाशाही वाली है। श्री नड्डा ने कहा, 1975 में अदालत ने इंदिरा गांधी को चुनाव में आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी ठहराया और उन्हें 6 वर्षों तक किसी भी निर्वाचित पद पर रहने से अयोग्य करार दिया। रातों-रात प्रेस की बिजली काटी गई, सारे विपक्ष को जेल में डाल दिया गया, प्रेस से आजादी छीन ली गई, अनुच्छेद 352 का दुरुपयोग कर लोकतंत्र को रौंदा गया। संसद, न्यायपालिका को अपंग बना दिया गया और 26 जून की सुबह देश पर कांग्रेस की तानाशाही सरकार ने आपातकाल थोप दिया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस शासित राज्यों में कानून व्यवस्था का हाल आज भी वही है, जो आपातकाल में था- विरोध का दमन, धार्मिक तुष्टीकरण और सत्ता का अहंकार खुलेआम दिखता है। भाजपा के एक्स एकाउंट पर भी एक पोस्ट में लिखा गया, ल्लजब सत्ता डगमगाई, तो संविधान को कुचल दिया, अपने भविष्य के लिए, पूरे देश का वर्तमान बंधक बना लिया। लोकतंत्र की हत्या कर, अभिव्यक्ति को कैद किया, और देश पर तानाशाही का अंधेरा थोप दिया। 25 जून, 1975 – वो काला दिन जब 'मैं' का अहंकार, 'हम' की आजादी पर भारी पड़ा। याद रखेगा भारत।

सुप्रीम कोर्ट का अवैध हिरासत के मामले में उत्तर प्रदेश सरकार को पांच लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने जमानत आदेश के बावजूद 28 दिनों तक एक व्यक्ति को जेल में रखने को स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन करार देते हुए उत्तर प्रदेश सरकार को उसे(व्यक्ति को) पांच लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया है।

न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन और न्यायमूर्ति एन के सिंह की पीठ बुधवार को बंदी प्रत्यक्षीकरण मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसमें यह बात सामने आई थी कि गाजियाबाद जेल प्रशासन 29 अप्रैल को पारित शीर्ष अदालत के आदेश और 27 मई के औपचारिक रिहाई आदेश के बावजूद आरोपी को रिहा करने में पूरी तरह से विफल रहा है। पीठ ने कहा, भगवान जानता है कि ऐसे कितने लोग जेलों में सड़ रहे हैं।न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने तकनीकी बातों पर जोर देने वाले जेल अधिकारियों के आचरण की निंदा की। उन्होंने गाजियाबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश को इसकी जांच करने और व्यक्ति की रिहाई में 28 दिनों की देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने का आदेश दिया। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 366 और उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 की धारा तीन और पांच (आई) के तहत गिरफ्तार किया गया वह व्यक्ति 24 जून तक हिरासत में रहा। अधिकारियों ने सफाई दी कि जमानत आदेश में एक उप-धारा की चूक के कारण व्यक्ति की रिहाई नही हो पायी थी। न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा,ल्लस्वतंत्रता एक व्यक्ति को दी गई एक बहुत ही मूल्यवान और अनमोल अधिकार है। इसे इन बेकार की तकनीकी बातों पर समझौता नहीं किया जा सकता। जब इस अदालत ने एक वैध आदेश पारित करके स्वतंत्रता दी है, तो उसे कैसे छीना जा सकता है? जेल अधिकारियों और राज्य प्रशासन पर तीखी टिप्पणी करते हुए अदालत ने कहा, क्या किसी उपधारा को छोड़ देना किसी को हिरासत में रखने का वैध आधार है। अगर हम स्पष्ट न्यायिक आदेशों के बावजूद लोगों को सलाखों के पीछे रखते हैं तो हम आज जन को क्या संदेश दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश की अतिरिक्त महाधिवक्ता गरिमा प्रसाद और उत्तर प्रदेश के महानिदेशक कारागार पीसी मीना वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालती कार्यवाही में शामिल हुए। गाजियाबाद जेल अधीक्षक पीठ के समक्ष उपस्थित थे। न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने कहा,ल्लआपने उसे कल हमारे हस्तक्षेप के बाद ही रिहा किया। इससे पता चलता है कि आपको किसी और आदेश को मानने की जरुरत नहीं थी। यह तकनीकी की गलती को आधार बनाकर स्वतंत्रता के अधिकार से इनकार करने का एकमात्र बहाना था। कौन-सा प्रावधान कहता है कि यदि कोई उप-धारा छूट गयी है तो जमानत आदेश के बावजूद किसी व्यक्ति को जेल में जरूरी रखना चाहिए।ङ्क जब अतिरिक्त महाधिवक्ता प्रसाद ने प्रस्तुत किया कि मेरठ के डीआईजी (जेल) को आंतरिक जांच करने के लिए कहा गया है, तो पीठ ने इसे सिरे से खारिज करते हुए कहा, ल्लनहीं, हमें न्यायिक जांच चाहिए, आंतरिक जांच नहीं चाहिये।

न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने कहा, हमें नहीं पता कि इस तरह के कारणों से कितने अन्य लोग जेलों में सड़ रहे हैं। हम निहित स्वार्थों की किसी भी संभावना को खारिज करना चाहते हैं। देश में जेल बहुत हैं। हम इस मामले को नहीं छोड़ेंगे। इसके बाद अदालत ने गाजियाबाद के प्रधान जिला न्यायाधीश को रिहाई आदेश के देने में देरी के कारणों की न्यायिक जांच करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि क्या उप-धारा की चूक वास्तव में देरी का कारण थी, या फिर इसमें कुछ और इरादा था या घोर लापरवाही शामिल थी। पीठ ने चेतावनी दी कि पांच लाख रुपये का मुआवजा अंतरिम है और यदि न्यायिक जांच में किसी विशेष अधिकारी पर दोष सिद्ध होता है तो यह राशि उनसे व्यक्तिगत रूप से वसूल की जाएगी।

संशोधित झरिया मास्टर प्लान को मंत्रिमंडल की मंजूरी

एजेंसी

नयी दिल्ली। सरकार ने झरिया कोयला क्षेत्र में आग तथा भू-धंसाव जैसी समस्याओं से निपटने और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए संशोधित झरिया मास्टर प्लान को मंजूरी दी है।

सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि 5,940.47 करोड़ रुपये की परिव्यय वाली इस संशोधित मास्टर प्लान को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने मंजूरी दी है जिसके तहत झरिया कोयला क्षेत्र में आग, भूमि धंसाव तथा प्रभावित परिवारों के पुनर्वास से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए कदम उठाए जाएंगे। इसके तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि आग तथा धंसाव से निपटने तथा प्रभावित परिवारों के पुनर्वास का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना के तहत पुनर्वासित परिवारों के लिए सतत आजीविका सृजन पर अधिक जोर दिया गया है और उनके लिए आर्थिक आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के वास्ते कौशल विकास कार्यक्रम शुरू करने पर बल दिया गया है ताकि उनके लिए आय के अवसर सृजित किए जा सकें। इसके अलावा, एक लाख रुपये का आजीविका अनुदान तथा संस्थागत ऋण के माध्यम से तीन लाख रुपये तक की ऋण सहायता कानूनी स्वामित्व धारक परिवारों तथा गैर-कानूनी स्वामित्व धारक परिवारों, दोनों को दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इसके अलावा, पुनर्वास स्थलों पर व्यापक बुनियादी ढांचा और सड़क, बिजली, पानी की आपूर्ति, सीवरेज, स्कूल जैसी आवश्यक सुविधाओं के साथ ही अस्पताल, कौशल विकास केंद्र, सामुदायिक हॉल और अन्य सामान्य सुविधाएं विकसित की जानी हैं। इन प्रावधानों को संशोधित झरिया मास्टर प्लान के कार्यान्वयन के लिए समिति की सिफारिशों के अनुसार लागू किया जाएगा।

चुनाव आयोग भाजपा की कठपुतली बनकर काम कर रहा है : खरगे

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि चुनाव आयोग विपक्ष की बात नहीं सुनता है और चुनाव को लेकर उससे जो सवाल पूछे जाते हैं उनका जवाब नहीं दिया जाता। चुनाव आयोग सिर्फ सरकार के इशारे पर उसकी कठपुतली बनकर काम कर रहा है।

श्री खरगे ने बुधवार को यहां कांग्रेस के नये मुख्यालय इंदिरा भवन में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली की बात आंकड़ों के साथ कह रहे हैं, लेकिन चुनाव आयोग मानने को तैयार नहीं है। चुनाव आयोग भाजपा की कठपुतली बन गया है और उसके इशारे पर काम करता है।

उन्होंने कहा, महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के दौरान हमने सीटें जीतीं, लेकिन पांच महीने बाद ही विधानसभा चुनावों में आंकड़े बदल गए। पांच साल में जब वोटर लिस्ट बदलती है तो दो-तीन प्रतिशत की वृद्धि होती है, लेकिन यहां पांच महीने में ही आठ प्रतिशत का उछाल देखा गया। मैंने कई चुनाव लड़े और लोगों को लड़वाए, पर ऐसा मैंने कभी नहीं देखा। हम लगातार इस मामले को उठा रहे हैं, लेकिन चुनाव आयोग कोई भी बात सुनने को तैयार नहीं है, क्योंकि सब जगह सरकार का नियंत्रण है। हर जगह आरएसएस के लोगों को बैठा रखा है और वहां दूसरों के लिए कोई जगह नहीं है। यह पूछने पर कि आयोग कांग्रेस नेतृत्व से बातचीत करने की बात करता है तो उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग से बहस करने की जरूरत नहीं है। सभी को मालूम है कि चुनाव में गड़बड़ी हुई है। आयोग को कई बार कहा गया है कि वैलेट पेपर दीजिए क्या उसने दिया। जो शिकायतें चुनाव आयोग से की जाती हैं क्या उनका आयोग ने कोई समाधान निकाला है। मन्नत मांगने का कोई मतलब नहीं है जब श्री मोदी किसी सवाल का जवाब देने आते ही नहीं है। उनका कहना था कि आयोग सरकार के इशारे पर काम कर रहा है, लेकिन हम अपनी लड़ाई जारी रखेंगे और लड़ते ही रहेंगे। कांग्रेस नेता शशि थरूर से संबंधित एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ल्लप्रधानमंत्री कभी किसी से बात नहीं करते, लेकिन हम देश के लिए लड़ते रहे हैं और आगे भी लड़ते रहेंगे। हमारी चिंता शशि थरूर नहीं देश को बचाने की है। प्रधानमंत्री पहले अपनी बात पत्रकारों के सामने रखते थे और वहां सवाल-जवाब भी होते थे अब श्री मोदी सिर्फ चुनिंदा लोगों को ही इंटरव्यू देते हैं, जहां पहले से ही चुने हुए सवाल और उनके तय जवाब होते हैं। ये श्री मोदी की लोकतंत्र में पारदर्शिता है। पार्टी महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कहा कि जो लोग संविधान की धज्जियां उड़ा रहे हैं वे देश में संविधान बचाने की बात करते हैं। जो लोग अघोषित आपातकाल लगाए हुए हैं वे आपातकाल की बात कर रहे हैं। आपातकाल की याद भाजपा के अपराध बोध का प्रतिबिंब है। भारत पिछले 11 वर्षों से 'अघोषित आपातकाल' का सामना कर रहा है। कांग्रेस पिछले चार महीनों से लगातार और व्यापक रूप से संविधान बचाओ अभियान चला रही है।

फास्टैग इकोस्टिस्टम निर्बाध डिजिटल यात्रा के लिए महत्वपूर्ण

नयी दिल्ली। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने फास्टैग इकोसिस्टम को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा है कि यह न केवल टोल संग्रहण के लिए एक उपयोगी व्यवस्था है बल्कि इसमें निर्बाध डिजिटल यात्रा के नये अनुभवों की भी अपार संभावनाएं हैं। श्री गडकरी ने बुधवार को यहां फास्टैग प्रणाली के अभिनव इस्तेमाल का पता लगाने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण- एनएचएआई की सहयोगी इंडियन हाइवेज एंड मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड-आईएचएमसीएल द्वारा यहां फिनटेक कंपनियों के साथ आयोजित एक कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि फिनटेक और अन्य हितधारकों के साथ सहयोग के माध्यम से सरकार का लक्ष्य फास्टैग की उपयोगिता को एक ऐसे मजबूत मंच के रूप में विस्तारित करना है जिसमें उपयोगकर्ता की सुविधा बढ़े और परिवहन तथा आवाजाही सेवाओं को सुव्यवस्थित कर सके। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला में इस क्षेत्र को अधिक दक्ष बनाने के लिए इस कार्यशाला में आयोजित प्रस्तुतियां और चर्चाएं डिजिटल रूप से सशक्त राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क का मार्ग प्रशस्त करेंगी जिसका देश के प्रत्येक यात्री को लाभ होगा। कार्यशाला का उद्देश्य नियामक अनुपालन, शिकायत निवारण, सुरक्षा और फास्टैग के गैर-टोल इस्तेमाल जैसे विभिन्न पहलुओं पर फिनटेक क्षेत्र के अग्रणी दिग्गजों से जानकारी इकट्ठा करना है ताकि इससे डिजीटल के उपयोग को और ज्यादा प्रभावी बनाया जा सके।

बागवानी फसलों का रकबा बढ़कर 292.67 लाख हेक्टेयर

नयी दिल्ली। फल-सब्जी और आलू-प्याज की पैदावार में वृद्धि के साथ देशभर में बागवानी फसलों का रकबा वर्ष 2024-25 में गत वर्ष से 1.81 लाख हेक्टेयर बढ़कर 292.67 लाख हेक्टयर हो गया है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को यहां बागवानी फसल का द्वितीय अग्रिम अनुमान जारी किया। उन्होंने बताया कि बागवानी फसलों की पैदावार 3.66 प्रतिशत की वृद्धि के साथ रिकॉर्ड 3677.24 लाख टन हो गयी। वर्ष 2023-24 की तुलना में बागवानी फसलों की पैदावार 129.80 लाख टन ज़्यादा है। श्री चौहान ने कहा कि बागवानी किसानों की कड़ी मेहनत और वैज्ञानिकों के योगदान तथा सरकार की किसान हितैषी नीतियों के कारण कृषि क्षेत्र की लगातार प्रगति हो रही है, जिसमें बागवानी का योगदान अहम है। उन्होंने कहा कि फल-सब्जी, आलू-प्याज की पैदावार में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024-25 में देश में वर्ष 2024-25 में बागवानी पैदावार लगभग 3677.24 लाख टन होने का अनुमान है।

पेज एक का शेष

बुरी तरह से तबाह...

ईरानी ठिकानों पर बंकर बस्टर बम गिराने के उनके फैसले ने ही युद्ध को समाप्त कराया है। ईरान ने बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के साथ सहयोग निलंबित करने का निर्णय लिया है । यह निलंबन उस समय तक जारी रहेगा जब तक आईएईए उसकी परमाणु सुविधाओं की सुरक्षा का आश्वासन नहीं देती है। वर्ष 1958 से आईएईए के सदस्य ईरान ने कहा कि एजेंसी की अंतर्राष्ट्रीय विश्वसनीयता 'नीलामी के लिए तैयार' है। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर ग़ालिबफ़ के हवाले से रिपोर्टों में कहा गया है कि आईएईए ने ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिकी हमले की निंदा न करके अपनी अंतर्राष्ट्रीय विश्वसनीयता को 'नीलाम' कर दिया है। उन्होंने कहा, 'अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने ईरान के परमाणु संयंत्रों पर हमले की निंदा करने से इनकार कर अपनी अंतराष्ट्रीय विश्वसनीयता को नीलाम कर दिया है। ईरान के परमाणु संयंत्रों की सुरक्षा की गारंटी मिलने तक आईएईए के साथ ईरान अपने सहयोग को निलंबित रखेगा। ईरान की मेहर समाचार एजेंसी (एमएनए) ने कहा कि ईरानी संसद ने भारी मतदान कर आईएईए के साथ सहयोग के निलंबन को मंजूरी प्रदान की है। संसद के आज के खुले सत्र में आईएईए के साथ सहयोग निलंबित करने की योजना पर विचार के दौरान पक्ष में 221 वोट पड़े । इसके विपक्ष में कोई वोट नहीं पड़ा तथा सत्र में उपस्थित कुल 223 प्रतिनिधियों में से एक ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। एमएनए ने कहा कि यह निर्णय कई ईरानी परमाणु स्थलों पर अमेरिका द्वारा किये गए हवाई हमलों के बाद लिया गया जो 'अंतर्राष्ट्रीय काननों का उल्लंघन करते हैं। ईरान ने कहा कि उसने अपनी संप्रभुता, हितों और लोगों की रक्षा के लिए सभी विकल्पों को सुरक्षित रखा हुआ है और उसके संयंत्रों पर यह हमला परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) का उल्लंघन है जो ईरान को उसके शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम को विकसित करने से नहीं रोक पाएगा। एमएनए ने ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराग्ची का हवाला देते हुए कहा अंतरराष्ट्रीय एजेंसी ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम की रक्षा करने में असफल रही है। उन्होंने कहा कि उनका देश एनपीटी सहयोग के संबंध में अपना रुख बदल सकता है। ईरान ने इस संधि के साथ अपना समर्पण दिखाने की कोशिश की लेकिन वह ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम की रक्षा करने में असफल रही है। श्री अराग्ची ने आगे कहा कि ईरानियों ने शांतिपूर्ण नाभिकीय प्रौद्योगिकी प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं इसलिए कोई भी इस प्रौद्योगिकी को प्राप्त करने से नहीं रोक पाएगा। इस बीच आईएईए के महासचिव राफ़ेल मारियानो ग्रॉसी ने आईएईए के गवर्नर बोर्ड में कहा कि ''कूटनीति के लिए अभी भी एक रास्ता है और हमें इसे अपनाना चाहिए अन्यथा, हिंसा और विनाश बढ़ सकते हैं और 50 वर्षों से ज्यादा समय तक अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा की सहायता करने वाली वैश्विक अप्रसार व्यवस्था खत्म हो सकती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान, इजरायल और मध्य पूर्व को शांति के लिए कई कदम उठाने की जरूरत है। सभी पक्षों को बातचीत करना चाहिए । इसके लिए आईएईए निरीक्षकों को ईरान के परमाणु स्थलों पर वापस जाने और यूरेनियम के भंडार का आकलन करने की अनुमति दी जानी चाहिए। इसमें सबसे महत्वपूर्ण 400 किलोग्राम यूरेनियम शामिल है जिसे 60 प्रतिशत तक संवर्धित किया गया है। उन्होंने कहा कि आईएईए के निरीक्षक ईरान के साथ सहमति होने पर ईरान में आवश्यक कार्य करने के लिए तैयार हैं ।

ट्रम्प ने ईरान पर हमलों ...

उदाहरण नहीं देना चाहता, लेकिन वही बात इस युद्ध को खत्म करने वाली थी। इसने इजराइल-ईरान युद्ध को खत्म किया। अगर हमने ऐसा नहीं किया होता, तो वे अभी भी लड़ रहे होते। गौरतलब है कि स्थिति 13 जून को तब बिगड़ी जब इजरायल ने ईरान पर गुप्त परमाणु कार्यक्रम चलाने का आरोप लगाकर बड़े पैमाने पर हमला किया। ईरान ने जवाब में ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस तृतीय शुरू किया और इजरायल के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। इसके बाद 22 जून को अमेरिका ने नतांज, फोर्डो और इस्फ़हान में तीन ईरानी परमाणु साइटों पर हमला किया और इजरायल के अभियान में शामिल हो गया। श्री ट्रम्प ने कहा कि ईरान को अब इस युद्ध को खत्म करने पर सहमति देनी होगी वरना गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। उल्लेखनीय है कि अगस्त 1945 में अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराये थे, जिनमें लगभग 2,14,000 लोग मारे गये।

शुभांशु शुक्ला ने...

अंतरिक्ष यात्री हैं। अनुभवी अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन एक्स-4 मिशन की कमान संभाल रही हैं। उनकी यह दूसरी वाणिज्यिक मानव अंतरिक्ष उड़ान है। लगभग 28 घंटे की यात्रा के बाद अंतरिक्ष यान के गुरुवार शाम करीब 04:30 बजे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से डॉक होने की उम्मीद है। शुभांशु शुक्ला का मिशन लॉन्च होने के बाद भारतीय वायु सेना ने 'एक्स' पर लिखा, ''आसमान को जीतने से लेकर सितारों को छूने तक- भारतीय वायु सेना के वायु योद्धा की अदम्य भावना से प्रेरित एक यात्रा। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला एक ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन पर रवाना हुए, जो देश के गौरव को धरती से परे ले जाएगा। यह भारत के लिए एक ऐसा क्षण है, जो स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा के मिशन के 41 साल बाद आया है, जब पहली बार हमारे तिरंगे को धरती से परे ले जाया गया था। यह एक मिशन से कहीं बढ़कर है- यह भारत के निरंतर विस्तारित क्षितिज की पुष्टि करता है। उड़ान भरने के बाद स्पेसक्राफ्ट के अंदर से शुभांशु शुक्ला ने पहला मैसेज दिया। उन्होंने कहा कि नमस्कार, मेरे प्यारे देशवासियो, बद्धथ्र थ न्द्वदद्ग... 41 साल बाद हम वापस अंतरिक्ष में पहुंच गए हैं और कमाल की राइड थी। इस समय हम 7.5 किलोमीटर प्रति सेकेंड की रफ्तार से पृथ्वी के चारों तरफ घूम रहे हैं। मेरे कंधे पर मेरे साथ मेरा तिरंगा है, जो मुझे बता रहा है कि मैं अकेला नहीं हूं, मैं आप सबके साथ हूं। शुभांशु शुक्ला ने स्पेसक्राफ्ट के अंदर से कहा कि ये मेरी इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन तक की जर्नी की शुरुआत नहीं है, ये भारत की ह्यूमन स्पेस प्रोग्राम की शुरुआत है और मैं चाहता हूं कि सभी देशवासी इस यात्रा का हिस्सा बनें। आपका भी सीना गर्व से चौड़ा होना चाहिए। आप भी उतना ही एक्साइटमेंट दिखाइए। आइए हम सब मिलकर भारत की इस ह्यूमन स्पेस जर्नी की शुरुआत करें। धन्यवाद, जय हिंद, जय भारत। एक्स-4 मिशन में अमेरिका, भारत, पोलैंड, हंगरी, सऊदी अरब, ब्राजील, नाइजीरिया, यूएई और कई यूरोपीय देशों सहित 31 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 60 वैज्ञानिक अध्ययन और गतिविधियां शामिल होंगी। मिशन में अमेरिका, भारत, पोलैंड (ईएसए के साथ साझेदारी में) और हंगरी के शोध पोर्टफोलियो पर विशेष जोर दिया जाएगा। इसका उद्देश्य विविध हितधारकों को शामिल करके, माइक्रोग्रैविटी अनुसंधान के लाभों को बढ़ावा देकर और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सहयोग को मजबूत करके इन देशों में भागीदारी को व्यापक बनाना है। अध्ययनों से मानव स्वास्थ्य, पृथ्वी अवलोकन, जैविक और भौतिक विज्ञान जैसे क्षेत्रों में वैश्विक समझ का विस्तार होने की उम्मीद है।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल...

हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में ये दोनों प्रस्ताव पारित किये गये। उन्होंने बताया कि आपातकाल पर लाये गये प्रस्ताव में मंत्रिमंडल के सदस्यों ने इससे लड़ने वाले अनगिनत लोगों के बलिदानों का स्मरण करने का संकल्प लिया और संविधान की हत्या के प्रयास को असफल करने वाले इन योदधाओं के प्रति सम्मान व्यक्त किया। प्रस्ताव में कहा गया है कि संविधान पर यह प्रहार 1974 में नवनिर्माण आंदोलन और सम्पूर्ण क्रांति अभियान को कुचलने के कठोर प्रयास के साथ शुरू हुआ था। श्री वैष्णव ने कहा कि सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर आपातकाल से लड़ते हुए बलिदान देने वाले साहसी लोगों को श्रदधांजलि भी दी। उन सभी नागरिकों को भी श्रद्धांजलि दी गयी जिनके संवैधानिक तथा लोकतांत्रिक अधिकार छीन लिए गए और जिन्हें अकल्पनीय यातनाओं का सामना करना पड़ा। प्रस्ताव में कहा गया है कि वर्ष 2025 'संविधान हत्या दिवस' की 50वीं वर्षगांठ है। यह भारतीय इतिहास का एक अविस्मरणीय अध्याय था। आपातकाल में संविधान को कुचलने का प्रयास किया गया, भारत की लोकतांत्रिक भावना पर हमला किया गया, और संघवाद को नष्ट किया गया। मौलिक अधिकार, मानवीय स्वतंत्रता और गरिमा को भी खत्म किया गया। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वरिष्ठ नागरिकों के साथ-साथ युवाओं को भी इन लोकतंत्र सेनानियों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन लोगों ने तानाशाही प्रवृत्तियों का विरोध किया और संविधान एवं लोकतांत्रिक भावना की दृढ़ता से रक्षा की। प्रस्ताव में कहा गया है कि लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत, संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण, सुरक्षा और रक्षा का मूर्तरूप है। एक्सिओम-4 मिशन से संबंधित प्रस्ताव में कहा गया है कि मंत्रिमंडल भारत, हंगरी, पोलैंड और अमेरिका के अंतरिक्ष यात्रियों के अंतरिक्ष मिशन के सफल प्रक्षेपण का स्वागत करता है। सदस्यों ने कहा कि भारतीय अंतरिक्ष यात्री, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला, अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर जाने वाले पहले भारतीय बनने की राह पर हैं। वह अपने साथ 140 करोड़ भारतीयों की इच्छाएं, उम्मीदें और आकांक्षाएं लेकर गये हैं। मंत्रिमंडल उन्हें और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को सफलता की शुभकामनाएं देता है।

आगरा में अंतरराष्ट्रीय आलू...

सृजन को बढ़ाना है। श्री वैष्णव ने कहा कि देश में आलू क्षेत्र में उत्पादन क्षेत्र, प्रसंस्करण क्षेत्र, पैकेजिंग, परिवहन, विपणन, मूल्य श्रृंखला आदि में महत्वपूर्ण रोजगार अवसर पैदा करने की क्षमता है। इसलिए इस क्षेत्र में संभावनाओं का दोहन करने और उनका पता लगाने के लिए आगरा में यह केंद्र स्थापित किया जा रहा है।

विस उपचुनावों ...

हुआ, पारदर्शिता बढ़ी और वीटीआर रुझान प्रकाशित करने में लगने वाले समय में उल्लेखनीय कमी आई। इन उप चुनावों में ईसीआईएनईटी के माध्यम से पीआरओ अपने-अपने मतदान केंद्रों को छोड़ने से पहले अंतिम वीटीआर आंकड़े अपलोड किए जिसके मतदान के रुझान लोगों तक बहुत तेजी से पहुंचाए जा सके। आयोग का कहना है कि ईसीआईएनईटी के चालू होने से इंडेक्स कार्ड का तेजी से प्रकाशन सम्भव हो सका और ये कार्ड परिणाम घोषित होने के 72 घंटों के भीतर उपलब्ध करा दिए गए थे। नई प्रणाली के तहत, इंडेक्स कार्ड में अधिकांश डेटा फ़ील्ड ईसीआईईनेट इनपुट का उपयोग करके स्वतः भरे जाते हैं। इससे पहले, इंडेक्स कार्ड के प्रकाशन में कई दिन, सप्ताह या महीने लग जाते थे क्योंकि डेटा अधिकारियों द्वारा मैन्युअल रूप से भरा और सत्यापित किया जाता था। इंडेक्स कार्ड एक गैर-सांविधिक, चुनाव के बाद का सांख्यिकीय सूचना प्रारूप है, जिसे 1980 के दशक के अंत में आयोग द्वारा शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, पत्रकारों और आम जनता सहित सभी हितधारकों के लिए निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर चुनाव-संबंधी डेटा की उपलब्धता को बढ़ावा देने के लिए एक स्व-प्रेरित पहल के रूप में विकसित किया गया था। इस रिपोर्ट में उम्मीदवारों, मतदाताओं, डाले गए वोटों, गिने गए वोटों, पार्टी-वार और उम्मीदवार-वार वोट शेयर, लिंग-आधारित मतदान पैटर्न, क्षेत्रीय विविधताएँ और राजनीतिक दलों के प्रदर्शन जैसे कई आयामों के डेटा शामिल किए जाते हैं। गौरतलब है कि इन राज्यों में उपचुनाव के लिए मतदान 19 जून को और मतगणना 23 जून को हुई थी।

कांग्रेस ने सत्ता बचाने ...

बलि चढ़ाने का कुत्सित प्रयास किया है। समाजवादी पार्टी, आरजेडी एवं उनके सहयोगी दल उसी मार्ग का अनुसरण कर रहे हैं। योगी ने कहा कि जिस लोकतंत्र एवं संविधान के लिए समाज के प्रत्येक तबके के व्यक्ति ने अनगिनत बलिदान दिए थे। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने तमाम अपमान सहकर अपनी पूरी बुद्धिमत्ता के साथ भारत के नागरिकों के लिए संविधान का जो ड्राफ्ट तैयार करके दिया था, उस संविधान का गला घोंटने में कांग्रेस की सरकार को कोई समय नहीं लगा। उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 को कांग्रेस ने विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका के अधिकारों को बंधक बना लिया था। सेंसरशिप के माध्यम से मीडिया का गला घोंटने का कार्य किया था। उस समय भी बहुत सारे लोग लोकतंत्र के लिए एवं भारत के लिए समर्पित भाव के साथ कार्य कर रहे थे। एक लाख से अधिक लोकतंत्र सेनानी गिरफ्तार हुए थे। लोकतंत्र को बचाने के लिए समाज के प्रत्येक तबके के व्यक्ति ने लड़ाई लड़ी। उन्होने कहा कि कांग्रेस एवं तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए 25 जून को किया गया पाप कभी भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा कि महान स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को एक परिवार ने अपने संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों की प्रतिपूर्ति का माध्यम बना लिया था। व्यवस्था में ऐसे लोग आज भी हैं, जो उस परिवार के माया मोह में जकड़े दिखाई पड़ते हैं। सीएम योगी ने कहा कि क्रांतिकारी नारा देते थे तेरा वैभव अमर रहे मां, हम दिन चार रहे न रहे और कांग्रेस उन संकल्पों को चकनाचूर करते हुए नारा देती है मेरी सत्ता बनी रहे, चाहे लोकतंत्र रहे न रहे। योगी ने कहा कि 1952 में बाबा साहब भीम राव अंबेडकर को देश की संसद न पहुंचने देना, 1975 में आपातकाल, 1984 सिखों का कत्लेआम और 2013 में कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा संसद में पारित अध्यादेश की प्रति फाड़ने वाला कृत्य अलोकतांत्रिक था। उन्होंने कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की भावनाओं का अपमान करने वाला था। इस कृत्य के साथ कांग्रेस का वास्तविक आचरण जुड़ता हुआ दिखाई पड़ता है। संगोष्ठी के शुभारम्भ से पूर्व योगी ने 'आपातकाल की त्रासदी' विषय पर आधारित एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के कवर पेज एवं चित्रों के माध्यम से लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष और तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार द्वारा उन पर किए अत्याचारों को प्रदर्शित किया गया था, जिसका योगी ने अवलोकन किया। कुछ लोकतंत्र सेनानियों ने आपातकाल के दौरान उन्हीं मिली यातनाओं को कार्यक्रम में मौजूद लोगों से साझा किया। किसी ने अपने भूमिगत होने के किस्से सुनाए तो किसी ने थाने एवं जेल के अपने अनुभवों को बताया। वित्त एवं ससंदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि तत्कालिक सरकार ने इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री बनाए रखने के लिए पूरे देश को जेल बना दिया था। उन्होंने कहा कि संविधान में प्रदत्त अधिकारों की रक्षा के लिए लोकतंत्र सेनानियों ने जो यातनाएं एवं अत्याचार झेला है, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने बरेली जेल के अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री ने अपनी निरंकुश सत्ता का वर्चस्व बरकरार रखने के लिए आपातकाल जैसा दमनकारी निर्णय लिया, जिसके खिलाफ आम जनता ने भी सरकार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। कार्यक्रम में सीएम योगी ने 26 लोकतंत्र सेनानियों का पटका पहनाकर योगी ने सम्मान किया।

उत्तराखंड मंत्रिमंडल की बैठक में चार प्रस्तावों को मिली मंजूरी

■ विशेष शिक्षा शिक्षक सेवा नियमावली को भी स्वीकृति

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में बुधवार को सचिवालय में आयोजित राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में चार महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगी। पंचायत चुनाव की अधिसूचना जारी होने के चलते मंत्रिमंडल की मीडिया ब्रीफिंग इस बार आयोजित नहीं की गई।माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुपालन में 135 विशेष शिक्षा शिक्षकों के पदों के सृजन हेतु 'उत्तराखंड विशेष शिक्षा शिक्षक सेवा नियमावली-2025' को स्वीकृति प्रदान की गई। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) तृतीय चरण के शुरू होने की दशा में और इस कार्यक्रम को क्रियान्वयन करने के लिए पंचायती राज विभाग को अधिकृत किया गया।पंचम विधानसभा के 2025 के वर्षाकालीन द्वितीय सत्र के लिए स्थान और तिथि तय करने के लिए मुख्यमंत्री को अधिकृत किया गया है।पंचायती राज विभाग से संबंधित एकल सदस्य समर्पित आयोग की तीसरी रिपोर्ट का अध्ययन कर मंत्रिमंडलीय उपसमिति ने अपनी सिफारिशें प्रस्तुत कीं, जिन्हें कैबिनेट के समक्ष रखा गया।

कांग्रेस आपातकाल थोपकर भारतीय लोकतंत्र का गला घोंटा : धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर कांग्रेस पर करारा हमला बोला है। उन्होंने इसे भारतीय लोकतंत्र का गला घोंटने वाला कृत्य बताया। मुख्यमंत्री ने बुधवार को सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में लिखा कि कांग्रेस सत्ता बचाने की जिद में संविधान को ताक पर रखा। प्रेस की स्वतंत्रता छीनी गई व न्यायपालिका को गुलाम बनाने की कोशिश हुई और हजारों निर्दोष नागरिक, विपक्षी नेता और सामाजिक कार्यकर्ता जेलों में ठूंस दिए गए। 'इंदिरा ही इंडिया है' जैसे नारों के जरिए कांग्रेस ने लोकतंत्र को व्यक्ति पूजा में बदलने का प्रयास किया, जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए सबसे बड़ा खतरा होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपातकाल कोई भूल नहीं, बल्कि कांग्रेस के लोकतंत्र विरोधी चरित्र का सबसे क्रूर प्रमाण है। वह समय दिखाता है कि जब सत्ता के नशे में चूर नेतृत्व आलोचना से डरने लगे, तो वह संविधान की मर्यादाएं तोड़ने में भी संकोच नहीं करता।

मुख्यमंत्री नीतीश ने बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित 101 सहायक वास्तुविदों को प्रदान किया नियुक्ति पत्र

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित 'संवाद' में भवन निर्माण विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बिहार लोक सेवा आयोग से चयनित 101 सहायक वास्तुविदों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वास्तुविदों का कार्य इमारतों की डिजाईन बनाने के साथ-साथ पूरी निर्माण प्रक्रिया का रचनात्मक एवं तकनीकी मार्गदर्शन करना होता है ताकि निर्मित भवन सुंदर तथा उपयोगी हो। साथ ही वहां धूप, हवा एवं रोशनी का संतुलन हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि आज के इस कार्यक्रम में बिहार लोक सेवा आयोग से चयनित 101 सहायक वास्तुविदों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया है, मैं आप सभी को बधाई एवं शुभकामनायें देता हूँ और आपसे उम्मीद करता हूं कि आप अच्छे ढंग से अपने कार्य का निर्वहन करेंगे। आज 101 चयनित वास्तुविदों में प्लानिंग में पीजी की योग्यता रखने वाले 31, आपदा जोखिम में विशेषज्ञता रखने वाले 02, अर्बन डिजाईनिंग के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाले 02 एवं लैंडस्केपिंग के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाले अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। ऐसे वास्तुविद जो विशेष योग्यता रखते हैं, उनकी योग्यता के अनुसार उनको कार्य आवंटित करने का प्रस्ताव है।

आय से अधिक संपत्ति के मामले में बिक्रमजीत मजीठिया गिरफ्तार

■ पंजाब विजिलेंस ने अमृतसर सहित कई ठिकानों पर मारा छापामजीठिया के आवास से लैपटॉप, डायरियां व दस्तावेज किए गए जब्त

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब विजिलेंस ने पूर्व अकाली मंत्री बिक्रम मजीठिया को आय से अधिक संपत्ति के मामले में अमृतसर से गिरफ्तार किया गया है। मजीठिया के विरूद्ध मंगलवार की देररात मामला दर्ज किया गया था। मजीठिया की गिरफ्तारी की खबर सुनते ही पंजाब में कई जगह अकाली कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन भी किया। विजिलेंस की टीम बुधवार सुबह एसएसपी लखबीर सिंह की अगुआई में मजीठिया के अमृतसर में ग्रीन एवेन्यू स्थित घर पर पहुंची। जहां कई घंटे तक सर्च के बाद मजीठिया को गिरफ्तार कर लिया गया। मजीठिया को गिरफ्तार करने से पहले अमृतसर में उनके आवास की तरफ जाने वाले सभी रास्तों को पुलिस ने सील कर दिया और भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया। विजिलेंस ब्यूरो मजीठिया को देर शाम मोहाली कोर्ट में पेश करेगा। विजिलेंस ने बिक्रम मजीठिया के घर से मोबाइल फोन, लैपटॉप, आईपैड, डायरियां और अन्य दस्तावेज जब्त किए हैं। मजीठिया ने कहा कि सारी कार्रवाई राजनीतिक बदले की भावना से की जा रही है। मजीठिया की विधायक पत्नी गनीव कौर ने कहा कि विजिलेंस टीम ने घर में जबरन घुसकर धक्का-मुक्की की है। विजिलेंस ब्यूरो ने अभी तक इस संबंध में अधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। आम आदमी पार्टी की ओर जारी एक बयान में कहा गया है कि अमृतसर में 11, तरनतारन-4, संगरूर 3 और लुधियाना में 2 जगह पर विजिलेंस की छापेमारी की गई है। मजीठिया की गिरफ्तारी पर पंजाब के मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि पंजाब में 'युद्ध नशा के विरुद्ध' एक बहुत बड़ा अभियान चल रहा है। जब अकाली दल और भाजपा सत्ता में थे, जब कांग्रेस पार्टी सत्ता में थी। तब इन लोगों ने नशा बेचा और पंजाब के युवाओं को नशे की ओर धकेला।

इन्होंने पंजाब के लोगों को नशे की लत लगाने का काम किया। आम आदमी पार्टी की सरकार इसके खिलाफ लड़ रही है। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा चाहे वह कितना बड़ा क्यों न हो। मजीठिया की गिरफ्तारी पर केंद्रीय राज्यमंत्री व भाजपा नेता रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि भगवंत मान का विजिलेंस का दुरुपयोग करना बहुत ही तुच्छ राजनीति का सबूत है। कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर जो किया, भगवंत मान ने पंजाब में वही किया है। जो भी नेता सरकार की विफलताओं या उसकी वैधता पर सवाल उठाने की हिम्मत करता है, उसे धमकाया जाता है और चुप करा दिया जाता है।

आपातकाल की 50वीं बरसी पर केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री और दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने संयुक्त रूप से प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने संयुक्त रूप से बुधवार को आपातकाल की 50वीं बरसी पर बुधवार को कनॉट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क में आयोजित विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद, कपिल मिश्रा, सांसद बांसुरी स्वराज और वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 25 जून 1975 का दिन भारतीय लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे काला अध्याय है, जिसकी विभीषिका को राष्ट्र कभी भुला नहीं सकता। आज ही के दिन सन 1975 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने भारतीय संविधान में निहित मूल्यों को दरकिनार कर मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया था। उन्होंने कहा कि रातों-रात आपातकाल थोपकर कांग्रेस ने यह साबित कर दिया कि उसके लिए सत्ता सर्वोपरि है, लोकतंत्र और संविधान नहीं। कोई भी भारतीय यह कभी नहीं भूलेगा कि किस प्रकार हमारे संविधान की भावना का सरेआम हनन किया गया था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम लोकतंत्र की रक्षा के लिए हर परिस्थिति में अडिग होकर खड़े रहेंगे, ताकि ऐसी तानाशाही की पुनरावृत्ति कभी न हो सके। इस मौके पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह प्रदर्शनी उस काले अध्याय की सजीव स्मृति है, जब 1975 में सत्ता के लोभ में कांग्रेस सरकार ने संविधान, लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों की निर्ममता से हत्या की थी। उन्होंने कहा कि आज संविधान हत्या दिवस पर हम उन सभी लोकतंत्र सेनानियों को कृतज्ञता और श्रद्धा के साथ नमन करते हैं, जिन्होंने जेलों की यातना सहकर, नागरिक स्वतंत्रताओं के हनन के विरुद्ध आवाज उठाकर और अपने जीवन को जोखिम में डालकर लोकतंत्र की लौ को बुझने नहीं दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वो आंदोलन केवल राजनीतिक नहीं था, वह भारत की आत्मा की रक्षा का संग्राम था। और यही कारण है कि देश की जनता ने कांग्रेस की तानाशाही मानसिकता को नकारते हुए, लोकतंत्र की पुनः स्थापना की। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी न केवल इतिहास का पुनर्स्मरण है, बल्कि लोकतंत्र पर हमला करने वाली मानसिकता के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि भारत का लोकतंत्र हमारी आस्था है, और जब भी उस पर कोई संकट आएगा, देश की जनता एकजुट होकर उसकी रक्षा करेगी।

पंजाब कांग्रेस के दो नेताओं ने दिया इस्तीफा

चंडीगढ़। लुधियाना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव में हार के बाद पंजाब कांग्रेस में इस्तीफ़े का दौर शुरू हो गया है। पार्टी के दो वरिष्ठ नेता परगट सिंह और कुशलदीप सिंह ढिल्लों ने पंजाब कांग्रेस के उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। मंगलवार की रात जालंधर कैंट के विधायक और भारतीय हॉकी टीम के पूर्व खिलाड़ी परगट सिंह ने प्रदेश कांग्रेस इकाई के उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया। उपचुनाव में कांग्रेस की हार के बाद उन्होंने यह कदम उठाया। परगट सिंह के कुछ समय बाद कांग्रेस के पूर्व विधायक कुशलदीप सिंह ढिल्लों उर्फ किक्की ढिल्लों ने भी इस्तीफा दे दिया। दोनों नेताओं ने अपने इस्तीफ़े ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के महासचिव (संगठन) के. सी. वेणुगोपाल और पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल को भेजा है।लुधियाना पश्चिमी उपचुनाव में कांग्रेस को मिली हार के बाद पार्टी उम्मीदवार भारत भूषण आशु ने पंजाब कांग्रेस के प्रधान राजा वडिंग के प्रति नाराजगी जाहिर की थी। चुनाव हारने के बाद भारत भूषण आशु ने भी प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था।

मानसून का असर: केदारनाथ यात्रा पर बारिश बन रही बाधा, यमुनोत्री पैदल मार्ग तीसरे दिन भी बंद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश से जनजीवन पर बुरा असर पड़ रहा है। खासकर, लैंडस्लाइड के खतरे बढ़ गए हैं। इस बीच केदारघाटी में बीती रात से लगातार बारिश के चलते केदारनाथ यात्रा को कुछ घंटों के लिए रोक दिया गया है। यात्रा मार्ग के मुनकटिया में पहाड़ी से लगातार हो रहे भूस्खलन के कारण बोल्डर और मलबा आ रहा है। वहीं भूस्खलन के कारण यमुनोत्री पैदल मार्ग पर लापता लोगों को ढूंढने के लिए सर्च अभियान जारी है। ऐसे में तीर्थयात्रियों के लिए यमुनोत्री पैदल मार्ग अभी भी बंद है। रुद्रप्रयाग के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि केदारघाटी में भारी बारिश और पहाड़ों से पत्थर गिरने के कारण केदारनाथ धाम की पैदल यात्रा को सोनप्रयाग में रोका गया है।

वहीं सोनप्रयाग से गौरीकुंड तक राष्ट्रीय राज मार्ग भी बंद है। सीमा सड़क संगठन मार्ग पर वाहनों की आवाजाही शुरू करने में जुटा हुआ है। रुद्रप्रयाग पुलिस उत्तराखंड ने सोशल मीडिया एक्स पर बताया कि रात्रि में हुई बारिश के चलते आज प्रातः काल से मुनकटिया के पास मलबा-पत्थर आने से मार्ग अवरुद्ध हुआ है। लगातार हो रही बारिश के कारण गौरीकुण्ड से केदारनाथ धाम तक का पैदल मार्ग भी चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। इधर, यमुनोत्री धाम पैदल यात्रा मार्ग पर भूस्खलन के बाद लापता यात्रियों की खोज के लिए आज सुबह फिर सर्च अभियान शुरू कर दिया गया है। उत्तरकाशी के जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने रेस्क्यू पूरा होने तक यमुनोत्री यात्रा पर रोक लगाई है। बदरीनाथ धाम में अलकनंदा नदी के बढ़ते जल स्तर को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा की दृष्टि से नदी किनारे आवाजाही को प्रतिबंधित कर दिया है। राज्य आपदा प्राधिकरण ने बारिश की चेतावनी के चलते सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं।

फैक्ट्री में भीषण आग, चार लोगों के जले हुए शव बरामद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। रोहिणी जिले के बुध विहार थाना क्षेत्र के राणा कॉम्प्लेक्स, गेट नंबर-2 रिठाला स्थित एक फैक्ट्री में मंगलवार शाम आग लग गई। घटना की सूचना डीडी नंबर 81ए के तहत शाम 7:29 बजे पुलिस को प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। इसके अलावा दमकल की आठ गाड़ियां मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारी के अनुसार चार मंजिला इस इमारत में ग्राउंड और पहली मंजिल पर रेडीमेड बैग और प्लास्टिक बैग बनाए जाते हैं। यह फैक्ट्री सुरेश बंसल की है। जिसे उनका बेटा नितिन बंसल संचालित कर रहा था। दूसरी मंजिल आनंद नामक व्यक्ति को किराये पर दी गई है, जो वहां फैब्रिक का काम करता है। तीसरी और चौथी (टॉप) मंजिल राकेश अरोड़ा (69) को किराए पर दी गई हैं। जहां डिस्पोजल आर्टिकल्स का गोदाम और निर्माण कार्य होता है। घटना में चार लोगों की मौत हो गई। आग लगते ही राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। देर रात को पुलिस ने तीन शवों को बाहर निकाला। तीनों बुरी तरह झुलसी हालत में थे। तीनों की पहचान नितिन बंसल (मालिक का बेटा 31) राकेश (कर्मचारी 30) विरेंद्र (कर्मचारी 25) को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां नितिन और राकेश 80 प्रतिशत झुलसे हुए थे उन्हें पहले डॉ. बीएसए अस्पताल ले जाया गया। फिर उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए आरएमएल अस्पताल रेफर कर दिया गया। विरेंद्र को मामूली चोटें आईं।

भाजपा ने आपातकाल को बताया काला अध्याय

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोपेश्वर। आपातकाल को काला अध्याय बताते हुए भाजपा के जिलाध्यक्ष गजपाल बर्त्वाल ने कहा कि इतिहास कांग्रेस के इस कृत्य को कभी माफ नहीं करेगा। देश में लगे आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर बुधवार को भाजपा जिला कार्यालय गोपेश्वर में संगोष्ठी आयोजित की गई। भाजपा के जिलाध्यक्ष बर्त्वाल ने कहा कि कार्यकर्ता पंचायत चुनावों में सक्रिय भूमिका निभाए हमारा लक्ष्य पंचायतों में भाजपा को शत प्रतिशत जीत हासिल करना है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रूद्रप्रयाग जिले के सहप्रभारी रघुवीर बिष्ट ने कहा कि 1975 में देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से आपातकाल की घोषणा कर पूरे देश को इसमें धकेल दिया था। किसान, छात्र, मजदूर, नेता, सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकारों को जेल में डाल कर प्रताड़ित किया गया। समाचार पत्रों पर और देश की संवैधानिक संस्थाओं को अपने कब्जे में लेकर मन माफिक फैसले देश की जनता में थोप दिए गए। इसे कभी माफ नहीं किया जा सकता है। इस मौके पर थराली विधायक भूपाल राम टम्टा ने कहा कि वर्तमान समय में देश ऐसे हाथों में है जो सबका साथ, सबका विकास के सिद्धांतों को लेकर देश को आगे बढ़ा रहे है।

आपातकाल का कलंक कांग्रेस का काला कारनामा : प्रवीण कुमार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अररिया। लोकतंत्र पर प्रहार करने का दुःखद दिन 25 जून 1975 को देश के माथे पर आपातकाल का कलंक लगाने वाली कांग्रेस के काले कारनामे को देश कभी ना भूलेगा,न देश कभी कांग्रेस को इसके लिए माफ करेगा। उक्त बातें भाजपा विधानसभा प्रभारी प्रवीण कुमार ने आपातकाल के 50वीं बरसी पर कहीं।

आपातकाल देश के लिए काला अध्याय विषय से कार्यकर्ताओं को अवगत कराने हेतु बुधवार को नगर अध्यक्ष वीरेंद्र प्रसाद मिंटू की अध्यक्षता में आयोजित एक बैठक को संबोधित करते हुए विधानसभा प्रभारी कुमार ने कहा कि स्वतंत्र भारत मे 25 जून 1975 के अर्द्धरात्रि को कांग्रेस द्वारा देश पर थोपे गये शर्मनाक आपातकाल के दौरान रात में सोते हुए लोकनायक जयप्रकाश नारायण सहित अटल बिहारी वाजपेयी, मोरारजी देसाई, चरण सिंह, राजनारायण, नानाजी देशमुख कर्पूरी ठाकुर जैसे अनेकों प्रमुख नेता सहित 21 महीने के आपात काल मे 1 लाख 10 हजार लोगों गिरफ्तार कर प्रेस पर सेंसर लगा,अखवारों के जुबान पर ताले जड़ दिये गये और देश वासियों भीषण यातनाएं सहने पर मजबूर कर दिया गया था। कुमार ने संविधान के अनुच्छेद 352 का दुरुपयोग कर लगाए गए इमरजेंसी के विरुद्ध गम्भीर यातनाएं सह कर भी अपनी आवाज बुलंद करने वाले सत्याग्रहियों सेनानियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा कि एक परिवार की सत्ता के लालच ने संसद को निष्क्रिय बनाकर देश को रातों रात जेल में तब्दील कर दिया गया था। प्रेस, विपक्ष, न्यायलय, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सब खत्म कर लोकतंत्र की सांसे को जेल में कैद कर कांग्रेस अपना नंगा नाच करती रही। कहा कि कांग्रेस ने जिस तानाशाही प्रवृति के कारण आपातकाल लगाया था आज भी ठीक वैसी ही है, और यह प्रवृति अक्सर उभर कर सामने आ जाती है। उन्होंने कहा कि कहा कि ये काली कहानी को बार बार स्मरण करने की जरूरत है, ताकि हमें याद रहे की लोकतांत्रिक परम्पराओं के क्षरण के कितने दुष्परिणाम होते हैं।जिन लोगों ने हमारे लोकतंत्र को बंधक बनाया उन्होंने कभी इस कुकृत्य के लिए माफी नही मांगी और ना ही उनको सजा मिल सकी। बैठक में पूर्व नगर अध्यक्ष रजत सिंह,नगर महामंत्री संदीप कुमार,शिवानी सिंह,राधा देवी नगर उपाध्यक्ष आयुष कुमार,प्रसेनजीत चौधरी,शिवराम शर्मा,प्रमोद पासवान, भाजयुमो मंडल प्रभारी विपुल सिंह, भाजयुमो नगर अध्यक्ष किशन शर्मा सहित अनेकों कार्यकर्ता मौजूद थे।

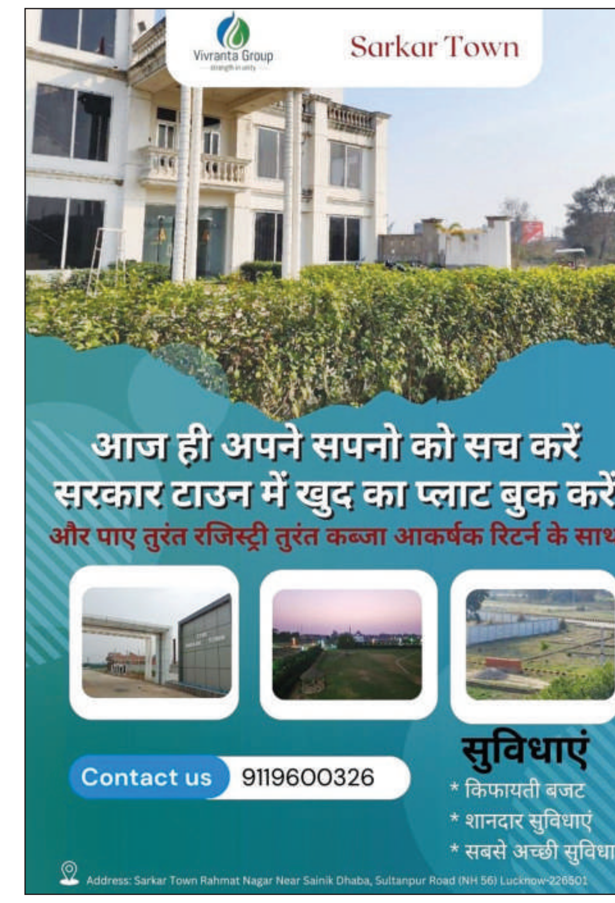

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - **राकेश कुमार पाण्डेय** कार्यकारी सम्पादक* - **अरशद सईद खान** स्टेट हेड - **संदीप मिश्रा**

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 **e-mail** : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063